@Qpatrika | @qaumipatrika hindi | instagram.com/qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

मंगलवार, 5 मई 2026

कौमी पत्रिका

राष्ट्रीय दैनिक अखबार

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 180 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

पाचं राज्यों में विधानसभा चुनाव 2026

‘पश्चिम बंगाल में खिल गया कमल’

पश्चिम बंगाल, असम में भाजपा, केरल में कांग्रेस, तमिलनाडु में टीवीके की सरकार

एजेंसी

नई दिल्ली। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव की मतगणना के रूझानों में पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में भारी उलटफेर की संभावना के साथ भारतीय जनता पार्टी बंगाल में अपने दम पर जबरदस्त बहुमत हासिल करने जा रही है वहीं तमिलनाडु में अभिनेता विजय के करिश्में के दम पर टीवीके स्पष्ट रूप से सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी है। केरल में सत्ता परिवर्तन के संकेतों के बीच एक दशक बाद कांग्रेस के नेतृत्व में संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा की सरकार बनने की प्रबल संभावना है। असम और पुड्डुचेरी में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार की वापसी निश्चित लग रही है। तमिलनाडु में भी रूझानों

• बंगाल में ‘दीदीगीरी’ खत्म

में एग्जिट पोल के विपरीत भारी उलट फेर देखने को मिला है। राज्य में अभी तक रूझानों में किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत के संकेत नहीं हैं लेकिन विधानसभा की 234 में से 224 सीटों के रूझानों में टी वी के अप्रत्याशित रूप से110 सीटों से साथ सबसे आगे है। अन्नाद्रमुक

दूसरे स्थान पर 57 सीटों पर तथा सत्तारूढ द्रमुक 48 सीटों पर आगे रहते हुए तीसरे स्थान पर है। कांग्रेस 4 तथा पीएमके 5 सीट पर आगे है। पिछले चुनाव में द्रमुक गठबंधन को 158 जबकि अन्नाद्रमुक गठबंधन को 69 सीटें मिली थी।

असम विधानसभा की 126 में से 124 सीटों के रूझान मिलने हैं और इनमें राजग को स्पष्ट बहुमत मिलता दिख रहा है। रूझानों में भाजपा को 79 , कांग्रेस को 24 , असम गण परिषद को 09 और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीओपीएफ) को 10 सीटों पर बढत हासिल है। पिछले चुनावों में राजग को 74, कांग्रेस गठबंधन को 28 तथा एयूडीएफ को 15 सीटें मिली थी। केरल में अनुमानों के अनुरूप कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा को बहुमत मिलने जा रहा है।

विधानसभा की 140 में 127 सीटों के रूझान मिले हैं जिनमें से कांग्रेस को 63 उसके सहयोगी दल इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग को 23 , मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी को 25, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी को 09 और केएफसी को 7 सीटों पर बढत मिल रही है।पिछ्ली चुनाव में वाम लोकतांत्रिक मोर्चा को 94 और संयुक्त मोर्चा को 42 सीट मिली थी।

पुड्डुचेरी विधानसभा की 30 में से 16 सीटों के परिणाम और शुरूआती रूझानों मिले हैं जिनमें राजग के बहुमत की ओर बढने के संकेत मिले हैं। एआईएनआरसी ने छह सीटें जीत ली हैं और उसके उम्मीदवार तीन सीटों पर आगे हैं। निर्दलीय उम्मीदवार एक सीट पर जीत के साथ दो सीटों पर आगे चल रहे हैं । भाजपा ने एक सीट जीती है और एक पर आगे है। कांग्रेस और अन्नाद्रमुक ने भी एक-एक सीट जीती है।

-यह आंकड़े खबर लिखे जाने तक के हैं।

विजय का सियासी डेब्यू ‘ब्लॉकबस्टर’

तमिलनाडु में नई राजनीति का उदय!

जर्मनी में भारत का परचम: द्रोणाचार्य भूपेंद्र धवन के शिष्यों ने जीते 7 स्वर्ण पदक

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। द्रोणाचार्य भूपेंद्र धवन के शिष्य सुरेंद्र सिंह और गुरदित सिंह ने 1 से 3 मई 2026 तक जर्मनी के बिटबर्ग में आयोजित जर्मन पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में भारत के लिए गौरव हासिल किया। एक ऐतिहासिक पल में, द्रोणाचार्य भूपेंद्र धवन के शिष्य सुरेंद्र सिंह और गुरदित सिंह ने 1 से 3 मई 2026 तक जर्मनी के बिटबर्ग में आयोजित जर्मन पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में भारत के लिए 7 स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। सुरेंद्र सिंह ने मास्टर्स बेंचप्रेस में 1 स्वर्ण, ओपन बेंचप्रेस में 1 स्वर्ण, मास्टर्स डेडलिफ्ट में 1 स्वर्ण और ओपन डेडलिफ्ट में 1 स्वर्ण पदक जीता। गुरदित ने फुल पावरलिफ्टिंग जूनियर श्रेणी में डेडलिफ्ट (290 किलोग्राम), बेंचप्रेस (160 किलोग्राम) और स्क्वैट्स (250 किलोग्राम) के साथ कुल 700 किलोग्राम भार उठाकर 1 स्वर्ण पदक जीता; इसके अलावा उन्होंने सिंगल बेंचप्रेस में 162.5 किलोग्राम भार उठाकर 1 स्वर्ण और सिंगल डेडलिफ्ट में 285 किलोग्राम भार उठाकर 1 स्वर्ण पदक हासिल किया। द्रोणाचार्य द जिम के 37 वर्ष पूरे। दो पीढ़ियां, और अब भी भारत के लिए जीत हासिल कर रही हैं; मेरे सबसे पुराने शिष्यों में से एक सुरेंद्र सिंह ने 4 स्वर्ण और मेरे सबसे युवा अंतरराष्ट्रीय एथलीट गुरदित सिंह ने 3 स्वर्ण पदक जीते हैं। हमें अपनी बनाई इस विरासत पर गर्व है; यह मेरे लिए जन्मदिन का सबसे बेहतरीन तोहफ़ा है – ऐसा द्रोणाचार्य भूपेंद्र धवन ने कहा। IPL इंडिया के अध्यक्ष, श्री ओम प्रकाश अंग्रिश ने भारतीय टीम के कोच द्रोणाचार्य भूपेंद्र धवन के शिष्यों को बधाई दी और उनके भविष्य के प्रयासों के लिए उन्हें शुभकामनाएँ दीं। पूरी भारतीय टीम ने अपने

कोच द्रोणाचार्य भूपेंद्र धवन, साथ ही IPL इंडिया और शेरू क्लासिक वर्ल्ड के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा हमने यह सफलता आप सभी के सहयोग से हासिल की है। हम इस सफलता का पूरा श्रेय हमारे देश के माननीय प्रधानमंत्री द्वारा शुरू किए गए खेलो इंडिया-फिट इंडिया अभियान को समर्पित करते हैं।

सभी ग्रामीण खेल मैदानों में फ्लड लाइट्स, वॉकिंग व रनिंग ट्रैक और वॉलीबॉल, फुटबॉल तथा हॉकी के कोर्ट होंगे: मुख्यमंत्री मान

कौमी पत्रिका

साहिबजादा अजीत सिंह नगर (मोहाली); 4 मई। पंजाब के गांवों को खेल बुनियादी ढांचे के विकास के केंद्र में रखते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान राज्य भर में 15 जुलाई तक विश्व स्तरीय सुविधाओं वाले 3,100 खेल मैदान लोगों को समर्पित करेंगे, जिनमें से आज उन्होंने 250 खेल मैदानों का उद्घाटन किया। युवाओं में नशे की समस्या को दूर करने में खेलों की भूमिका को अहम बताते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी (आप) सरकार सिर्फ बुनियादी ढांचा विकसित नहीं कर रही, बल्कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने योग्य खिलाड़ी पैदा करने के उद्देश्य से युवाओं को मुफ्त प्रशिक्षण, पेशेवर कोच और खेल उपकरण प्रदान करके इस कदम को अधिक से अधिक बढ़ावा भी दे रही है। खेलों में निवेश के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि खेल बजट, जो पहले 200 करोड़ रुपए से भी कम था, को बढ़ाकर उनकी सरकार ने 1,790 करोड़ कर दिया है। इसके साथ ही किला रायपुर ग्रामीण ओलंपिक की शुरुआत के माध्यम से पंजाब की खेल विरासत को पुनर्जीवित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। पंजाब पहली बार एशियाई हॉकी चैंपियनशिप की मेजबानी करने जा रहा है। उल्लेखनीय है कि भगवंत मान सरकार सूबे को देश और पूरे विश्व के खेल नक्शे पर मजबूती से खड़ा करने का दृष्टिकोण लेकर चल रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सूबा सरकार हर गाँव के विकास को उसी खजाने से सुनिश्चित कर रही है, जिसके खाली होने का दावा पिछली सरकारें करती रही हैं। नवनिर्मित 250 ग्रामीण खेल मैदानों का उद्घाटन करने के बाद मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि आप सरकार सूबे के खेल माहौल को बदलने के लिए बड़े पैमाने पर प्रयास कर रही है, जिसका स्पष्ट उद्देश्य युवाओं को नशे से दूर रखना और उनकी ऊर्जा को रचनात्मक दिशा में लगाना है। उन्होंने कहा कि खेल संस्कृति को बढ़ावा देना सूबा सरकार के नशों के खिलाफ युद्ध में सबसे प्रभावशाली साधन हो सकता है। युवाओं की असीम ऊर्जा को सही दिशा में लगाने के लिए खेलों को अधिक से अधिक बढ़ावा दिया जा रहा है ताकि वे खेलों में बड़ी सफलता हासिल कर सकें। उन्होंने कहा कि जो युवा खेलों में लगे हुए हैं,

उनके पास नशों की तरफ देखने का भी समय नहीं है क्योंकि उनका सारा ध्यान अपने-अपने क्षेत्रों में ऊंचाइयां हासिल करने पर केंद्रित रहता है। उन्होंने आगे कहा कि यह सूबे में से नशों के कलंक को खत्म करने और युवाओं को सामाजिक-आर्थिक विकास में बराबर का भागीदार बनाने में अधिक सहायक सिद्ध होगा। इस पहल के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं के स्वस्थ शरीर और तंदुरुस्त दिमाग को सुनिश्चित करने के लिए पंजाब सरकार पहले चरण के तहत 1,250 करोड़ की लागत से राज्य भर में आधुनिक सुविधाओं से लैस 3,100 ग्रामीण खेल मैदान विकसित कर रही है। इनमें से 250 मैदान आज समर्पित कर दिए गए हैं और बाकी बचे सभी मैदान चरणबद्ध तरीके से 15 जुलाई तक समर्पित कर दिए जाएंगे। इसके चरणबद्ध कार्यान्वयन के बारे में अधिक जानकारी देते हुए, 250 मैदान आज समर्पित किए गए हैं और बाकी 500 मैदान 15 मई को, 250 मैदान 31 मई को, 500 मैदान 15 जून को, 1,000 मैदान 30 जून को और 600 मैदान 15 जुलाई को समर्पित किए जाएंगे। नशा विरोधी मुहिम में इन मैदानों की भूमिका पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, ये ग्रामीण खेल मैदान युद्ध नशों के विरुद्ध मुहिम में अहम और क्रांतिकारी भूमिका निभाएंगे। ये न सिर्फ युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।

शेष पृष्ठ 3 पर

स्पाइसजेट और प्रवर्तक अजय को झटका, याचिका खारिज, लगा जुर्माना

-कोर्ट ने 19 जनवरी को 144 करोड़ रुपए जमा करने का दिया था आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट का फैसला सामने आने से विमानन कंपनी से जुड़ा बड़ा विवाद फिर चर्चा में आ गया। बता दें कि कोर्ट ने स्पाइसजेट और उसके प्रवर्तक अजय सिंह की वह याचिका खारिज कर दी है, जिसमें उन्होंने पहले दिए गए आदेश की समीक्षा की मांग की थी। इस आदेश के तहत उन्हें 144 करोड़ रुपए जमा करने को कहा था, जिसे लेकर उन्होंने राहत की गुहार लगाई थी। जानकारी के मुताबिक न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद की पीठ ने याचिका को खारिज करते हुए स्पाइसजेट और अजय सिंह पर 50 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। कोर्ट ने साफ कहा कि मामला खारिज किया जाता है और पहले दिया गया आदेश लागू रहेगा। बता दें कोर्ट ने 19 जनवरी को स्पाइसजेट को कुल 194 करोड़ रुपए की स्वीकृत देनदारी में से 144 करोड़ रुपए छह सप्ताह के अंदर जमा करने का निर्देश दिया था। बाद में इस समय सीमा को 18 मार्च तक बढ़ा दी थी। बताया जा रहा है कि स्पाइसजेट और अजय सिंह ने पश्चिम एशिया में जारी युद्ध और कंपनी की खराब वित्तीय स्थिति का हवाला देते हुए इस आदेश पर पुनर्विचार की मांग की थी। उन्होंने कोर्ट को यह भी प्रस्ताव दिया कि नकद राशि जमा करने के बजाय गुरुग्राम स्थित एक व्यावसायिक संपत्ति को गारंटी के तौर पर स्वीकार कर लिया जाए। साथ ही यह भी कहा कि केंद्र सरकार से कुछ सहायता मिलने की उम्मीद है। हालांकि दूसरी ओर कलानिधि मारन और उनकी कंपनी कल एयरवेज ने इस पुनर्विचार याचिका का कड़ा विरोध किया। उनका कहना था कि इसी तरह के तर्क पहले भी सुप्रीम कोर्ट में रखे जा चुके हैं और वहां उन्हें खारिज किया जा चुका है। ऐसे में इस आधार पर दोबारा राहत नहीं दी जानी चाहिए।

बंगाल चुनाव पर रामदेव की प्रतिक्रिया, यह सबक उनके लिए जो सोचते हैं कोई उन्हें हिला नहीं सकता

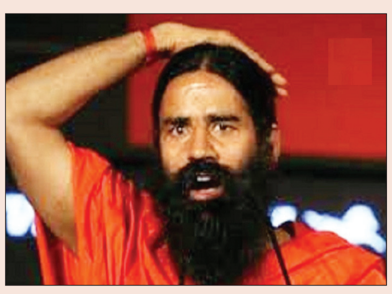

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के रुझानों को लेकर योग गुरु बाबा रामदेव ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। पश्चिम बंगाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीजेपी की जीत हो रही है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और उनके योद्धाओं के नेतृत्व में जो बंगाल में हुआ है, वहां अप्रत्याशित है, ऐतिहासिक है। बहुत मायनों में ये सबक है कि हम यहां स्थापित हैं और हमें सत्ता से कोई हिला नहीं सकता है। उन्होंने कहा, वर्चस्ववाद के उन्माद में जो लोग पगलाए हुए थे, उनके लिए ये बंगाल का चुनाव एक बहुत बड़ा सबक है कि अब आपको विजय चाहिए है, तब अंतिम वोटर से लेकर बूथ मैनेजमेंट तक राजनीति की सभी दिशाओं को आपको साधना होगा। जो लोग हिंदू समाज को जाति वर्ग समुदायों में बांटकर एक मजहबी तुष्टिकरण कुचक्र को स्थापित करना चाहते थे उनके लिए भी बड़ा सबक है।

नदी में कार गिरने से 4 लोगों की मौतें

कबीरधाम(एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के कवर्धा में देर रात तेज रफ्तार कार बेकाबू होकर फोक नदी में जा गिरी। इस हादसे में कार सवार 4 युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 2 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया है। घटना पांडातराई थाना क्षेत्र की है। शुरुआती जानकारी के अनुसार सभी युवक बिरगांव (रायपुर) से पंडरिया में शादी में शामिल होने जा रहे थे। इसी दौरान पांडातराई के पास कार का बैलेंस बिगड़ा और पलटते हुए 30 फीट नीचे नदी में जा गिरी। मौके पर पहुंचे स्थानीय लोगों ने घायलों को बाहर निकला और पुलिस को हादसे की सूचना दी। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने घायलों को एंबुलेस की मदद से अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है। जहां दोनों की हालत गंभीर बनी हुई है। दोनों घायलों को रायपुर रेफर किया गया है। परिजनों को भी हादसे की सूचना दे दी गई है। वहीं मृतकों के शवों का पंचनामा कर पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेजा गया है। पीएम के बाद परिजनों को शव सौंपा जाएगा।

सड़क पर सोने की अफवाह ने बटोरी भीड़ : वलसाड में हर चमकती चीज़ सोना नहीं निकली

वलसाड (एजेंसी)। गुजरात के वलसाड जिले में हाल ही में अजीबोगरीब घटना देखने को मिली, जहां नारगोल कोस्टल हाइवे पर सड़क किनारे पड़े कुछ चमकदार टुकड़ों को लोग सोना समझ बैठे। दोपहर की तेज धूप में इन टुकड़ों पर जब रोशनी पड़ी, तब वे वाकई सोने की तरह चमकने लगे, जिसने वहां से गुजर रहे लोगों का ध्यान खींचा। देखते ही देखते यह अफवाह बिजली की तरह फैल गई कि सड़क पर खजाना यानी सोना बिखरा पड़ा है।

जैसे ही यह खबर आसपास के गांवों और बस्तियों तक पहुंची, लोग अपना काम छोड़कर सड़क की ओर दौड़ पड़े। विशेषकर महिलाएं और बच्चे बड़ी संख्या में वहां पहुंचे, कोई दुपट्टे में, तब कोई थैली में इन चमकदार टुकड़ों को बटोरने लगा। चिलचिलाती गर्मी और धूप की परवाह किए बिना सड़क पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। हर कोई झुक-झुककर इन टुकड़ों को उठाने की होड़ में था, जैसे उन्हें सचमुच कोई बड़ा खजाना मिल गया हो। इस पूरे घटनाक्रम को किसी ने मोबाइल पर कैद कर लिया और वीडियो सोशल मीडिया पर तुरंत वायरल हो गया, जिससे हर कोई यह देखकर हैरान था कि आखिर सड़क पर क्या गिर गया, जिसे लोग सोना समझ बैठे। हालांकि, सोने की कहानी का सच ज्यादा देर तक छिपा नहीं रह सका। स्थानीय स्तर पर इन टुकड़ों की जांच की गई, तो पता चला कि ये कीमती धातु सोना नहीं, बल्कि साधारण तांबा या पीतल जैसे धातु के टुकड़े थे। जो लोग इन्हें खजाना समझकर खुशी-खुशी बटोर रहे थे, उन्हें बाद में निराशा हाथ लगी। सच्चाई सामने आने से पहले ही बड़ी मात्रा में ये टुकड़े लोग अपने साथ ले जा चुके थे।

ममता और स्टालिन का प्रदर्शन सिर्फ दो दलों की हार नहीं, क्या अब इंडिया गठबंधन टिक पाएगा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। 4 मई को अब तक आए चुनावी नतीजों के बाद 5 राज्यों की चुनावी तस्वीर करीब साफ हो चुकी है। जहां बंगाल में पहली बार बीजेपी सरकार बनाने जा रही है। वहीं तमिलनाडु में अभिनेता से राजनेता बने विजय की पार्टी ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। बंगाल और तमिलनाडु दोनों ही राज्यों में बदलाव के साथ दो सबसे शक्तिशाली क्षेत्रीय नेताओं को गहरा धक्का लगा है। इन नेताओं की हार का असर आने वाले आम चुनाव और विपक्षी एकता पर पड़ना तय है। बीजेपी पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के चौथे कार्यकाल की उम्मीदों पर पानी फेरती दिख रही है। वहीं तमिलनाडु में स्टालिन अपनी कुर्सी गंवा बैठे हैं और टीवीके प्रमुख थलपति विजय का मुख्यमंत्री बनना तय है।

बात दें कि स्टालिन और ममता दोनों विपक्षी इंडिया गठबंधन के सबसे प्रमुख चेहरों में से हैं। दोनों नेता अब तक अपने-अपने राज्यों में भाजपा के विस्तार को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे थे। पिछले कुछ चुनावों में कांग्रेस की कई हार के बाद विपक्ष के चेहरे के रूप में राहुल गांधी के नाम पर इंडिया गठबंधन के भीतर ही सवाल थे। वहीं अब ममता बनर्जी और स्टालिन को चुनाव में जो झटका लगा है वह इंडिया गठबंध की स्थिति को और जटिल कर देगा।

2024 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी अपने दम पर सरकार बनाने से चूकी थी। बीजेपी जितनी सीटों की उम्मीद लगाए बैठी थी उसके मुताबिक सफलता नहीं मिली। साथ ही सवाल उठने लगे कि बीजेपी की स्थिति अब कमजोर हो रही है लेकिन आम चुनाव के बाद कई राज्यों में बीजेपी ने जीत हासिल आकलन को गलत साबित किया। 2024 के लोकसभा चुनावों के बाद बीजेपी ने महाराष्ट्र, हरियाणा, बिहार, दिल्ली और ओडिशा सहित कई राज्यों में अपनी स्थिति मजबूत की है। पश्चिम बंगाल में मिली जीत ने इस दायरे को और भी बढ़ाया है।

आज आए नतीजों में तमिलनाडु में न केवल डीएमके की हार हुई बल्कि सीएम एमके स्टालिन अपनी सीट भी हार गए है। डीएमके ने 2021 में एआईएडीएमके को हराकर सत्ता में वापसी की और 234 में से 133 सीटें जीतीं। लेकिन यह चुनाव तमिलनाडु के राजनीतिक परिदृश्य में बदलाव लेकर आया है। वहीं बंगाल में 2011 में ममता सत्ता में आईं और उन्होंने लेफ्ट के तीन दशक के शासन का अंत किया। बीजेपी की बढ़ती चुनौती के बावजूद उन्होंने 2016 और 2021 में अपनी स्थिति मजबूत की। लेकिन अब चौथी बार जीत का सपना टूट गया।

तमिलनाडु में लंबे समय से डीएमके और एआईएडीएमके का वर्चस्व रहा लेकिन इस चुनाव में टीवीके के उदय ने कई राजनीतिक पंडितों को चौंका दिया। राजनीतिक विश्लेषक टीवीके की लोकप्रियता में इस उछाल का एक बड़ा कारण विजय की व्यक्तिगत लोकप्रियता को मानते हैं, खासकर युवा और महिला मतदाताओं के बीच। थलपति के नाम से जाने जाने वाले विजय ने तीन दशकों के फिल्मी करियर में अपनी दमदार फैन फॉलोइंग के साथ राजनीति में कदम रखा और अब पहले ही चुनाव के बाद उनका राज्य का अगला सीएम बनना लगभग तया है।

लालू परिवार को राबड़ी आवास खाली करने का अल्टीमेटम : सरकार ने दिया 15 दिन का समय

बेटी रोहिणी ने नोटिस को लालू यादव का अपमान बताया

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजनीति में एक बड़ी हलचल सामने आई है, जहाँ सम्राट सरकार ने पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी और उनके परिवार को पटना के 10 सर्कुलर रोड स्थित सरकारी आवास राबड़ी आवास खाली करने के लिए 15 दिनों का समय दे दिया है। यह वहीं आवास है जहाँ पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव रहते हैं। सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के अनुसार, सम्राट सरकार ने पहले भी करीब एक साल पहले 25 नवंबर को आवास खाली करने का आदेश दिया था, लेकिन लालू परिवार की ओर से अब तक आवास खाली नहीं किया गया। इसके बाद अब सम्राट सरकार ने सख्त रुख दिखाकर अंतिम चेतावनी दी है। भवन निर्माण विभाग के अधिकारियों द्वारा जारी नोटिसों में राबड़ी देवी के अलावा, हाल ही में चुनाव हार चुके कई पूर्व विधायकों को भी सरकारी बंगले खाली करने को कह दिया गया है। बताया जा रहा है कि लालू परिवार करीब 20 वर्षों से 10 सर्कुलर रोड स्थित आवास में रह रहा था। भवन निर्माण विभाग ने राबड़ी देवी को पहला नोटिस तब जारी किया था जब उन्हें बिहार विधान परिषद के आवासन के लिए पटना के 39 हार्डिंग रोड पर एक नया आवास आवंटित किया गया था। इस घटनाक्रम पर लालू यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इस सुशासन बाबू का विकास मॉडल बताकर लालू प्रसाद का अपमान करार दिया और लिखा, घर से निकल सकते हो, बिहार की जनता के दिल से कैसे निकालिएगा। हालांकि, इस पूरे मामले पर अभी तक सरकार या संबंधित विभाग की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है, जिससे राजनीतिक गलियारों में अटकलें और तेज हो गई हैं।

देश के कई राज्यों में आंधी-बारिश का प्रकोप: 4 की मौत, यूपी में 64 जिलों में अलर्ट

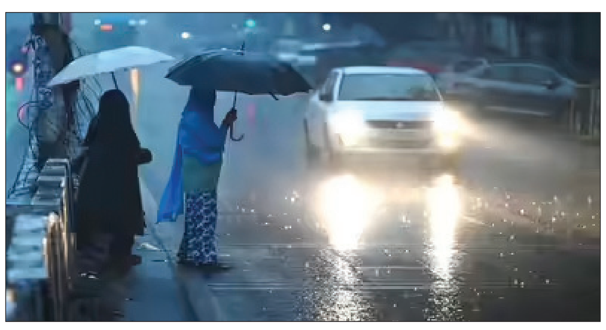

नई दिल्ली(एजेंसी)। देश के राजस्थान, बिहार, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश सहित करीब 10 राज्यों में आंधी-बारिश और ओलावृष्टि का दौर जारी है। बीते 24 घंटों में खराब मौसम के चलते चार लोगों की जान गई है। इसमें राजस्थान में तीन और उत्तर प्रदेश में एक व्यक्ति शामिल है। जम्मू-कश्मीर में भूस्खलन के कारण एक महत्वपूर्ण सड़क मार्ग बंद हुआ है, जिससे यातायात प्रभावित हुआ है।

उत्तर प्रदेश में खराब मौसम ने जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। लखनऊ में सुबह से तेज हवाएं चल रही हैं राजस्थान के दौसा, कोटपूतली-बहरोड़, अलवर और हनुमानगढ़ जैसे जिलों में आंधी के साथ भारी बारिश और ओलावृष्टि दर्ज की गई, जिससे कई झुग्गी-झोपड़ियां उखड़ गईं और जयपुर-आगरा नेशनल हाईवे पर पेड़ गिरने से 40 मिनट तक लंबा जाम लगा रहा। हरियाणा के सिरसा, भिवानी और महेंद्रगढ़ में भी तेज बारिश के साथ ओले गिरे, वहीं उत्तराखंड के 11 जिलों में बारिश हुई, जिसमें नैनीताल, देहरादून और अल्मोड़ा में ओलावृष्टि की सूचना है। जम्मू-कश्मीर के लघामा में हुए भूस्खलन के कारण बारामूला-उरी नेशनल हाईवे को बंद करना पड़ा, और यातायात को वैकल्पिक मार्गों से डायवर्ट किया गया है। मौसम विभाग ने राजस्थान के 19 जिलों के लिए ऑरेंज और 8 जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है।

आगामी दो दिनों तक भी मौसम का मिजाज ऐसा ही बने रहने का अनुमान है। 5 मई को जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बारिश के साथ बिजली गिरने की आशंका है, जबकि उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार, झारखंड और ओडिशा में आंधी-बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा, असम, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश में कुछ स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है। 6 मई को पंजाब, हरियाणा, दिल्ली सहित कई अन्य राज्यों में भी बारिश का अनुमान है।

रुझानों को लेकर शशि थरूर बोले- सीएम को लेकर अभी कोई चर्चा नहीं

-केरल में यूडीएफ का बेहतरीन प्रदर्शन, राज्य में राजनीतिक तौर-तरीकों को बदलना जरुरी

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल में शुरुआती रुझानों से पता चलता है कि कांग्रेस 50 से ज्यादा सीटों पर आगे है। पार्टी नेता शशि थरूर ने सोमवार को कहा कि सरकार, नीति और राज्य के पुनरुद्धार में तत्काल बदलाव की जरुरत है। थरूर ने 140 सदस्यीय विधानसभा में संयुक्त लोकतांत्रिक गठबंधन (यूडीएफ) के अच्छे प्रदर्शन पर भरोसा जताया। थरूर ने कहा कि हम बदलाव की पार्टी हैं। हम इस सरकार के दस साल के राजनीतिक तौर-तरीकों को बदलना चाहते हैं और यह बदलाव इतना जरूरी है कि इसे बदलना ही पड़ेगा। मेरे विचार से एक नई तरह की राजनीति बेहद जरुरी है।

सीएम पद को लेकर उन्होंने कहा कि हम अभी इस विषय पर चर्चा नहीं करना चाहते। चुनाव परिणाम आने दीजिए। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे साहब जीतने वाले विधायकों से बात करने के लिए किसी को भेजेंगे। उसके बाद वे अपनी राय देंगे। फिर हाईकमान इसका फैसला करेगा। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी शुरूआती रुझानों के मुताबिक केरल में कांग्रेस 61 सीटों पर आगे चल रही है, जबकि सीपीआई (एम) 29 सीटों पर बढ़त बनाए हुए है। राज्य भर में मतगणना जारी रहने के दौरान, सीपीआई नौ सीटों पर, इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) 22 सीटों पर और बीजेपी सिर्फ एक सीट पर आगे है।

थरूर ने केरल को निवेश का स्वर्ग बनाने, रोजगार सृजित करने और पलायन रोकने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि मुझे उम्मीद है कि मेरे विचार नई सरकार के लिए भी उपयोगी साबित होंगे, लेकिन मेरा संदेश निश्चित रूप से विकास का होगा, इस भयावह वित्तीय स्थिति को पूरी तरह से बदलना होगा, केरल को एक बार फिर निवेश का स्वर्ग बनाने के लिए जरुरी कार्य करना होगा, ताकि हम विकास कर सकें, अपने लोगों के लिए रोजगार सृजित कर सकें और ऐसी स्थिति को रोक सकें जहां हमारे युवा राज्य छोड़कर जा रहे हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि उनके पास अवसर नहीं हैं।

टीएमसी को अपने भ्रष्टाचार का जवाब मिला : हुमायूं कबीर

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के रुझानों पर आम जनता उन्नयन पार्टी (एजेयूपी) के अध्यक्ष हुमायूं कबीर ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की अपेक्षित हार राज्य में हुए व्यापक भ्रष्टाचार और जनविरोधी फैसलों का सीधा परिणाम है। कबीर ने इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि जनता ने टीएमसी को आखिरकार जवाब दे दिया है, जो कि टीएमसी को मिलाना चाहिए था। एजेयूपी प्रमुख कबीर ने कहा, मैंने पहले ही अनुमान लगाया था कि भाजपा को टीएमसी से अधिक सीटें मिलेंगी। टीएमसी ने अपने तीन बार के कार्यकाल में सिर्फ लोगों पर अत्याचार किया, जमकर भ्रष्टाचार किया और गलत निर्णय लिए। उन्होंने राज्य में बढ़ती बेरोजगारी, खराब सड़कों, लचर शिक्षा व्यवस्था और अस्पतालों की दयनीय स्थिति का हवाला दिया, जहाँ एक बिस्तर पर तीन-तीन मरीजों का इलाज होता है। एजेयूपी कबीर के अनुसार, इन सभी विफलताओं के कारण ही टीएमसी को सत्ता से बाहर होना पड़ रहा है। भाजपा की संभावित जीत पर उन्होंने कहा कि उन्हें कोई आपत्ति नहीं है, क्योंकि यह बंगाल की जनता का जनादेश है। यदि जनता ने भाजपा को वोट दिया है, तब उनकी जीत स्वाभाविक है। इस बीच, हुमायूं कबीर ने खुद रेजीनगर और नाओदा विधानसभा सीटों पर अपनी जीत का दावा किया, जहाँ वे फिलहाल आगे चल रहे थे। गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल में दो चरणों में हुए विधानसभा चुनावों के वोटों की गिनती सोमवार सुबह 8 बजे शुरू हुई। सोमवार दोपहर 1-30 बजे तक चुनाव आयोग के रुझानों के अनुसार, 291 सीटों पर भाजपा 194 सीटों पर बढ़त बनाए हुए थी, जबकि सत्तारूढ़ टीएमसी 92 सीटों पर आगे थी। ऑल इंडिया सेकुलर फ्रंट दो और माकपा एक सीट पर बढ़त पर थी, जबकि कांग्रेस राज्य में शून्य पर बनी हुई थी।

लिपुलेख मार्ग से कैलाश मानसरोवर यात्रा पर नेपाल की आपत्ति

- भारत ने क्षेत्रीय दावों को किया खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेपाल ने एक बार फिर लिपुलेख दर्रे के माध्यम से प्रस्तावित कैलाश मानसरोवर यात्रा को लेकर कूटनीतिक मोर्चा खोल दिया है। काठमांडू ने भारत और चीन दोनों देशों को संदेश भेजकर इस मार्ग के उपयोग पर अपनी आधिकारिक आपत्ति दर्ज कराई है। नेपाल सरकार का तर्क है कि 1816 की सुगौली संधि के आधार पर लिपुलेख, लिम्पियाधुरा और कालापानी उसके संप्रभु क्षेत्र का हिस्सा हैं। यह विवाद ऐसे समय में दोबारा गरमाया है जब भारत ने जून और अगस्त के बीच इस पारंपरिक मार्ग से तीर्थयात्रा आयोजित करने की योजना साझा की है। नेपाल का कहना है कि महाकाली नदी के पूर्व में स्थित ये तमाम इलाके उसके अभिन्न अंग हैं और उसने कूटनीतिक माध्यमों से अपनी स्थिति स्पष्ट कर दी है।

नेपाल के इन दावों पर भारत के विदेश मंत्रालय ने कड़ी और स्पष्ट प्रतिक्रिया दी है। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने दो टूक शब्दों में कहा कि इस मामले पर भारत का रुख हमेशा से सुसंगत और स्पष्ट रहा है। भारत ने स्पष्ट किया कि लिपुलेख दर्रा साल 1954 से ही कैलाश मानसरोवर यात्रा का पारंपरिक मार्ग रहा है और दशकों से श्रद्धालु इसी रास्ते का उपयोग करते आ रहे हैं, इसलिए इसमें कोई भी नया बदलाव या उल्लंघन नहीं हुआ है। भारत ने नेपाल द्वारा पेश किए गए क्षेत्रीय दावों को पूरी तरह से खारिज करते हुए कहा कि ये दावे न तो ऐतिहासिक तथ्यों पर आधारित हैं और न ही इनके पीछे कोई ठोस साक्ष्य है। भारत ने यह भी साफ कर दिया है कि किसी भी देश द्वारा एकतरफा तरीके से सीमा विस्तार दिखाना या दावों को पेश करना अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार्य नहीं है। नेपाल सरकार की ओर से जारी आधिकारिक बयान में कहा गया है कि उसने चीन को भी इस संबंध में सूचित किया है कि लिपुलेख उसके क्षेत्राधिकार में आता है। नेपाल का आग्रह है कि इस विवादित क्षेत्र में सड़क निर्माण, व्यापारिक विस्तार या तीर्थ यात्रा जैसी कोई भी गतिविधि न की जाए। हालांकि, इन तल्खियों के बीच दोनों देशों ने संवाद की गुंजाइश बरकरार रखी है। भारत ने स्पष्ट किया है कि वह नेपाल के साथ मैत्रीपूर्ण संबंधों को महत्व देता है और सीमा से जुड़े सभी लंबित मुद्दों को आपसी बातचीत और कूटनीतिक माध्यमों से सुलझाने के लिए हमेशा तैयार है। वहीं, नेपाल ने भी ऐतिहासिक संधियों और साक्ष्यों के आधार पर समाधान निकालने की प्रतिबद्धता दोहराई है, लेकिन फिलहाल लिपुलेख मार्ग को लेकर दोनों पड़ोसी देशों के बीच कूटनीतिक गतिरोध बना हुआ है।

कूटनीति के मोर्चे पर मई का महीना भारत के लिए अहम, मोदी इस महीने करेंगे चार यूरोपीय देशों की यात्रा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मई के मध्य यूरोप के चार देशों की अहम यात्रा पर जाएंगे। कूटनीति के मोर्चे पर मई का महीना भारत के लिए अहम होने जा रहा है। इस दौरान इटली, वेटिकन, नॉर्वे, स्वीडन, नीदरलैंड जैसे देशों के साथ ट्रेड, रक्षा सहयोग, यूक्रेन और पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष पर चर्चा होने की संभावना है। पीएम मोदी के यूरोप की यात्रा के दौरान संयुक्त अरब अमीरात में भी कुछ देर रुकने की उम्मीद है। इस चार देशों की यात्रा के दौरान द्विपक्षीय संबंधों, व्यापार, तकनीकी सहयोग और रणनीतिक साझेदारी जैसे कई मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है।

ईरान-अमेरिका-इजरायल में तनाव के बीच कूटनीति के मोर्चे पर मई का महीना भारत के लिए अहम होने जा रहा है। अमेरिका के साथ कम होते भरोसे के बाद यूरोपीय देशों भारत की तरफ नजर बना रहे हैं, क्योंकि एशिया में भारत के साथ साझेदारी दोनों ही पक्षों के लिए एक फायदा का सौदा साबित हो सकती है। ट्रंप प्रशासन के बढ़ते दबाव के बीच भारत-यूरोप संबंधों ने लगातार स्थिर प्रगति की है। अब मध्य यूरोप के इन चार देशों का दौरा भी इस प्रगति में एक और कदम माना जा रहा है। प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार वह 15-17 मई तक नीदरलैंड, 17 मई को स्वीडन, 17-19 मई तक नॉर्वे और 19-20 मई तक इटली का दौरा करेंगे। इस चार देशों की यात्रा के दौरान द्विपक्षीय संबंधों, व्यापार, तकनीकी सहयोग और रणनीतिक साझेदारी जैसे कई मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है। 15 मई को ओस्लो में होने वाला तीसरा भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन, जिसमें भारत, डेनमार्क, आइसलैंड, नॉर्वे, स्वीडन और फिनलैंड के नेता एक साथ जुटेंगे, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के यूरोप दौरे का मुख्य एजेंडा है। भारत के नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे और इटली के साथ मजबूत राजनयिक, आर्थिक और रणनीतिक संबंध हैं। ये यूरोपीय देश भारत के प्रमुख व्यापारिक साझेदार हैं, नीदरलैंड श्व में सबसे बड़ा, इटली चौथा, सेमीकंडक्टर, जल प्रबंधन, रक्षा, हरित ऊर्जा, नवाचार और जलवायु पर सहयोग बढ़ रहा है। पीएम मोदी की इस यात्रा से ये संबंध और मजबूत होंगे।

जल संकट गहराया: पाकिस्तान टॉप 10 देशों में शामिल, भारत में भी खतरा बढ़ा

नई दिल्ली(एजेंसी)। दक्षिण एशिया में लगातार बढ़ती गर्मी और तेजी से घटते जल संसाधन गंभीर पर्यावरणीय और सामाजिक संकट की ओर इशारा कर रहे हैं। अप्रैल के अंत तक भारत और पाकिस्तान में रिकॉर्ड तोड़ तापमान दर्ज हुआ हैं, जिससे हीटवेव की स्थिति और अधिक भयावह हो गई। इस भीषण गर्मी ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। कई क्षेत्रों में पानी की मांग तेजी से बढ़ी है, जबकि उपलब्धता लगातार कम हो रही है।

मौसम विशेषज्ञों का मानना है कि जल संकट अब केवल किसी एक देश या क्षेत्र की समस्या नहीं रहा है, बल्कि यह एक वैश्विक चुनौती बन चुका है। दुनिया के कई देशों में प्रति व्यक्ति जल उपलब्धता लगातार घट रही है, जो भविष्य के लिए गंभीर संकेत है। इसी कड़ी में पाकिस्तान उन शीर्ष 10 देशों में शामिल हो गया है, जहां प्रति व्यक्ति जल उपलब्धता बेहद कम स्तर पर पहुंच चुकी है। वहां जल संकट के पीछे कई कारण जिम्मेदार हैं, जैसे अनियंत्रित जनसंख्या वृद्धि, कमजोर जल प्रबंधन प्रणाली और जलवायु परिवर्तन का व्यापक प्रभाव है।

पाकिस्तान की स्थिति इसलिए भी चिंताजनक है, क्योंकि वहां की अधिकांश जल आपूर्ति सिंधु नदी प्रणाली पर निर्भर है। वर्षा के अनियमित पैटर्न और बर्फबारी में कमी ने संकट को बढ़ा दिया है। इसके अलावा कृषि और घरेलू उपयोग में पानी की अत्यधिक खपत भी स्थिति को बिगाड़ रही है।

वहीं भारत में भी स्थिति धीरे-धीरे चिंताजनक होती जा रही है। हालांकि भारत अभी वैश्विक टॉप 10 जल संकटग्रस्त देशों में शामिल नहीं है, लेकिन यहां भी प्रति व्यक्ति जल उपलब्धता में लगातार गिरावट दर्ज हुई है। बढ़ती जनसंख्या, तेज शहरीकरण, भूजल का अत्यधिक दोहन और जल संरक्षण के प्रति जागरूकता की कमी इसके प्रमुख कारण हैं।

देश के कई राज्यों में भूजल स्तर खतरनाक रूप से नीचे जा चुका है। विशेष रूप से उत्तर भारत और पश्चिम भारत के कई हिस्सों में स्थिति गंभीर बनी हुई है। कई गांवों और शहरों में पानी की कमी रोजमर्रा की समस्या बन चुकी है। यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले वर्षों में यह संकट और भी गहरा सकता है।

सभी ग्रामीण खेल मैदानों में फ्लड लाइट्स..

प्रथम पृष्ठ का शेष

बल्कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतने के उनके सपनों को साकार करने में भी मदद करेंगे। ये मैदान उभरते खिलाड़ियों के लिए उम्मीद की किरण के रूप में काम करेंगे और पंजाब में खेल संस्कृति को पल्लवित करेंगे। सुविधाओं की जानकारी देते हुए उन्होंने कहा, हर मैदान में चारदीवारी होगी, जिसके घेरे के साथ-साथ पौधे लगाए जाएंगे, छह फुट चौड़ा वॉकिंग ट्रैक होगा और सुबह व शाम के लिए फ्लड लाइट्स की सुविधा होगी। इसके अलावा वॉलीबॉल, फुटबॉल और हॉकी के लिए कोर्ट के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर लोकप्रिय खेलों के लिए अतिरिक्त कोर्ट भी होंगे। उन्होंने आगे कहा, सुविधाओं में 400 मीटर छह-लेन रनिंग ट्रैक, बड़ी क्षमता वाली लाइटिंग सुविधा, स्प्रिंकलर सिस्टम वाले सबमर्सिबल पंप, कंक्रीट बेंच, बच्चों के खेलने के लिए जगह, पुरुषों और महिलाओं के लिए शौचालय, व्हीलचेयर रैंप और खेल उपकरणों को रखने के लिए स्टोरेज की व्यवस्था भी होगी। प्रशिक्षण और सहायता के बारे में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, खेल किटें और उपकरण वितरण और युवाओं को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण देने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सभी मैदानों के लिए फुटबॉल और वॉलीबॉल कोच नियुक्त किए जाएंगे और बच्चों को मुफ्त प्रशिक्षण दिया जाएगा ताकि वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफलता हासिल कर सकें। उन्होंने आगे कहा, इन मैदानों के रखरखाव के लिए ग्रामीण खेल और तंदुरुस्ती समितियां बनाई जाएंगी। वित्तीय प्रतिबद्धता का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, सूबे ने खेल बजट में ऐतिहासिक वृद्धि की है।

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I Priyanka D/O: Om Prakash, R/O 484, 11, KAILASH nagar, Ghaziabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh, 201001, declare that name of mine and my father has been wrongly written as Jyoti Srivastav and Akhilesh Vashisht in my Adhar card no 8623 9374 2337.The actual name of mine and my father are Priyanka and Om Prakash, respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, DEV NARAYAN MEHTA S/O KUSHO MEHTA R/O RZD-103A PRATAP GARDEN BINDAPUR UTTAM NAGAR DELHI 110059, CHANGED MY NAME TO DEV NARAIN MEHTA.

NAME CHANGE

I, MANDEEP SINGH S/O SARDOOL SINGH R/O C-13 RAKAB GANJ GURDWARA DELHI 110001, CHANGED MY NAME TO MANDEEP SINGH PANESAR.

NAME CHANGE

I, MEENA W/O NIZAMUDDIN MALIK residing at C-25, SECTOR-39, NOIDA, GAUTAM BUDH NAGAR, UTTAR PRADESH-201301 Have changed my name to MEENA MALIK for all future purposes.

NAME CHANGE

I, NIZAMUDDIN S/O JUMMA KHAN residing at C-25, SECTOR-39, NOIDA, GAUTAM BUDH NAGAR, UTTAR PRADESH-201301 Have changed my name to NIZAMUDDIN MALIK for all future purposes.

PUBLIC NOTICE

This is to inform the general public that Mr. Junaid and Mrs. Hajara W/o Mr. Kayoom, has applied for a Home Loan from Shivalik Small Finance Bank . by mortgaging the Siad property: Plot No. 78, having Land area measuring 50 Sq. Yds., Out of Khasra No. 280/2 Mi, Situated at Residential Colony "Rajeev Garden", Hadbast Village Dharoti Khurd, Pargana Loni, Tehsil and Distt. Ghaziabad, U.P .and bounded as under:

East: House of Mr. Raj Kumar.
West: House of Mrs. Gyan Wati.
North: Road 20Ft. Wide.
South: House of Sharda.

The said property is stated to be owned by Mr. Himanshu Tomar S/o Mr. Om beer Tomar. vide Sale Deed registered as Document No. 4946, dated 17.03.2026, in the office of Sub-Registrar Loni Ghaziabad. Any person having any claim, right, title, interest, lien, charge, mortgage, or any other objection whatsoever in respect of the said property is hereby called upon to notify the same in writing with supporting documents to the undersigned or to Shivalik Small Finance Bank Noida Branch, within 07 days from the date of publication of this notice. If no objection is received within the stipulated period, it shall be presumed that the title of the property is clear and marketable, and the Bank shall proceed further with the loan process.

Prashant kumar, Advocate
PSR LAW FIRM.
Office - RTB-162, Royal Tower, Indrapuram Ghaziabad -201014
Mob - 9999691983
E-mail - psrlaw2024@gmail.com

PUBLIC NOTICE

Information is hereby given to the general public that our client Sh. Sahun S/o Sh. Hameed is the owner and in possession of a Freehold Residential Plot admeasuring 453 sq. yds. Part of Khewat No. 554min, Khatoni No. 626, Mu No. 68, Killa No. 20/5 (1-17), 26/2 (0-6), Situated at Village Dhoj, Sub-Tehsil Dhoj, Distt. Faridabad, Haryana. Our client acquired the said property by virtue of a Transfer Deed dated 17.03.2021, vide reg. in Doc. No. 319, Book No. 1, Vol No. 0/9., Pg. No. 79.75/28- 30, dated 17.03.2021, SRO-Dhauj. In the chain of documents, the Original Sale Deed dated 27.12.2019 executed by (1) Sh. Pravez Khan, (2) Sh. Shakir, (3) Sh. Khalid Ali S/o Sh. Mahmood Khan in favour of Smt. Misakina W/o Sh. Sahun in respect of the said property. as vide Doc No. 461, in Book No. I, Vol No. 0/13, on Pages No. 115/52 to 54, on this dated 27.12.2019, SR- Dhoj, is not available, Therefore, our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property. the said property is presently financed / mortgaged with Piramal Finance Ltd., Branch: Jhandewalan New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE

It is for general information that I, SHYAM SUNDAR KAUSHIK S/O HARCHARAN SINGH SHARMA R/O House No-124, Satyam Khand, Sector-19, Vasundhara, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201012 declare that name of mine and my father has been wrongly written as S S KAUSHIK and H C SHARMA in my Driving Licence No-DL05 19960140021 and the name of my father has been wrongly written as HAR CHARAN SHARMA in my Aadhar Card No-9793 7302 2434 and HARCHARAN SHARMA in my Pan Card No-AGZPK9390E and Voter Card No-XPD6279053. The actual name of mine is and my father are SHYAM SUNDAR KAUSHIK and HARCHARAN SINGH SHARMA respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I SUMIT VADERA S/O MADAN LAL R/O E-58 GALI NO -2 EAST NAGAR KALYANVAS DELHI-110091 have changed my name to SUMIT KUMAR VADERA Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I RAVIMATHI BALARATHINAM D/O NARAYAN PERIASAMY VALLIVEL GURUSAMY NADAR R/O B-1 FLAT 801 THE WORLD SPA WEST SECTOR 30 GURGAON HARYANA 122001 have changed my name to RAVIMATHI GURUSAMY Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I VIJETA LOHARUKA W/O NIKHIL LOHARUKA R/O 3-207, MILLENIUM APARTMENTS PLOT NO 2, SECTOR 9 DWARKA DELHI 110077 have changed my minor Daughter 's name from RIDDHI TO RIDDHI LOHARUKA Permanently for all Future purpose

PUBLIC NOTICE

Mrs. Sudha Sinha Owner of the Residential Unit no 101, 1st floor,Tower- B-6 , having a total super area 915 sq. ft., in the "PANCHSHEEL GREENS -II" built on Plot No. GH-01A, situated at Sector-16, Greater Noida, Distt. Gautam Budh Nagar, U.P. Mrs. Sudha Sinha have lost Original Allotment Letter cum agreement dated 06.11.2013 issued by M/s Panchsheel Buiitech Pvt. Ltd in favour of Mrs. Sudha Sinha of said property , for which complaint lodged to the police. Therefore, by way of this Public Notice it is hereby notified that any person, Attorney and/or entity, firm/company, society and/or member of the Society, Bank, HUF/member of HUF, Financial Institution having any claim, charge, interest, or lien whatsoever with respect to the Said house/plot or otherwise, may notify to undersigned only on his rahulkumargupta281401@gmail.com with documentary proof within 15 days from the date of this publication of notice, failing which any such claim etc. shall be deemed to be null and void, whereas title shall be deemed to be clear, and marketable without any defect or encumbrance and free to create equitable mortgage

RAHUL KUMAR GUPTA
(ADVOCATE)
Off. 43B, Third Floor,
Patparganj Village,
Mayur Vihar, Phase-I,
Delhi-1, M-NO- 7252922875

NAME CHANGE

I BHAVANA legally mother of Army no -2818426X, Rank - SEP, Name -MAHADIK SIDDHESH BHIKAJI, Presently Residing, At - KUDVE-WADI, Post - GONDALE, Teh - MAHAD, Dist - RAIGAD, State - MAHARASHTRA, Pin - 402301 have changed my name from BHAVANA to BHAVANA BHIKAJI MAHADIK for all future purposes. Vide affidavit dated 04/05/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE

I SNEHAL legally wife of Army no - JC-462857K, Rank - NB SUB, Name - SAWANT SANJAY MAHADEV, Presently Residing At - OWALIYE, Post - DEVASU, Teh-SAWANTWADI, Dist - SINDHUDURG, State - MAHARASHTRA, Pin - 416510 have changed my name from SNEHAL to SNEHAL SANJAY SAWANT for all future purposes. Vide Affidavit dated 04/05/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE

I KOMAL legally wife of Army no - JC 462662Y, Rank - NB/SUB, Name - PHADATARE MANIK, TUKARAM, Presently Residing At - KUMATHE (NAGACHE), Post- KUMATHE (NAGACHE), Teh - KHATAV, Dist - SATARA, State - MAHARASTRA, Pin - 415527 have changed my name from KOMAL to KOMAL MANIK PHADATARE for all future purposes. Vide affidavit dated 04/05/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I MANDABAI legally mother of Army no -2821996Y, Rank - L/Nk, Name - Gangurde Popat Ramesh, Presently Residing At - Laxmi Nagar, Post- Mohegaon, Teh - Nandgaon Dist - Nashik, State- Maharashtra, Pin - 423106 have changed my name from MANDABAI to VAISHALI RAMESH GANGURDE for all future purposes, Vide Affidavit dated 04/05/2026 before Notary Delhi.

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री आशीष पुत्र श्री राम कुमार, निवासी ई-151, सेक्टर-12, विजय नगर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश 201009, एक आवासीय पार्ट प्लॉट नंबर 14, क्षेत्रफ़ल 103.333 वर्ग गज, खसरा संख्या 97, स्थित आकाश नगर, ग्राम डासना, परगना डासना तहसील व जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश, के मालिक व काबिज दान विलेख दिनांक 29.10.2025, क्रमांक 12567, बुक संख्या 1, जिल्द संख्या 22562, पेज 127-150, सब रजिस्ट्रार-1, गाजियाबाद, द्वारा है। उक्त कथित संपत्ति का पीछे का ओरिजिनल बिक्री विलेख दिनांक 19.09.2005, क्रमांक 5953, बुक संख्या 1, जिल्द संख्या 6204, पेज संख्या 191-212 और ओरिजिनल बिक्री विलेख दिनांक 04.102011, क्रमांक 6311, बुक संख्या 1, जिल्द संख्या 9188, पेज संख्या 173-198, कही खो गया, जिसके बावत खोने की रिपोर्ट दिनांक 23.07.2025, को थाना विजय नगर, गाजियाबाद में दर्ज है। कथित संपत्ति भार मुक्त है, न किसी प्राधिकरण द्वारा अधिगृहित है न ही कोई मामला किसी न्यायालय मे लंबित है। उपरोक्त कथित मुव्किल उक्त संपत्ति को श्रीमती अंजली पत्नी श्री आदेश कुमार को बेच रहे हैं/बेच दिया, जो आधार हाउसिंग फाइनेंस लि0, शाखा निठारी, गौतम बुद्ध नगर, उत्तरप्रदेश, के द्वारा फाइनेन्स किया जा रहा है/किया गया है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त दस्तावेज मिले या कथित सम्पत्ति के सबंध में कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षरी या आधार हाउसिंग फाइनेंस लि0 के समक्ष इस प्रकाशन के 7 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति उचित कागजात के साथ रखे / संपर्क करे, अन्यथा कथित सम्पत्ति के संबंध में दावा अवैध व व्यर्थ माना जायेगा।

रूपेश कुमार रौशन अधिवक्ता
पता - डी-803, नंदग्राम,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश 201003

NAME CHANGE

I, Fareed Ahmed khan S/O-Rafiq Ahmad R/O- H.No -J-3/84 ,1ST FLOOR J-EXTN, LAXMI NAGAR Pin-110092 I, have changed My Name to Fareed Ahmad for all future purposes

NAME CHANGE

I, Shashi Kanta Das S/o Abhimanyu Das R/o H.No. 31-A, E Block, Phase-1, Qutub Vihar, Delhi-110071 have changed my name to Shashikant Das for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Mohd Wakil s/o Mohd Yaseen Mansuri R/o H No.332, Street No.13, Phase.6, Shiv Vihar, Karawal Nagar, Delhi-110094 have changed my name to Mohd Vakil Mansuri for all future purposes.

NAME CHANGE

I hitherto known as RITU alias ALKA RANI W/o HARISH KUMAR R/o 1291, Gali No-2, Guruteg Bahadur Gali, Rajgarh Colony, Gandhi Nagar, East Delhi-110031 have changed my name and shall hereafter be known as ALKA RANI.

PUBLIC NOTICE

Mr. Alok Tomer and Mrs. Swati Tomer Owner of the Residential Flat/Dwelling unit no. 517/GC-10 on 5th Floor in Tower-B, , "GC-10/SANSKRITI VIHAR", situated at Plot No. GH-03, Sector-16C, Greater Noida, District Gautam Budh Nagar, U.P. Mr. Alok Tomer and Mrs. Swati Tomer Singh have lost Original page no 13 and 14 of Sub Lease Deed duly registered as Sl. No. 10263 in Book No.1 Vol. No. 20275 at pages 215 to 256 on 25/04/2016 in the office of SR-Greater Noida, executed by GNIDA and M/s Gaursons Promoters Pvt. Ltd in favour of Mr. Alok Tomer and Mrs. Swati Tomer of said property , for which complaint lodged to the police. Therefore, by way of this Public Notice it is hereby notified that any person, Attorney and/or entity, firm/company, society and/or member of the Society, Bank, HUF/member of HUF, Financial Institution having any claim, charge, interest, or lien whatsoever with respect to the Said house/plot or otherwise, may notify to undersigned only on his rahulkumargupta281401@gmail.com with documentary proof within 15 days from the date of this publication of notice, failing which any such claim etc. shall be deemed to be null and void, whereas title shall be deemed to be clear, and marketable without any defect or encumbrance and free to create equitable mortgage

RAHUL KUMAR GUPTA
(ADVOCATE)
Off. 43B, Third Floor,
Patparganj Village,
Mayur Vihar, Phase-I,
Delhi-1, M-NO- 7252922875

NAME CHANGE

I Army No -JC -733822K, Rank - Sub, Name - YASHPAL SINGH, legally father of Anjali, Presently Residing At - Vill - Khiriya Pipar, Post- Lakhaura Teh - Mainpuri, Dist - Mainpuri, State- U P, Pin - 205265 have changed my minor daughter's name from ANJALI TO ANJALI YADAV for all future purposes, Vide Affidavit dated 04/05/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I CHANDRKALA legally Mother of Army No - 2807360M, Rank - Hav, Name - MATUKADE SUNIL CHANDRAKANT, Presently Residing At - Ranawadi, Post- Padavi, Teh - Mahad, Dist - Raigad, State- Maharashtra, Pin - 412303have changed my name from CHANDRKALA to CHANDRAKALA CHANDRAKANT MATUKADE for all future purposes, In my son's service records, my date of birth wrongly mentioned as 03/06/1969 instead of my correct date of birth as 23/03/1963, vide affidavit dated 04/05/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I RITU legally Spouse of Army No - 2807360M, Rank - Hav, Name - MATUKADE SUNIL CHANDRAKANT, Presently Residing At - Ranawadi, Post- Padavi, Teh - Mahad Dist - Raigad, State- Maharashtra, Pin - 412303 have changed my name from RITU to RITU SUNIL MATUKADE for all future purposes, Vide affidavit dated 04/05/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I CHANDRAKANT legally father of Army No - 2807360M, Rank - Hav, Name - MATUKADE SUNIL CHANDRAKANT, Presently Residing At - Ranawadi, Post- Padavi, Teh - Mahad Dist - Raigad, State- Maharashtra, Pin - 412303 have changed my name from CHANDRAKANT to CHANDRAKANT GENU MATUKADE for all future purposes, In my son's service records, my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1945 instead of my correct date of birth as 05/11/1961, Vide affidavit dated 04/05/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I Charu Bharti w/ o Gaurav Srivastava R/ o 330 Third Floor D Block Omaxe City Sector 15 Bahadurgarh Jhajjar Haryana 124507 have changed my name to Charu Bharti Srivastava for all future purpose

NAME CHANGE

I Poonam Arora w/o Satish kumar Arora R/0 House No-15 Fourth floor Road No 20 West Punjabi Bagh Extension District West Delhi- 110026 have changed my name to Poonam Rani for all future purpose.

NAME CHANGE

I Ravinder Kumar Arora S/o Jagdish Lal ,2441 First Floor, Hudson Lines Kingsway Camp, Dr Mukherjee Nagar North West Delhi 110009 have changed my name to Ravinder Kumar for all future Purpose.

NAME CHANGE

I Maneesha Gupta w/o Rakesh Gupta D-10 Fourth Floor Block 4 Phase 3 Ganga Vatika Retreat Tehri Garhwal Uttrakhand 249137 have changed my name to Manisha Gupta

NAME CHANGE

I Gaurav s/o Subhash Aggarwal R/ o F-1/87-88 Sector -11 Rohini Delhi have changed my name to Gaurav Aggarwal for all future purpose

NAME CHANGE

I Megha w/o Gaurav Aggarwal R/ o F-1/87-88 Sector -11 Rohini Delhi have changed my name to Megha Aggarwal for all future purpose.

NAME CHANGE

I hitherto known as SHABNAM W/o MOHD HAROON, R/o H.No-211, Kaila Dehat 1, Vijay Nagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201001, Have changed my name and shall hereafter be known as NAGMA PARVEEN.

NAME CHANGE

I hitherto known as Shanti W/o Nanak Chand R/o H.No- 352, Ismail Khan, ram Nagar, Turab nagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201001 have changed my name and shall hereafter be known as Ram bhooli.

NAME CHANGE

I hitherto known as PAWAN KUMAR S/o Jagat Narain Sharma, R/o J-2304, Ace City Sector-1, Greater Nodia, West, bishrkah, Gautham Buddhnagar, Uttar Pradesh-201306, have changed my name and shall hereafter be known as Pawan Kumaar.

NAME CHANGE

I hitherto known as NISHA D/O SHER SINGH R/O Baldevpuri, Pital Nagari, Moradabad, Dist: Moradabad, Uttar Pradesh-244001, have changed my name and shall hereafter be known as SALONI.

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्री हिमांशु त्रिपाठी, संपत्ति संख्या A-213/A, क्षेत्रफल 48 वर्ग गज, जो खसरा संख्या 183 एवं 184 में स्थित है, ग्राम घोंडा गुर्जरन खादर, आबादी गली नं. 9, ब्लॉक- , गामरी एक्सटेंशन, इलाका शाहदरा, दिल्ली में स्थित उक्त संपत्ति को श्री जय प्रकाश से खरीदने का इरादा रखते हैं। उक्त संपत्ति के मूल प्रथम स्वामी श्री मुनी राम थे, जिन्होंने दिनांक 21.05.1974 को एक पंजीकृत GPA, एग्रीमेंट टू सेल (ATS) एवं वसीयत के माध्यम से उक्त संपत्ति श्री खजान सिंह के नाम स्थानांतरित की। इसके पश्चात, श्री खजान सिंह अधिकारी ने दिनांक 23.05.2001 को एक नोटराइज्ड GPA, ATS एवं वसीयत के माध्यम से उक्त संपत्ति श्री जय प्रकाश को स्थानांतरित की। अतः श्री जय प्रकाश को उपर्युक्त संपत्ति का स्वामी बताया गया है। उक्त संपत्ति किसी भी प्रकार के वाद-विवाद, भार, बंधक, चार्ज या अन्य किसी दावे से मुक्त बताई गई है। कृपया यह भी ध्यान दें कि उक्त संपत्ति को Bajaj Housing Finance Ltd., Ghaziabad Branch, U.P. के द्वारा वित्तपोषित (financed) द्वारा किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

NAME CHANGE

YUVRAAJ K JAIN S/o VIKAS KUMAR JAIN ,*H.NO-34 RADHEY SHYAM PARK KRISHNA NAGAR EAST DELHI 110051 have Changed my Name From YUVRAJ JAIN to YUVRAAJ K JAIN for all future purposes*

NAME CHANGE

I, hitherto known as ZAED S/O LIYAKATR/O AMINAGAR SARAI, (RURAL), BAGHPAT, UTTAR PRADESH-250606.have changed my name and shall hereafter be known as ZAID MALIK. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE

I, SAWANT MAHADEV, is legally mother ofNo. JC 462857K, Rank – NB SUB, Name – SAWANT SANJAY MAHADEV , 41 RR, Presently Residing At – OWALIYE, Post – DEVASU, Tal – SAWANTWADI, Dist – SINDHUDURG, State – Maharashtra, Pin – 416510, have changed my name from SAWANT MAHADEV to SAWANT MAHADEV SITARAM and date of birth from 14/05/1956 to 01/01/1954 for all future purposes.Vide affidavit dated 04/05/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, PARVATI , is legally mother of No. JC 462857K, Rank – NB SUB, Name – SAWANT SANJAY MAHADEV , 41 RR, At – OWALIYE, Post – DEVASU, Tal – SAWANTWADI, Dist – SINDHUDURG, State – Maharashtra, Pin – 416510, have changed my name from PARVATI to PARVATI MAHADEV SAWANT, and date of birth from 14/05/1961 to 01/01/1953 for all future purposes.Vide affidavit dated 04/05/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I Army No - 2807360M, Rank - Hav, Name - MATUKADE SUNIL CHANDRAKANT, Presently Residing At - Ranawadi, Post- Padavi, Teh - Mahad Dist - Raigad, State- Maharashtra, Pin - 412303 have changed my minor son name from VANSH to VANSH SUNIL MATUKADE for all future purposes, Vide affidavit dated 04/05/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I CHHAVI W/O HARGIAN SINGH R/O 345 PANA 12 MUGHLYAN TITOLI (88) ROHTAK HARYANA 124001 have changed my name to CHHAVI SHARMA Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I PRIYAM D/O HARGIAN SINGH R/O 345 PANA 12 MUGHLYAN TITOLI (88) ROHTAK HARYANA 124001 have changed my name to PRIYAM KUNDU Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I AJAY KUMAR S/O VISHWA PRAKASH MITTAL R/O 19 A SHIV PURI EXTN KRISHNA NAGAR DELHI- 110051 have changed my name to AJAY KUMAR MITTAL Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I, Mohammad Shoaib Siddiqui S/o Mohd Zainuddin R/o O-54, Ground Floor, Batla House. Near Hari Masjid, Jamia Nagar, Okhla, New Friends Colony, Delhi-110025 have changed my name to Shoaib Ahmad.

Lost & Found

I, Sahil Chaudhary S/o Mangu Khan R/o WE-68, 2nd Floor, WE Block, Gali No.10, Rama Park Road, Mohan Garden, West Delhi-110059, I have lost my Birth Certificate, Sale Deed of D-114, Property of Uttam Nagar, During Bike Drive I Lost my Carry Bag Where Had my Birth Certifiacte and sale of my flat. If any find Contact Mobile No.8920157684.

NAME CHANGE

I hitherto known as ALINAFE ETHAN ANAND son of ENOCK PHIRI residing at Flat No-1102, Tower-3, Unitech Horizon, Sector Pi-2, Greater Noida, Kasana, Gautham Buddha Nagar , Uttar Pradesh - 201310 have changed my name and shall hereafter be known as ALINAFE ETHAN ANAND PHIRI

NAME CHANGE

I, VIPUL SINGH son of SUNITA SINGH residing at House No-203 Ground Floor, Vasundhara, Sector-13 Vasundhra, PO: Vasundhara, DIST: Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201012 have changed the name of my minor daughter WAMIKA SINGH aged 3 years and she shall hereafter be known as VYANSHI SINGH.

NAME CHANGE

I Raj Kumar Rajpal S/o Gurmukh Dass R/o H. no.42-C Block BR Near Jhule Lal Mandir Shalimar Bagh, North West, Delhi - 110088 have changed my name to Raj Kumar for all future purposes.

NAME CHANGE

I, ZEBA NAAZ W/O MOHD SHAKEEL residing at E-3 G/F NIZAMUDDIN WEST DARGAH HAZRAT NIZAMUDDIN DELHI-110013 have changed my name to ZEBA JABBAR for all future purpose.

NAME CHANGE

I, AISHA BEGUM W/O ABDUL JABBAR residing at H NO-3757 E. GALI AKHARE WALI CHOORI WALAN DELHI-110006 have changed my name to AISHA for all future purpose.

NAME CHANGE

I, ANJANI SHARMA W/O AMIT SHARMA R/O N-14/6, 2ND FLOOR, DLF PHASE-2, SIKANDERPUR GHOSI (68), GURGAON, HARYANA-122002,HAVE CHANGED MY NAME TO ANJANEY SHARMA FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I, KM SANGEETA GARG / SANGEETA KANSAL W/O SANDEEP KUMAR KANSAL R/O FLAT NO-1002,TOWER-7, 10TH FLOOR, PYRAMID URBAN HOMES-II, SECTOR-86, BADHA, GURGAON,HARYANA-122004 HAVE CHANGED MY NAME TO SANGEETA FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE

I MOHIT JHATTA R/O H-525 SECTOR-1 CHOMA (62), PALAM VIHAR, GURGAON, HARYANA-122017 HAVE CHANGE MY MINOR SON NAME FROM VIAAN JHATTA TO ADVIK JHATTA FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I, SUNI JOSEPH wife of JC-302089P Rank- SUB (TIR) Name- PRAJESH V residing at VILL-MUNDUR, PO-NAMBULLIPURA, DIST-PALGHAT, KERALA-678592, have changed my name from SUNI JOSEPH to SUNI PRAJESH for all future purposes vide affidavit dated 02/05/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I, AMRITA DEVI wife of No-6945459A, Rank-NK, Name-RAHUL KUMAR Residing at VILL-KHORI PAKAR KHARG, PO & TEH-AMNOUR, DIST-SARAN, BIHAR-841401, have changed my name from AMRITA DEVI to AMRITA SINGH for all future purposes vide Affidavit dated 04/05/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, No.15146917X, Rank-HAV (GNR) Name- SANJAY CHAUHAN R/o H. No. 3, GALI NO-8, SITA VIHAR COLONY JANKIPURAM, LUCKNOW, U.P-226021, have changed my mother's name from LEELAWATI to LILADEVI GIRDHARI CHAUHAN for all future purposes vide Affidavit dated 04/05/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, No.15146917X, Rank-HAV (GNR) Name- SANJAY CHAUHAN R/o H. No. 3, GALI NO-8, SITA VIHAR COLONY JANKIPURAM, LUCKNOW, U.P-226021, have changed my father's name from GIRIDHARI CHAUHAN to GIRDHARI BIGAN CHAUHAN for all future purposes vide Affidavit dated 04/05/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, Yamin Javed S/O Mohd Usman R/O 250 Nehru Market Badarpur, South Delhi - 110044 Have changed my name to Yameen Javed for all future purposes

NAME CHANGE

I Army No - 2807360M, Rank - Hav, Name - MATUKADE SUNIL CHANDRAKANT, Presently Residing At - Ranawadi, Post- Padavi, Teh - Mahad Dist - Raigad, State- Maharashtra, Pin - 412303 have changed my minor Daughter's name from NIVETA to NIVETA SUNIL MATUKADE for all future purposes, Vide affidavit dated 04/05/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, BEHRAM PHIROZSHAW PANVELIWALA S/O PHIROZE JAL PANVELIWALA residing at FLAT NO-2805, NEW JAI BHARAT APARTMENTS, PLOT NO-5, SECTOR-4, DWARKA, DELHI-110075 Have changed my name to BEHRAM P PANVELIWALA for all future purposes.

NAME CHANGE

I, ANU BEHRAM PANVELIWALA W/O BEHRAM P PANVELIWALA residing at FLAT NO-2805, NEW JAI BHARAT APARTMENTS, PLOT NO-5, SECTOR-4, DWARKA, DELHI-110075 Have changed my name to ANU B PANVELIWALA for all future purposes.

NAME CHANGE

I, ANU B PANVELIWALA W/O BEHRAM P PANVELIWALA residing at FLAT NO-2805, NEW JAI BHARAT APARTMENTS, PLOT NO-5, SECTOR-4, DWARKA, DELHI-110075 Have changed my minor daughter name from ZAARA BEHRAM PANVELIWALA to ZAARA B PANVELIWALA for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Mohammad Sikander s/o Bnundu R/o House Number T-407, Gali Number-20, Near Amir Hamza Masjid, Gautampuri, Seelampur, Delhi-110053 have changed my name to Mohd Sikander for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Geeta Rani w/o Mahesh Kumar R/o 9332, Tokri Walan, Azad Market, Delhi-110006 have changed my name to Gita Rani for all future purposes.

NAME CHANGE

I,Mahesh s/o Om Prakash R/o 9332, Tokri Walan, Azad Market, Delhi-110006 have changed my name to Mahesh Kumar for all future purposes.

NAME CHANGE

I,DANYAL ALI KHAN S/O ASIM ALI KHAN R/O 5047, KUCHA REHMAN TOWN HALL CHANDNI CHOWK DELHI 110006, CHANGED MY NAME TO DANIYAL ALI KHAN.

NAME CHANGE

I, Divyesh Bhagat S/o Sh. Dhruv Bhagat R/o C-21,Air India Employess CGHS Ltd. Dwarka Sector-3, PO: N.S.I.T. Dwarka, Dist:South West, Delhi-110078,Have Changed the Name Of my minor daughter KASHVI BHAGAT Aged 14 years and she Shall hereafter be Known as RADHIIKA P BHAGAT.

NAME CHANGE

I MOHAN KEWAT S/0 Laloo Kevat R/0 Yogiya Tola Bhamraili Savria Katihar Bihar 855114 Changed my name to MOHAN KEVAT

NAME CHANGE

I SACHIE CHDHA W/0 Ravi Chadha R/0 H.No H 2 Desraj Bhawan Ashok Vihar Phase 1 Delhi 110052 Changed my name to MANSI KHURANA

NAME CHANGE

I, MANOJ KUMAR SHARMA S/O HARI PREM SHARMA R/O IX/669, KISHAN DUTT GALI SUBHASH ROAD GANDHI ROAD SHAHDARA DELHI 110032, CHANGED MY NAME TO MANOJ SHARMA.

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्रीमती प्रेरणा गंभीर, दुकान संख्या 1, भूतल पर स्थित, बिना छत अधिकार के, क्षेत्रफल 20 वर्ग गज; भूतल पर एक हॉल, बिना छत अधिकार के, पिछली ओर, क्षेत्रफल 140 वर्ग गज; तथा प्रथम तल, छत अधिकार सहित, क्षेत्रफल 220 वर्ग गज, जो संपत्ति संख्या B-384/1 का भाग है, खसरा संख्या 366 में स्थित, ग्राम घोंडा गुज्जरान खादर, आबादी बी-ब्लॉक, गली संख्या 17, भजनपुरा, इलाका शाहदरा, दिल्ली में स्थित है, को श्री शीतल सभरवाल एवं श्रीमती सुमन सभरवाल से क्रय करने का इरादा रखती हैं। उक्त संपूर्ण संपत्ति के मूल स्वामी श्री लीलू उर्फ लील राम थे, जिन्होंने दिनांक 22.03.1968 की दो अलग-अलग विक्रय विलेखों के माध्यम से यह संपत्ति श्री राम चंदर को बेची थी। दुर्भाग्यवश, श्री राम चंदर सभरवाल का निधन दिनांक 27.04.2021 को हो गया, जिसके पश्चात उनके वैधानिक उत्तराधिकारी के रूप में सुश्री अमिता अरोड़ा, सुश्री संगीता, श्री शीतल सभरवाल एवं श्रीमती सुमन सभरवाल शेष रहे। तत्पश्चात, सुश्री अमिता अरोड़ा एवं सुश्री संगीता ने दिनांक 20.01.2026 की त्याग पत्र (Relinquishment Deed) के माध्यम से अपने-अपने अधिकार श्री शीतल सभरवाल एवं श्रीमती सुमन सभरवाल के पक्ष में त्याग दिए। परिणामस्वरूप, वर्तमान में श्री शीतल सभरवाल एवं श्रीमती सुमन सभरवाल उक्त संपत्ति के पूर्ण एवं वैध स्वामी हैं। यह संपत्ति किसी भी प्रकार के वाद-विवाद, बंधक, भार, ऋण अथवा अन्य किसी दावे से मुक्त है। कृपया ध्यान दें कि उक्त संपत्ति से संबंधित मूल दस्तावेजों की श्रृंखला में से एक विक्रय विलेख दिनांक 22.03.1968 गुम हो गया है, अतः उक्त संपत्ति के संबंध में मूल दस्तावेज उपलब्ध नहीं हैं। इस संबंध में एक ऑनलाइन एफआईआर दर्ज कराई गई है। कृपया ध्यान दें कि उक्त संपत्ति का वित्तपोषण बजाज हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, गाजियाबाद शाखा, उत्तर प्रदेशके द्वारा वित्तपोषित (financed) द्वारा किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 7 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

NAME CHANGE

I Raj Kumar Rajpal S/o Gurmukh Dass R/o H. no.42-C Block BR Near Jhule Lal Mandir Shalimar Bagh, North West, Delhi - 110088 have changed my name to Raj Kumar for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Sahil Kumar Goyal S/O Subhash Chander Goyal R/O C-203 Ourania Apartments, Behind South Point Mall, Sector-53 Golf Course Road Gurgaon Haryana 122001 Have Changed My Name To Sahil Goyal

NAME CHANGE

I, Reena Rani W/O Subhash Chander Goyal R/O C-203 Ourania Apartments, Behind South Point Mall, Sector-53 Golf Course Road Gurgaon Haryana122001 Have Changed My Name To Reena Goyal

NAME CHANGE

I RIDHI BANSAL W/O KUNAL AGNIHOTRI R/O House no -2965, Near Shiv Mandir , Sector -46, Gurgaon 122003, Haryana I have changed my name to RIDHI AGNIHOTRI.

NAME CHANGE

I, Shashi Kiran D/O Lt. Shiv Kumar Sharma R/O B4-7B,SS The Leaf Sector-85 Sikanderpur Badha Gurgaon Haryana 122004, have Changed My Name To Shashi Prabhakar

NAME CHANGE

I Ravinder D/o Hardeep R/o House No 41 Pocket 11 Sector B 4 Narela North West Delhi,110040 have changed my name to Ravinder Kaur for all future Purpose.

PUBLIC NOTICE

Information is given to general public at large that our client Mrs. Jiya Singla W/o Mr. Naveen Kumar is the owner of Freehold Residential Built-up Second Floor area measuring 95 Sq. Yds. with roof/ Terrace rights area measuring 50 Sq. Yds. out of Property/ Plot Bearing No.1, out of Khasra No.821 Min (0-10) & 822(0-12) Situated in the area of Village Nawada Majra Hastsal, Delhi State Delhi Colony Known as Om Vihar, Phase-1, Uttam Nagar, New Delhi-110059. by virtue of Notarized GPA, ATS and Will dated 05.06.2024 now our client is declaring that that any other person does not have any right over the said property, and same property sold to be Mr. Puneet Bhateja and same has been financed by SMFG India Home Finance Company Limited Branch: Laxmi Nagar, New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE

I, SANJAY S/O SON PAL SINGH R/O DAWDA, TIKARI, TIKRI RURAL, BAGHPAT, TIKRI, UTTAR PRADESH-250625 have changed the name of my minor daughter PRINCI aged 14 years and she shall hereafter be known as PRIYANSHI.

NAME CHANGE

I,KAMAL IS LEGALLY MOTHER OF NO JC 461546K,RANK-SUB NAME-CHAVAN UMESH RAMESH VILL-AMBEWADI, POST-SHIRASHI,TEH-SHIRALA DIST- SANGLI, STATE-MAHARA -SHTRA,PIN-415408 HAVE CHANGED MY NAME FROM KAMAL TO KAMAL RAMESH CHAVAN FOR ALL FUTURE PURPOSES AND IN MY SON'S SERVICE RECORD MY DATE OF WRONGLY MENTIONED AS 07-12-1959 CORRECT DATE OF BIRTH IS 01-06-1954 VIDE AFFIDAVIT DATED 04/05/2026 before Public Notary Delhi

NAME CHANGE

I,DATTU is Legally father of No-2806119N, Rank-HAV Name- GAWADE HANMANT DATTU Vill-NAGANWADI, Post- NAGANWADI, Teh- CHAND -GAD,Dist -KOLHAPUR,(MAHARA -SHTRA),PIN -416509 have changed my Name from DATTU to DATTU VITHOBA GAWADE and date of birth from 31/07/1959 to 01/01/1968 for all future purposes. Vide affidavit dated 04/05/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I,SHANTA is Legally Mother of No-2806119N,Rank-HAV Name- GAWADE HANMANT DATTU Vill-NAGANWADI Post-NAGANWADI, Teh-CHANDGAD,Dist -KOLHAPUR (MAHARASHTRA) PIN -416 -509,have my Change my Name from SHANTA to SHANTA DATTU GAWADE and date of birth from 31/07/ 1964 to 01/01/1966 for all future purposes. Vide affidavit dated 04/05/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, NARAYAN is legally Father of No. 2804586M Rank- HAV Name-SHAMRAO PINGAT presently residing at VILL- GOUNDWAD, POST-B.K.KANGRALI,TEH- BELGAUM DIST- BELGAUM, STATE, KARNATAKA, PIN-590010, have changed my name from NARAYAN to NARAYAN YALLAPPA PINGAT and date of birth from 22/03/1963 to 02/06/1960 for all future purposes. Vide affidavit dated 21.04.2026 before Public Notary Delhi.

सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्री सतवीर कुमार बंसल, स्वर्गीय श्री गंगा बिशन के पुत्र, प्रथम मंजिल (छत के अधिकार के बिना) की संपत्ति के धारक हैं, जिसका नगर निगम क्रमांक 3631-ए/6 है, क्षेत्रफल 100 वर्ग गज है, पुराना प्लॉट क्रमांक 76, ग्राम चौकड़ी मुबारकबाद, नारंग कॉलोनी, त्रिनगर, दिल्ली 110035 के क्षेत्र में स्थित है। प्रारंभ में, उक्त संपत्ति के संबंध में श्री सरूपा द्वारा श्री शिव चरण के पक्ष में दिनांक 24.04.1967 को विक्रय विलेख निष्पादित किया गया था (दस्तावेज़ संख्या 3777)। जिन्होंने दिनांक 02.11.1968 को श्री सिरिपाल जैन के पक्ष में विक्रय विलेख निष्पादित किया (दस्तावेज़ संख्या 6692)। जिन्होंने दिनांक 27.10.1970 को श्रीमती शांति गुप्ता के पक्ष में पंजीकृत विक्रय विलेख निष्पादित किया। जिन्होंने दिनांक 16.02.1993 को श्री गंगा बिशन के पक्ष में विक्रय विलेख निष्पादित किया। (दस्तावेज़ संख्या 933)। बाद में श्रीमती गंगा बिशन का निधन हो गया और वे अपने पीछे श्रीमती भारपाई देवी, श्री सतवीर कुमार बंसल, श्रीमती बाला, श्रीमती लक्ष्मी अग्रवाल, श्रीमती उर्मिल गर्ग और श्रीमती पार्वती देवी को कानूनी उत्तराधिकारी के रूप में छोड़ गईं। बाद में श्री सतवीर कुमार बंसल, श्रीमती बाला, श्रीमती लक्ष्मी अग्रवाल, श्रीमती उर्मिल गर्ग और श्रीमती पार्वती देवी ने उक्त संपत्ति के संबंध में श्रीमती भारपाई देवी के पक्ष में दिनांक 10/10/2019 को त्यागपत्र निष्पादित किया (दस्तावेज़ संख्या 15370, पुस्तक संख्या 1, खंड संख्या 8733, पृष्ठ 145 से 150, दिनांक 12.10.2019, एसआर-VI ए)। बाद में, श्रीमती भारपाई का निधन हो गया और उन्होंने उक्त संपत्ति के संबंध में श्री सतवीर कुमार बंसल के पक्ष में दिनांक 03.09.2020 को अपनी पंजीकृत पारिवारिक वसीयत छोड़ी (दस्तावेज़ संख्या 3092)। अब, हमें यह जानकारी मिली है कि श्री सतवीर कुमार बंसल स्वर्गीय श्री गंगा बिशन के पुत्र (विक्रेता) और (1) श्रीमती बाला रानी गर्ग, (2) श्रीमती लक्ष्मी अग्रवाल, (3) श्रीमती पार्वती देवी (पुष्टिकर्ता पक्ष) छत के अधिकार के बिना प्रथम मंजिल को इच्छित उधारकर्ता को बेचना चाहते हैं। उधारकर्ता अपनी वास्तविक आवश्यकताओं के लिए उक्त अचल संपत्ति को एल एंड टी फाइनेंस लिमिटेड के पास गिरवी रखना चाहता है। यदि किसी को उक्त बिक्री और गिरवी पर कोई आपत्ति है या संपत्ति में किसी का कोई दावा, अधिकार या हित है, तो कृपया 7 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति के साथ अधोहस्ताक्षरी से संपर्क करें; अन्यथा यह मान लिया जाएगा कि कोई आपत्ति नहीं है।

नई दिल्ली
दिनांक: 4/5/2026

प्रज्ञा भूषण वकील
Enrl No. D/721/02
कार्यालय: L-27,GF, कैलाश कालोनी,
नई दिल्ली-48 Mob: 9968006418

NAME CHANGE

I, Arun Dev Singh S/O Late Shri Ram Krishan, R/O RZ- D-6 GALI NO-5 EAST INDRA PARK, VTC: PALAM COLONY, District: South West Delhi, State: Delhi, PIN Code: 110045, have changed the name of my minor daughter Janvi aged 15 years and she shall hereafter be known as GAURI.

NAME CHANGE

I KU ANU D/O MANIRAM YADAV R/O H.NO A-119 RAMA PARK VEER BAJAR ROAD MADAN CLINIK , MOHAN GARDEN DELHI-110059 have changed my name to ANU YADAV Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I, Jyotsna Kumari alias Jyotsna Sharma D/O Mithilesh Kumar W/O Shashi Bhushan Sharma R/O 203A, Gulmohar Greens Apartment, Mohan Nagar, PO: Mohan Nagar, DIST: Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201007, have changed my name and shall hereafter be known as Jyotsna Kumari

NAME CHANGE

I,Neeraj Kumar Verma S/o Vijender Kumar Verma R/o H-3/6, H Block, Near Anandpur Trust, Krishna Nagar, Delhi-110051 have changed my name to Neeraj Verma for all future purposes.

सार्वजनिक सूचना

सार्वजनिक सूचना दी जाती है कि श्रीमती राधा देवी लोहानी, संपत्ति संख्या 64 पर निर्मित द्वितीय तल (बिना छत के अधिकार सहित), क्षेत्रफल 80 वर्ग गज, आर.सी.टी./खसरा संख्या 39, किल्ला संख्या 09, स्थित न्यू लाहौर, शास्त्री नगर, गांव खुरेजी खास, इलाका शाहदरा, दिल्ली-110031, को श्री स्वरण जीत सिंह राजपूत से क्रय करने का इरादा रखती हैं। उक्त सम्पत्ति के मूल स्वामी श्री सोहन लाल थे। तत्पश्चात श्री सोहन लाल ने दिनांक 21.09.1971 के विक्रय विलेख के माध्यम से उक्त सम्पत्ति श्री तरलोक सिंह को विक्रय की। इसके बाद श्री तरलोक सिंह ने दिनांक 27.06.2005 को पंजीकृत जी.पी.ए., एग्रीमेंट टू सेल एवं वसीयत के माध्यम से उक्त सम्पत्ति श्री स्वरणजीत सिंह को हस्तांतरित की। अतः श्री स्वरणजीत सिंह उक्त संपत्ति के पूर्ण एवं वैध स्वामी हैं। यह संपत्ति किसी भी प्रकार के वाद-विवाद, बंधक, भार, ऋण या दावे से मुक्त है। कृपया ध्यान दें कि उक्त संपत्ति का वित्तपोषण बजाज हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, कौशांबी गाजियाबाद शाखा, उत्तर प्रदेश के द्वारा वित्तपोषित (financed) द्वारा किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 7 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

NAME CHANGE

I ANANDA legally father of Army No - 2803758k, Rank - Hav, Name - JAMBURE TUKARAM ANANDA, Presently Residing At- Vihe, Post - Vihe, Tel-Patan, Dist-Satara, State-Maharashtra, Pin. - 415114 have changed my name from ANANDA to ANANDA SHIVA JAMBURE for all future purposes, In my son's service records, my date of birth wrongly mentioned as 21/11/1962 instead of my correct date of birth as 01/06/1949 , vide affidavit dated 04/05/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I S.KISHORE BEE legally mother of Army no - 2810362H, Rank - HAV Name - SHAIK AHAMADE MUJUTABA , Presently Residing At - RUDRAMPETA, CHANDRABABU NAGAR, SAIFULLA COLONY., Post- ANANTAPUR, Teh - ANANTAPUR, Dist - ANANTAPUR, State-ANDHRAPRADESH, Pin - 515004 have changed my name From S.KISHORE BEE to SHAIK KISHORE BEE for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 20-06-1963 instead of my correct date of birth as 01-01-1964 Vide Affidavit dated 04/05/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE

I S. ALLABAKASH legally father of Army no - 2810362H, Rank - HAV, Name - SHAIK AHAMADE MUJUTABA , Presently Residing At - RUDRAMPETA, CHANDRABABU NAGAR, SAIFULLA COLONY., Post- ANANTAPUR, Teh - ANANTAPUR, Dist - ANANTAPUR, State-ANDHRAPRADESH, Pin - 515004 have changed my name From S. ALLABAKASH to SHAIK ALLABAKASH for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 27/07/1961 instead of my correct date of birth as 01/01/1962 Vide Affidavit dated 04/05/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, NIRMALA, is legally spouse of Army No. 2803685H, Rank – Hav/Chefcom Name – MADIWALAPPA HOSAMANI, presently residing at Vill – Hosur, Post – Hosur, Teh – Saundatti, Dist – Belagavi, State – Karnataka, Pin – 591111, have changed my name from NIRMALA to NIRMALA MADIWALAPPA HOSAMANI for all future purposes. Vide affidavit dated 04/05/2026 before Public Notary Delhi.

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

विदेश मे रह रहा भांजा बनकर व्यक्ति से साढ़े तीन लाख ठगे

एजेंसी

जींद। साइबर थाना पुलिस ने विदेश मे रह रहा भांजा बनकर एक व्यक्ति से साढ़े तीन लाख रुपये ठगने पर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव सिवानामाल निवासी राजकुमार ने साइबर थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका भांजा गांव बरौदा निवासी विनोद लगभग छह साल से न्यूजीलैंड में रह रहा है। गत तीस मार्च को उसे व्हाट्सअप कॉल आई। कॉल करने वाले ने खुद को उसका भांजा विनोद बताया। उसने कहा कि वह रोहतक में प्लाट खरीदना चाहता है। इसलिए उसके खाते में साढ़े तीन लाख रुपये भेज रहा है। उसने नेट बैंकिंग तथा यूपीआई की जानकारी नही है। कुछ समय के बाद फिर से कॉल आई कि उसे न्यूजीलैंड पुलिस ने पकड़ लिया है। जो रुपये उसने आपके खाते में भेजे हैं, वह फ्रॉड रुपया है। इसलिए वह रुपये वापस भेज दो। फिर उसने स्कैनर भेज कर किसी से रुपये डलवाने के लिए कहा। जिस पर सीएससी वाले अजय के पास पहुंचा और तीस हजार रुपये उस समय डलवा दिए। रवि के खाते से दो लाख 70 हजार रुपये भेजे गए। इस प्रकार उसने अजय तथा रवि के माध्यम से साढ़े तीन लाख रुपये स्कैनरों के माध्यम से आरोपित के खाते में भेज दिए।

सात साल बाद भी फ्लाईओवर का काम अधूरा,ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

पानीपत। पानीपत की तहसील समालखा से मनाना गांव को जोड़ने वाले फ्लाईओवर को बनाने में सात साल लग गए लेकिन फ्लाईओवर अभी तक तैयार नहीं हुआ। इस देरी के कारण नाराज ग्रामीणों ने जीटी रोड से मनाना जाने वाले मार्ग को जाम कर दिया। 17 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इस फ्लाईओवर के निर्माण में हो रही देरी के विरोध में दर्जनों ग्रामीणों ने सरकार और पीडब्ल्यूडी के खिलाफ नारेबाजी करते हुए लगभग एक घंटे तक जाम लगाए रखा। ग्रामीणों का कहना है कि फ्लाईओवर का निर्माण कार्य सात साल पहले शुरू हुआ था, लेकिन अब तक केवल 20 प्रतिशत काम ही पूरा हो पाया है। इस देरी से मनाना के अलावा ढोढपुर, नरायणा, वजीरपुर, टिटाना और डिडवाडी सहित आधा दर्जन गांव प्रभावित हो रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि समालखा पहुंचने के लिए अब किवाना होकर 12 किलोमीटर का अतिरिक्त चक्कर लगाना पड़ता है। बस मार्ग बंद होने से स्कूली बच्चों को भी परेशानी झेलनी पड़ रही है और वे समय पर स्कूल नहीं पहुंच पाते। सरपंच पति प्रवीण व संदीप राठी, अन्य ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि फ्लाईओवर का निर्माण शीघ्र शुरू नहीं हुआ तो वे दोबारा सड़क जाम करेंगे। उन्होंने बताया कि सोमवार को वे उपायुक्त और उप-मंडल मजिस्ट्रेट से मिलकर अपनी मांग रखेंगे। ग्रामीणों द्वारा रोड जाम करने की सूचना मिलते ही इसराना थाना प्रभारी दीपक अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे।

अंतरराज्यीय मोटरसाइकिल चोर गिरोह का पर्दाफाश, पंजाब के दो आरोपी गिरफ्तार

सिरसा। पुलिस ने अंतरराज्यीय मोटरसाइकिल चोर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने 17 चोरीशुदा वाहन भी बरामद किए हैं। पकड़े गए आरोपियों की पहचान पंजाब के फाजिल्का निवासी मनजीत सिंह व मक्खन सिंह के रूप में हुई है। डीएसपी योगेश कटारिया ने डबवाली में पत्रकार वार्ता में इसका खुलासा करते हुए बताया कि आरोपियों ने राजस्थान, पंजाब व हरियाणा में कई वारदातों को अंजाम देने की बात कबूल की है। डीएसपी ने बताया कि डबवाली निवासी विकास कुमार की शिकायत पर पुलिस ने बाइक चोरी का मामला दर्ज किया था। जांच के दौरान महत्वपूर्ण सुराग जुटाकर पुलिस ने मनजीत सिंह व मक्खन को पंजाब के फाजिल्का क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपियों ने कबूल किया कि उन्होंने हरियाणा के अलावा पंजाब व राजस्थान क्षेत्रों में बाइक चोरी की वारदातों को अंजाम दिया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी नशा करने के आदी हैं और नशा पूर्ति के लिए ही चोरी की वारदातों को अंजाम देते थे। डीएसपी ने बताया कि आरोपियों का आपराधिक रिकॉर्ड खंगाला जा रहा है। आरोपियों को अदालत में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया जाएगा।

पत्नी से झगड़े के बाद नहर में कूदे डेंटल सर्जन का शव मिला

फरीदाबाद। पत्नी से विवाद के बाद नहर में छलांग लगाने वाले डेंटल सर्जन का शव शाम पुलिस ने नहर से बरामद कर लिया। एसडीआरएफ की कई टीमों ने 20 घंटों की मशक्कत के बाद शव बरामद किया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला नागरिक अस्पताल में भिजवाया गया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, बल्लभगढ़ की यादव कॉलोनी का रहने वाला सचिन (36) पेशे से डेंटल सर्जन हैं। वह बल्लभगढ़ में मोहना रोड स्थित यादव कॉलोनी में अपने परिवार के साथ रहता है। यादव कालोनी में ही उसने एक डेंटल क्लिनिक खोला हुआ है। शनिवार रात को डॉक्टर सचिन सेक्टर-87 स्थित अपनी बहन के घर से पत्नी और बच्चों के साथ वापस लौट रहा था। बहन के घर पर दोनों पति-पत्नी के बीच में विवाद हो गया। जिसको लेकर रास्ते में दोनों के बीच में झगड़ा और बढ़ गया।

फरीदाबाद में बढ़ रही आगजनी की घटनाएं, दमकल कर्मियों की हड़ताल से लोग परेशान

एजेंसी

फरीदाबाद। सेक्टर-24 स्थित कालका स्टील में हुई आगजनी के दौरान मारे गए फायर कर्मचारियों को न्याय दिलाने के लिए नगरपालिका कर्मचारी संघ के आह्वान पर सफाई कर्मचारी और फायर बिग्रेड कर्मचारी 8 अप्रैल से संयुक्त हड़ताल पर है। सरकार द्वारा मृतकों के आश्रितों को मदद न दिए जाने के चलते कर्मचारियों ने पांच मई तक हड़ताल की घोषणा की हुई है। इस आगजनी में फायर कर्मचारी भवीचंद शर्मा व रणबीर सिंह के अलावा कंपनी के मालिक के लड़के, पुलिस सब इंस्पेक्टर रवि, दो मजदूर बृजपाल सिंह व प्रदीप कुमार सहित छह लोगों की मौत हो गई थी। अखिल भारतीय राज्य सरकारी कर्मचारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुभाष लाम्बा ने बताया कि इस आगजनी में मारे गए फायर कर्मियों के घर में कोई कमाने वाला नहीं बचा है, उनकी विधवाएं भी सडक़ों पर उतरकर न्याय की गुहार लगा रही है, लेकिन

सरकार व प्रशासन के कानों पर जूं तक नहीं रेंग रही इसलिए उन्हें हड़ताल का रास्ता अख्तियार करना पड़ा। दमकल विभाग के आंकड़ों के अनुसार, फरीदाबाद में कुल 106 फायर कर्मचारी तैनात हैं। इनमें से करीब 68 कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर हड़ताल पर हैं, जिससे केवल 37 कर्मचारियों के कंधों पर पूरे शहर की जिम्मेदारी आ गई है। हड़ताल से निपटने के लिए प्रशासन ने वैकल्पिक तौर पर रोडवेज और होमगार्ड के कर्मचारियों को फायर स्टेशनों पर तैनात किया है। पिछले एक सप्ताह के दौरान शहर में आगजनी की घटनाएं लगातार बढ़ी है। इस दौरान तीन कंपनियों, एक लकड़ी के गोदाम के अलावा ट्रांसफार्मर में आगजनी की घटनाएं हुई। कंपनी में हुई आगजनी में लाखों का नुकसान हुआ, जबकि सेक्टर-16 मार्केट में ट्रांसफार्मर पर लगी आग को स्थानीय दुकानदारों ने खुद ही अपनी दुकानों के अंदर से फायर सिलेंडर लाकर बुझाया।

हरियाणा महिला कांग्रेस अध्यक्ष ने कार्यभार संभाला

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा महिला कांग्रेस की नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष पर्ल चौधरी ने प्रदेश अध्यक्ष तथा नेता प्रतिपक्ष समेत कई वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में चंडीगढ़ स्थित कांग्रेस मुख्यालय में कार्यभार संभाल लिया। पर्ल चौधरी की नियुक्ति का आदेश कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल की ओर से जारी किया गया था। इससे पहले इस पद पर सुधा भारद्वाज कार्यरत थीं। उन्हें अभी पंचकूला नगर निगम सीट से कांग्रेस ने प्रत्याशी बनाया है। पर्ल चौधरी ने 2014 के विधानसभा चुनाव में पटौदी सीट से कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ा था, हालांकि उन्हें भाजपा की उम्मीदवार विमला चौधरी से हार का सामना करना पड़ा था। उनके पिता स्वर्गीय भूपिंदर चौधरी वर्ष 2005 में इसी सीट से कांग्रेस विधायक रहे थे। इस अवसर पर हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह एवं नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा एवं महिला अध्यक्ष अलका लांबा विशेष रूप से उपस्थित रहे।

समारोह के दौरान पर्ल चौधरी ने संगठन को मजबूत करने, महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने तथा जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं की उपस्थिति ने इसे और भी उत्साहपूर्ण बना दिया।

इस अवसर पर राव नरेंद्र सिंह ने पर्ल चौधरी को नई जिम्मेदारी के लिए बधाई देते हुए कहा कि पार्टी को उनसे काफी उम्मीदें हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि पर्ल चौधरी अपने नेतृत्व और कार्यशैली से महिला कांग्रेस को नई दिशा देंगी तथा संगठन में नई ऊर्जा का संचार करेंगी। पर्ल चौधरी ने शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसे वह पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निभाएंगी।

वायरिंग में शार्ट सर्किट से कार में लगी आग

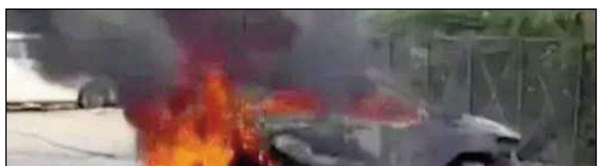

एजेंसी

फरीदाबाद। तिगांव क्षेत्र में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब शनि मंदिर के पास सडक़ पर खड़ी एक आई-20 कार में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरी गाड़ी को अपनी चपेट में ले लिया और कुछ ही मिनटों में कार जलकर खाक हो गई। तिगांव थाना प्रभारी राजबीर सिंह के अनुसार, आग लगने के कारणों का अभी स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। हालांकि शुरुआती जांच में कार की वायरिंग में शॉर्ट सर्किट को संभावित वजह माना जा रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि, जैसे ही कार से धुआं और लपटें उठनी शुरू हुई, आसपास के लोगों में हडक़ंप मच गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस और दमकल विभाग को सूचना दी। लेकिन दमकल विभाग के पहुंचने से पहले ही आग ने विकराल रूप ले लिया और पूरी कार जल गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और हालात का जायजा लिया। गनीमत यह रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। कार मालिक योगेश तिगांव का रहने वाला है और उसने पुलिस को शिकायत दे दी है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नीट की परीक्षा में 74 परीक्षार्थी रहे गैर हाजिर, 2857 ने दी परीक्षा

एजेंसी

जींद। जिला में छह परीक्षा केंद्रों पर नीट परीक्षा कड़े सुरक्षा प्रबंधों के बीच शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। छह परीक्षा केंद्रों पर कुल 2931 परीक्षार्थियों में से 2857 परीक्षार्थी परीक्षा देने पहुंचे और 74 परीक्षार्थी गैर हाजिर रहे। परीक्षा को नकल रहित संपन्न करवाने के लिए भारी संख्या में पुलिसबल तैनात किया गया था। सुबह 11 बजे से परीक्षा केंद्र में एंट्री टाइम शुरू था। ठीक समय पर परीक्षा केंद्र पर एंट्री शुरू हुई। पहले निजी कंपनी के नुमाइंदों द्वारा परीक्षार्थियों के एडमिट कार्ड व आधार कार्ड जांचे गए। इसके बाद गेट पर तैनात पुलिसकर्मियों द्वारा गहनता से जांच किए जाने के बाद परीक्षार्थियों को अंदर जाने दिया गया। फिर परीक्षार्थी की बायोमेट्रिक व अन्य कागजातों की जांच हुई और तब जाकर परीक्षार्थी की परीक्षा केंद्र में एंट्री हुई। परीक्षार्थी को परीक्षा केंद्र में पानी की बोतल, एडमिट कार्ड ले जाने की ही

इजाजत थी। कोई अवांछित सामग्री अंदर न पहुंचे इसके लिए महिला परीक्षार्थियों को भी जांचने का काम किया गया। परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था के लिए सीसी टीवी निगरानी, बायोमेट्रिक सत्यापन तथा अन्य आवश्यक तकनीकी प्रबंध सुनिश्चित किए गए थे। कोई भी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, गैजेट या अन्य प्रतिबंधित वस्तु परीक्षा केंद्र में ले जाने की अनुमति नही थी। परीक्षा के दौरान हर परीक्षा केंद्र पर खूफिया विंग ने भी सतर्कता रखी और परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। डयूटीरत कर्मचारियों के कागजात जांचे, परीक्षा केंद्रों के बाहर खड़ी गाडिय़ों की तलाशी ली और उनमे बैठे लोगों से बातचीत की। फोटो स्टेट दुकानों तथा कोचिंग सेंटरों को बंद करवाया गया और चेतावनी दी की अगर परीक्षा के दौरान वे अपने संस्थानों को न खोलें और न ही अवांछित तत्व को अंदर आने दें। प्रत्येक परीक्षा केंद्र के बाहर तथा अंदरूनी हालातों, डयूटीरत कर्मचारियों पर खूफिया विंग के सदस्य लगातार नजर रखे हुए थे। सेंटरों के बाहर बाहर खड़ी गाडिय़ों की जांच की गई। कर्मचारियों से पूछताछ की गई और उनके आई कार्ड भी जांचे गए। डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने बताया कि नीट परीक्षा को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं नकल रहित तरीके से संपन्न करवाया गया है।

पंजाब का ओबीसी समाज एकजुट हो जाओ, अगली बार सरकार भाजपा की होगी : नायब सिंह सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंजाब के ओबीसी समाज से आह्वान किया कि वे एकजुट हो जाएं तो अगले विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा की सरकार बनने से कोई नहीं रोक सकता। भाजपा की सरकार सबको साथ लेकर चलती है , उसमें सभी वर्गों को बराबर प्रतिनिधित्व दिया जाता है। सैनी आज पंजाब के रूपनगर में ओबीसी समाज के सम्मेलन को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान द्वारा दो दिन पहले 'मजदूर दिवस' के अवसर पर बुलाए गए विधानसभा के विशेष सत्र पर सवाल उठाते हुए कहा कि उन्होंने मजदूर दिवस पर मजदूरों का मज़ाक उड़ाया है जो कि उनकी गरीब विरोधी मानसिकता को दर्शाता है। लोकतंत्र का मंदिर कहे जाने वाले विधानसभा में भगवंत सिंह मान के व्यवहार की निंदा की। उन्होंने कहा कि पंजाब की जनता ने पिछले चुनाव में आम आदमी पार्टी को भारी बहुमत देकर जो विश्वास जताया था , सरकार के कारनामे देख कर आज वही जनता अपने आपको ठगा-सा महसूस कर रही है।विधानसभा

में लाए गए विश्वास प्रस्ताव पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि उस दिन पंजाब के मुख्यमंत्री को यह भी बताना चाहिए था कि आम आदमी पार्टी ने गत चुनाव में किए गए कितने वायदों को पूरा किया है।नायब सिंह सैनी ने ओबीसी सम्मेलन में उमड़ी भारी भीड़ की तरफ मुख़ातिब होते हुए कहा कि यह सम्मेलन सामाजिक चेतना का एक विराट संगम है। इतनी बड़ी संख्या में इस समाज का यहां एकत्रित होना इस बात का संकेत है कि ओ.बी.सी. समाज अब अपने अधिकारों, अपने सम्मान और अपने भविष्य को लेकर जागरूक और संगठित हो चुका है। यह ऊर्जा, यह उत्साह और यह एकता आने वाले समय में एक नए सामाजिक और राजनीतिक परिवर्तन की नींव रखेगी।

उन्होंने ओबीसी समाज के इतिहास को गौरवशाली बताते हुए कहा कि इस समाज ने अनेक महापुरुष दिए हैं जिनका राष्ट्र निर्माण और विकास में महान योगदान रहा है। लेकिन, दुख की बात है कि लंबे समय तक इस समाज को पंजाब में वह सम्मान और अवसर नहीं मिला, जिसका यह वास्तविक हकदार था।हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आगे कहा कि जब से देश की बागडोर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों में आई है। तब से सामाजिक न्याय को केवल नारे के रूप में नहीं, बल्कि नीति और नियत दोनों के रूप में लागू किया गया है। प्रधानमंत्री स्वयं ओ.बी.सी. समाज से हैं। उन्होंने हमेशा समाज के वंचित, पिछड़े और गरीब वर्गों को मुख्यधारा में लाने का काम किया है। उन्होंने उदाहरण देकर बताया कि भारतीय जनता पार्टी ने ओबीसी समाज को केवल एक वोट बैंक के रूप में नहीं देखा, उसे नेतृत्व का अवसर देकर सशक्त बनाया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में उनके मंत्रिमंडल में 27 ओ.बी.सी. मंत्री हैं। आज देश के भाजपा शासित 5 राज्यों में ओ.बी.सी. समाज के मुख्यमंत्री हैं। यह पूरे ओ.बी.सी. समाज के गौरव और सम्मान का प्रतीक है। नायब सिंह सैनी ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ओ.बी.सी. आयोग को संवैधानिक दर्जा दिया गया, यह एक ऐतिहासिक कदम था, जिसने इस समाज को अधिकारों की नई शक्ति प्रदान की।

सोनीपत में प्रचार के दौरान इनेलो काफिले पर पत्थरबाजी, गाड़ी क्षतिग्रस्त

एजेंसी

सोनीपत। सोनीपत में नगर निगम चुनाव प्रचार के दौरान राजनीतिक माहौल हिंसक हो गया। इनेलो के काफिले पर ईंट-पत्थर फेंके जाने घटना उस समय हुई जब पार्टी कार्यकर्ता और जिलाध्यक्षविकास नगर इलाके में प्रचार के लिए पहुंचे थे। हमले में जिलाध्यक्ष की गाड़ी को नुकसान पहुंचा, जबकि वे और साथ मौजूद कार्यकर्ता सुरक्षित बच गए। इनेलो नेताओं ने इसे सुनियोजित हमला बताते हुए जान से मारने की साजिश का आरोप लगाया है। पुलिसने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है। जिलाध्यक्ष कुनाल ने सिटी थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वे विकास नगर गली नंबर दो में चुनाव प्रचार कर रहे थे। इसी दौरान कुछ लोगों ने उनके काफिले पर ईंट-पत्थर फेंकने शुरू कर दिए। हमले से मौके पर अफरा-तफरी मच गई और कार्यकर्ताओं में डर का माहौल बन गया। हमले में जिलाध्यक्ष की गाड़ी को काफी नुकसान पहुंचा है। गाड़ी की सीट टूट गई, गनीमत रही कि सभी लोग सुरक्षित बच गए। जिलाध्यक्ष कुनाल ने कहा कि यह केवल विरोध

नहीं बल्कि सुनियोजित हमला है। उनका आरोप है कि चुनाव प्रचार रोकने और उन्हें चोट पहुंचाने की नीयत से हमला किया गया। सूचना मिलते ही सिटी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और लिखित शिकायत दर्ज कर ली। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। जांच पूरी होने के बाद दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जैपनीज पार्क में बने भगवान परशुराम की 121 फुट की भव्य प्रतिमा : डॉ. अरविंद शर्मा

एजेंसी

चंडीगढ़। सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने दिल्ली विधानसभा चुनाव के दौरान ब्राह्मण समाज द्वारा रोहिणी के जैपनीज पार्क में भगवान परशुराम की भव्य 121 फुट की प्रतिमा स्थापित करने की मांग का समर्थन किया। कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के साथ इस विषय पर चर्चा करते हुए इसे मंजूरी देने का अनुरोध किया। सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने शनिवार शाम रोहिणी में एक निजी कार्यक्रम में आयोजित विष्णु अवतार भगवान श्री परशुराम जन्मोत्सव में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, सांसद मनोज तिवारी, विधायक अनिल शर्मा के साथ शिरकत की। जनसमूह को संबोधित करते हुए सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि भगवान परशुराम ने पीड़ित, शोषित, जरूरतमंदों के हितों की रक्षा करना सुनिश्चित किया। उन्होंने जीवन के उच्च आदर्शों और मानकों की स्थापना करते हुए गुरु, अभिभावक के प्रति दायित्व निर्वहन का बड़ा संदेश दिया। भगवान परशुराम के

जीवन से प्रेरणा लेकर हम सब को मिलकर सनातन संस्कृति को मजबूत करना है, ताकि देश को मजबूत किया जा सके। उन्होंने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से चर्चा करते हुए बताया कि विधानसभा चुनाव के दौरान ब्राह्मण समाज द्वारा भाजपा को भरपूर समर्थन और आशीर्वाद दिया गया। उस समय उनके द्वारा जैपनीज पार्क में भगवान परशुराम की 121 फुट की भव्य प्रतिमा स्थापित करवाने की मांग रखी गई थी। उन्होंने कहा कि यह ब्राह्मण समाज की पुरानी मांग है, जिस पर अब गौर करने का समय आ गया है। कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि गोवा में भगवान परशुराम राष्ट्रीय परिषद द्वारा एक सप्ताह के अधिवेशन के माध्यम से दलीप शास्त्री की कथा का आयोजन किया गया और उन्होंने भगवान परशुराम से जुड़े मिथ एवं दुष्प्रचार को तथ्यों के आधार पर स्पष्ट किया। इसलिए हर क्षेत्र में भगवान परशुराम कथा का आयोजन होना चाहिए, ताकि चिरंजीवी भगवान परशुराम में आस्था रखने वाले नागरिकों को जागरूक किया जा सके। उन्होंने भव्य आयोजन के लिए विनोद वत्स, चांद करण शर्मा, अशोक शर्मा की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज को एकजुट बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं।

जींद में हड़ताल पर सफाई कर्मी, सैकड़ों टन कचरा हुआ जमा

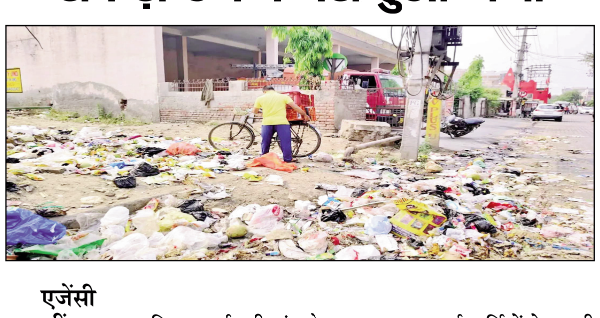

एजेंसी

जींद। नगर पालिका कर्मचारी संघ के आह्वान पर सफाई कर्मियों ने अपनी हडताल को पांच मई तक बढा दिया है। शहर में प्रतिदिन 120 टन तथा जिला में प्रतिदिन 185 टन कचरा निकलता है। पिछले तीन दिन से शहर तथा जिलाभर में कचरे का उठान नही हो पाया है। ऐसे में जगह-जगह कचरे के ढेर लगने व उनसे उठने वाली बदबू से आमजन परेशान हो गया। स्थानीय लोगों की मांग है कि जिला प्रशासन शहर में सफाई व कचरे के उठान को लेकर प्रबंध करवाए। जींद शहर की बात की जाए तो यहां नियमित तौर पर 168 व एचकेआरएन के तहत लगभग 200 कर्मचारी सफाई कार्य के लिए काम करते हैं। शहर से 120 टन कचरा व जिला से 185 टन कचरा निकलता है। ऐसे में तीन दिनों तक कचरे का उठान न हो पाने के कारण 360 टन कचरा एकत्रित हो गया है। वहीं जिला में 550 टन से अधिक कचरा एकत्रित हो गया है। सफाई कार्य ठप रहने के चलते शहर में कचरे का उठान नही हो पाया। सड़कों, गलियों और वार्डों में जगह-जगह कूड़े के ढेर लग गए हैं। जिससे बदबू फैल रही है और लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सुबह भी वार्डवासी कचरा फेंकने के लिए गाड़ी का इंतजार करते रहे लेकिन सफाई गाडिय़ां नहीं पहुंचीं। परेशान होकर कई लोगों ने घर का कूड़ा सड़क किनारे, नालियों के पास या खाली प्लॉटों या सार्वजनिक स्थानों में फेंक रहे हैं।

निगमायुक्त प्रदीप दहिया ने ली बैठक, निगरानी तंत्र मजबूत करने के निर्देश

एजेंसी

गुरुग्राम। जनगणना के कार्य में 500 से अधिक सुपरवाइजर एवं एन्यूमरेटर ड्यूटी और प्रशिक्षण से अनुपस्थित पाए गए हैं। नगर निगम की ओर से सख्त निर्णय लिया गया कि ऐसे कर्मचारियों को नोटिस जारी किए जाएंगे। निर्धारित समय में जवाब नहीं देने पर उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह बात प्रधान जनगणना अधिकारी एवं निगमायुक्त प्रदीप दहिया ने नगर निगम गुरुग्राम में जनगणना कार्यों की प्रगति को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक में कही। इस बैठक में विभिन्न अधिकारियों की उपस्थिति में जनगणना कार्यों को गति देने, अनुपस्थित कर्मचारियों पर कार्रवाई तथा निगरानी व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के निर्देश दिए गए। बैठक में सभी विभागों और संस्थानों को निर्देशित किया गया कि उनके अधीनस्थ कर्मचारी तुरंत जनगणना कार्य में शामिल हों। साथ ही अनुपस्थित सुपरवाइजर और एन्यूमरेटर को पांच मई से सात मई 2026 तक प्रशिक्षण में अनिवार्य रूप से उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं। अनुपालन न करने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की दिए गए। बैठक में जनगणना कार्यों को समयबद्ध और प्रभावी ढंग से पूरा करने के लिए कड़े दिशा-निर्देश जारी किए गए, जिससे यह सुनिश्चित

चेतावनी भी दी गई है। निगमायुक्त प्रदीप दहिया ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जनगणना कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही, अनुपस्थिति या उदासीनता को गंभीरता से लिया जाएगा और दोषी अधिकारियों/कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही सभी अधिकारियों को अपने स्टाफ की नियमित निगरानी और कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश किया जा सके कि गुरुग्राम में जनगणना प्रक्रिया सुचारू और पारदर्शी तरीके से सम्पन्न हो। साथ ही निगम पार्षदों, आरडब्ल्यूए प्रतिनिधियों व नागरिकों से अपील की गई कि वे जनगणना कार्य में सहयोग करें। जनगणना कार्यों की निगरानी और समस्याओं के समाधान के लिए प्रत्येक जोन स्तर पर जोनल ग्रीवेंस सेल गठित करने का निर्णय लिया गया।

धरे के धरे रह गए हरियाणा में 24 घंटे बिजली आपूर्ति के दावे, प्रदेश में बिजली संकट पर जवाब दे सरकार : सैलजा

एजेंसी

चंडीगढ़। सिरसा की सांसद, पूर्व केंद्रीय मंत्री, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव एवं सीडब्ल्यूसी की सदस्य कुमारी सैलजा ने हरियाणा में बढ़ते बिजली संकट पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए राज्य सरकार से कई महत्वपूर्ण सवाल पूछे हैं। सांसद ने कहा कि गर्मी की शुरुआत में ही प्रदेश के कई हिस्सों में लंबे-लंबे बिजली कट लग रहे हैं, जिससे आम जनता, किसान और उद्योग सभी प्रभावित हो रहे हैं जबकि सरकार ने 24 घंटे बिजली आपूर्ति का दावा किया था। कुमारी सैलजा ने कहा कि जब पहले से ही ट्रांसफार्मरों के ओवरलोड होने और बिजली लाइनों के जर्जर होने की जानकारी सरकार के पास थी, तो समय रहते आवश्यक सुधार क्यों नहीं किए गए। बिजली निगम के अधिकारी प्यास लगने पर ही कुआं क्यों खोदते है, इससे अधिकारियों की प्यास को बुझ जाती है पर उन्हें जनता को होने वाली परेशानी का आभास तक नहीं होता। ऐसे लापरवाह अधिकारियों पर कार्रवाई होनी चाहिए, उन्हें इस बात को भी अहसास होना चाहिए कि वे एक अधिकारी होने से पहले जनता के सेवक हैं। सांसद कुमारी सैलजा ने पूछा कि क्या सरकार के पास आने वाले महीनों में बढ़ती बिजली मांग को पूरा करने की कोई ठोस योजना है या प्रदेश को और बड़े संकट की ओर धकेला जा रहा है। सांसद ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में 6 से 10 घंटे और शहरी क्षेत्रों में भी कई घंटों के अघोषित बिजली कट आम लोगों के जीवन को कठिन बना रहे हैं। यह स्थिति न केवल असुविधाजनक है, बल्कि किसानों की सिंचाई और छोटे उद्योगों के संचालन पर भी गंभीर प्रभाव डाल रही है। सांसद ने सरकार से मांग की कि तुरंत प्रभाव से बिजली ढांचे को मजबूत करने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं, खराब ट्रांसफार्मरों को बदला जाए, और जर्जर लाइनों की मरम्मत की जाए ताकि जनता को राहत मिल सके। उन्होंने कहा कि केवल घोषणाओं और दावों से काम नहीं चलेगा, बल्कि जमीन पर वास्तविक सुधार जरूरी है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 356 , निफ्टी 121 अंक उछला

मुंबइ । घरेलू शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी रहने से आई है। इसके अलावा मध्य पूर्व में तनाव कम होने से भी बाजार उछला है। बंगाल और असम में चुनाव परिणामें में भाजपा की जीत से भी बाजार में उत्साह का माहौल है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 355.90 अंक बढ़कर 77,269.40 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 121.75 अंक बढ़कर 24,119.30 पर बंद हुआ। व्यापक बाजारों में भी तेजी रही। निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में 0.70 फीसदी और निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में 0.63 फीसदी की बढ़त रही।। वहीं निफ्टी रियल्टी और निफ्टी मेटल ने बेंचमार्क इंडेक्स में करीब 2.41 फीसदी और 1.09 फीसदी की तेजी रही। वहीं, निफ्टी आईटी और निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी प्राइवेट बैंक के शेयरों में गिरावट रही। निफ्टी में अदाणी पोर्ट्स के शेयर उछले, इसके अलावा आयशर मोटर के शेयरों में 3.11 प्रतिशत की तेजी आई।

इसके अलावा, अदाणी इंटरप्राइजेज, श्रीराम फाइनेंस, एचयूएल, एलएंडटी, मैक्स हेल्थ, ग्रासिम, इटरनल और सिप्ला के शेयरों में भी बढ़त रही जबकि कोटक बैंक, भारती एयरटेल, डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज, ओएनजीसी, टीसीएस, इंडिगो, इंफोसिस और आईटीसी के शेयरों में गिरावट आई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ऑपरेशन फ्रीडम की घोषणा से बेंट ब्रेंट क्रूड की कीमतें 2.45 फीसदी तक गिरीं। आज एशियाई बाजारों में बढ़त रही जबकि अमेरिकी शेयर बाजार में मिश्रित रुख रहा, जिसमें एसएंडपी 500 और नैस्डैक ने रिकॉर्ड ऊंचाई पर कारोबार किया। इससे पहले आज सुबह शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 621.31 अंक चढ़कर 77,534.81 के स्तर पर पहुंच गया, जो निवेशकों के मजबूत भरोसे को दर्शाता है।

परिधान रिटेल सेक्टर में आई तेजी, मार्च तिमाही में दिखा मजबूत उछाल

वैल्यू फैशन सेगमेंट में दिखी खास मजबूती, लिस्टेड कंपनियों का शानदार प्रदर्शन

नई दिल्ली ।

दिसंबर तिमाही की सुस्ती को पीछे छोड़ते हुए भारतीय परिधान रिटेल क्षेत्र ने मार्च तिमाही में फिर से रफ्तार पकड़ ली है। स्टोरों से होने वाली बिक्री में बढ़ोतरी और नए स्टोर खोलने की तेज गति ने इस क्षेत्र को जबरदस्त मदद दी है। खास तौर पर वैल्यू फैशन कैटेगरी में यह रिकवरी ज्यादा मजबूत दिख रही है, जहां सूचीबद्ध कंपनियों ने पिछले एक महीने में निफ्टी 50 से तीन गुना अधिक रिटर्न दिया है। जेएम फाइनैंशियल रिसर्च के अनुसार कपड़ों के सेक्टर, खासकर वैल्यू फैशन में बड़े पैमाने पर रिकवरी देखने को मिल रही है। यह रिकवरी तीसरी तिमाही के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद आई है, जो त्योहारों के दूसरी तिमाही में होने से प्रभावित हुई थी। ज्यादातर परिधान रिटेलरों ने तीसरी तिमाही में बिक्री में गिरावट या 2 प्रतिशत से भी कम वृद्धि दर्ज की थी। हालांकि, चौथी तिमाही में औसतन मध्यम-एक अंक या उससे अधिक वृद्धि की उम्मीद है। जीएसटी दरों में कटौती, आयकर दरों में कमी और कम ब्याज दरों जैसे व्यापक उपभोक्ता खुदरा कारकों से मांग में बहाली के शुरुआती संकेत मिल रहे हैं। एचडीएफसी सिक्योरिटीज को उम्मीद है कि परिधान क्षेत्र चौथी तिमाही में सालाना आधार पर 16 प्रतिशत की राजस्व वृद्धि दर्ज करेगा, जिसमें वैल्यू अपैरल रिटेलरों का प्रदर्शन प्रीमियम रिटेलरों से बेहतर रहेगा। वी-मार्ट के तिमाही-पूर्व अपडेट ने चौथी तिमाही में कंपनी के राजस्व में सालाना आधार पर 24.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी का संकेत दिया है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2026 के लिए अपने नए स्टोर खोलने के लक्ष्य को पार करते हुए कुल 80 स्टोर तक अपनी संख्या बढ़ाई है, जो वित्त वर्ष 2025 में 53 थी। ऐंटीक स्टॉक ब्रोकिंग ने वी-मार्ट में सेम स्टोर सेल्स ग्रोथ में सुधार और लगातार दो अंकों की राजस्व वृद्धि देखी है, जिसकी मुख्य वजह स्टोर विस्तार और अधिग्रहण में सुधार है। उन्होंने 842 रुपये के संशोधित कीमत लक्ष्य के साथ इस शेयर को खरीदने की सलाह दी है।

वारी एनर्जीज का विदेशी राजस्व 20 प्रतिशत गिरा, मार्जिन पर दबाव

पश्चिम एशिया संकट से निर्यात प्रभावित, महंगी धातुओं ने मार्जिन घटाया

नई दिल्ली ।

वारी एनर्जीज को वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही में चुनौतियों का सामना करना पड़ा। पश्चिम एशिया संकट से विदेशी बाजारों से प्राप्त राजस्व करीब 20 प्रतिशत गिरा, जबकि महंगी कमोडिटी कीमतों ने मार्जिन पर दबाव डाला। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि पश्चिम एशिया संकट से खेपों में देरी हुई और स्टॉक बढ़ गया। इससे कंपनी को कम महंगे बाजारों में निर्यात करना पड़ा, जिससे राजस्व मिश्रण बिगड़ गया। विदेशी प्रीमियम बाजार ने पिछली तिमाही में कुल राजस्व में 32.6 प्रतिशत का योगदान दिया था। तिमाही में कंपनी का मार्जिन घटकर 18.6 प्रतिशत रहा, जो पिछले साल इसी अवधि में 23 प्रतिशत था। मार्जिन में गिरावट का मुख्य कारण चांदी, तांबे और एल्युमीनियम जैसी कमोडिटी की रिकॉर्ड उच्च कीमतें रहीं। चांदी की कीमतों ने सेल लागत पर भारी असर डाला। गैस की कमी ने कांच की कीमतों को भी प्रभावित किया। इन चुनौतियों के बावजूद, वारी एनर्जीज अगले दो वर्षों में 30,000 करोड़ रुपये का पूंजीगत खर्च करेगी। यह निवेश बैटरी ऊर्जा भंडारण, इंगट-वेफर, सेल और ग्लास विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में होगा।

डीमार्ट के शेयर 4 फीसदी गिरे, मिश्रित तिमाही नतीजों का दिखा असर

नई दिल्ली ।

रिटेल दिग्गज एवेन्यू सुपरमार्ट्स (डीमार्ट) के शेयर 4 मई को 4 फीसदी गिरावट के साथ 4,407 रुपए पर आ गए। मार्च तिमाही के मिश्रित नतीजों ने बाजार को प्रभावित किया, जहां कंपनी का शुद्ध मुनाफा 656.6 करोड़ रुपए रहा, जो विश्लेषकों के 680 करोड़ रुपए के अनुमान से कम था। हालांकि डीमार्ट का परिचालन प्रदर्शन मजबूत दिखा। राजस्व 18.9 फीसदी बढ़कर 17,683.9 करोड़ रुपए और ऐ बि टा 26.7 फीसदी बढ़कर 1,210.5 करोड़ रुपए रहा, जो अनुमान से अधिक था। यह कंपनी के बेहतर परिचालन और मार्जिन में सुधार को दर्शाता है। शुरुआती गिरावट के बावजूद डीमार्ट का शेयर पिछले एक साल में 10.4 फीसदी ऊपर है।

टाटा समूह में लिस्टिंग पर मतभेद के बीच ट्रस्ट प्रतिनिधियों की होगी समीक्षा

8 मई की बैठक में होगा फैसला, टाटा संस को सूचीबद्ध करने पर अलग-अलग राय से तनाव

मुंबई ।

टाटा समूह में नियंत्रण और रणनीति को लेकर एक महत्वपूर्ण मोड़ आ गया है। टाटा ट्रस्ट्स 8 मई को होने वाली अपनी बैठक में टाटा संस के निदेशक मंडल में अपने प्रतिनिधियों की भूमिका की गहन समीक्षा करने जा रहा है। कुछ प्रतिनिधियों के सार्वजनिक रूप से टाटा संस को शेयर बाजार में सूचीबद्ध करने का समर्थन करने के बाद यह कदम उठाया गया है, जबकि ट्रस्ट के भीतर एक बड़ा धड़ा इसे निजी ही बनाए रखने के पक्ष में है। जानकारी के अनुसार ट्रस्ट के उपाध्यक्ष वेनु श्रीनिवासन और विजय सिंह जैसे सदस्यों द्वारा सूचीबद्धता के पक्ष में दिए गए हालिया बयान चर्चा का विषय बने हुए हैं। जबकि ट्रस्ट के चेयरमैन नोएल टाटा के नेतृत्व में अधिकांश सदस्य कंपनी को निजी ही बनाए रखने के पक्षधर हैं। ट्रस्ट अब यह सुनिश्चित करना चाहता है कि उसके नामित सदस्य उसकी मौजूदा सोच और रणनीति के अनुरूप हों। पिछले साल विजय सिंह को टाटा संस के बोर्ड में दोबारा जगह न मिलने के बाद अब वेनु श्रीनिवासन की स्थिति पर भी संशय बना हुआ है। जानकारों का मानना है कि इन बदलावों का टाटा समूह की भविष्य की रणनीति और नेतृत्व पर गहरा असर पड़ सकता है। बैठक में एक स्थायी ट्रस्टी से जुड़ी शिकायत पर भी विचार हो सकता है, जो आंतरिक समीक्षा की गंभीरता को दर्शाता है। यह बैठक समूह के भविष्य की दिशा तय करने में

निजी बैंकों का थोक ऋण पर जोर, बैंक 27 में रिकवरी की कर रहे उम्मीद

बैंकों ने कॉर्पोरेट उधार में अतिरिक्त निवेश करना पसंद किया

नई दिल्ली ।

वित्तीय वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में निजी क्षेत्र के बड़े बैंकों ने अपनी ऋण वृद्धि को गति देने के लिए कॉर्पोरेट और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को ऋण देने पर जबरदस्त भरोसा जताया है। इस अवधि में खुदरा ऋणों में धीमी, एकल अंक की वृद्धि दर्ज की गई, जिससे बैंकों को अपनी रणनीति में बदलाव करना पड़ा। हालांकि, बैंक वित्त वर्ष 2027 में खुदरा ऋण में तेजी आने की उम्मीद कर रहे हैं, जिससे उनके बही खाते में सार्थक वृद्धि होने की संभावना है। पश्चिमी एशिया में तनाव के बावजूद, अर्थव्यवस्था के विशिष्ट क्षेत्र जैसे डेटा सेंटर, हरित ऊर्जा और रक्षा के साथ-साथ कुछ बड़े औद्योगिक समूह मजबूत प्रदर्शन कर रहे हैं। बॉन्ड बाजार में अपेक्षाकृत महंगी स्थितियों ने भी कंपनियों को बैंकों से ऋण लेने के लिए प्रेरित किया है, जिससे बड़े बैंकों को इन क्षेत्रों में ग्राहक संबंधों का लाभ उठाते हुए ऋण वितरण में बड़ा हिस्सा मिल रहा है। बैंकों ने कॉर्पोरेट उधार में अतिरिक्त निवेश करना पसंद किया। खुदरा मोर्चे पर, ऋण वितरण वृद्धि मजबूत बनी हुई है, लेकिन इसका असर बही खाते पर दिखने में आमतौर पर दो से तीन तिमाही लगती हैं। पहले, ब्याज दरों में उतार-चढ़ाव के कारण उच्च लागत वाले ऋणों को पुनर्वित्त कराने का चलन था, जिससे बकाया राशि में वृद्धि दिखती थी। अब जब ब्याज दरें स्थिर हैं, पुनर्वित्त कम हो रहा है, और वितरण पाइपलाइन सीधे ऋण विस्तार में अधिक स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगी है। देश के तीन

सबसे बड़े निजी बैंकों ने इस प्रवृत्ति को दर्शाया। एचडीएफसी बैंक ने खुदरा बही खाते में केवल 6.5 फीसदी की वृद्धि दर्ज की, जबकि इसके छोटे और मध्यम बाजार खंड में 17.2 फीसदी और कॉर्पोरेट उधार में 13 फीसदी की वृद्धि हुई। एक्सिस बैंक में खुदरा वृद्धि 8 फीसदी रही, जबकि एसएमई ऋण में 24 फीसदी और कॉर्पोरेट ऋण में 38 फीसदी की प्रभावशाली वृद्धि हुई। आईसीआईसीआई बैंक की खुदरा बही खाता वृद्धि 9.5 फीसदी बढ़ी, लेकिन यह उसके बिजनेस बैंकिंग और ग्रामीण पोर्टफोलियो से काफी कम थी। एक्सिस बैंक के एक अे धिकारी ने भी थोक बैंकिंग में मजबूत अवसरों की पुष्टि की, जबकि खुदरा वितरण की मजबूती पर जोर दिया, जिसका प्रभाव धीरे-धीरे बही खाते पर दिखेगा। कुल मिलाकर, निजी बैंक फिलहाल कॉर्पोरेट और एमएसएमई क्षेत्रों पर अपनी वृद्धि के लिए निर्भर कर रहे हैं, जबकि खुदरा बाजार में भविष्य की तेजी का इंतजार कर रहे हैं।

वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारतीय विनिर्माण में चमक, पर महंगाई का दबाव बढ़ा

- अप्रैल में खरीद प्रबंधक सूचकांक 54.7 पहुंचा, परिचालन स्थितियों में सुस्ती और बढ़ी लागत से चुनौतियां

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में जारी संकट के बावजूद अप्रैल माह में भारतीय विनिर्माण गतिविधियों ने अपनी गति बनाए रखी है। एचएसबीसी द्वारा जारी खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) मार्च के 53.9 से बढ़कर अप्रैल में 54.7 पर पहुंच गया, जो क्षेत्र में लगातार विस्तार का संकेत है। हालांकि, इसी अवधि में परिचालन परिस्थितियों में पिछले चार सालों की दूसरी सबसे सुस्त वृद्धि दर्ज की गई है, जिससे बढ़ती लागत और मुद्रास्फीति का दबाव स्पष्ट दिख रहा है। रिपोर्ट के अनुसार उत्पादन, निर्यात सहित नए ऑर्डर और रोजगार में अप्रैल माह में वृद्धि दर्ज की गई है। कंपनियों के प्रबंधकों ने विज्ञापन और मजबूत मांग को बिक्री और उत्पादन में वृद्धि का कारण बताया। विदेशों से नए ऑर्डर में भी सात महीने की सबसे तेज बढ़ोतरी देखी गई, जिसमें ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, जापान, चीन और खाड़ी देशों से महत्वपूर्ण योगदान मिला। हालांकि एचएसबीसी के मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि पीएमआई में बढ़ोतरी के बावजूद परिचालन परिस्थितियों में सबसे सुस्त वृद्धि दर्ज हुई है। पश्चिम एशिया संकट का असर अब स्पष्ट रूप से मुद्रास्फीति पर दिख रहा है। लागत अगस्त 2022 के बाद सबसे तेजी से बढ़ी है, वहीं उत्पादों की कीमतें पिछले छह महीने में उच्चतम स्तर पर पहुंच गई हैं। एल्यूमीनियम, रसायन, ईंधन और पेट्रोलियम उत्पादों सहित विभिन्न वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि से कंपनियों पर लागत का बोझ बढ़ा है। रिपोर्ट यह भी बताती है कि नए ऑर्डर और उत्पादन में

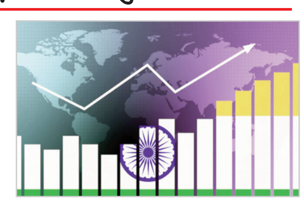

वृद्धि हुई है, लेकिन इसकी रफ्तार कम से कम साढ़े तीन साल में सबसे धीमी रही है। कुल मिलाकर मुद्रास्फीति की दर अगस्त 2022 के बाद के उच्चतम स्तर पर रही, जिसके कारण विनिर्माताओं को अपने उत्पादों के दाम में बढ़ोतरी करनी पड़ी। हालांकि, उपभोक्ता उत्पाद एकमात्र उपवर्ग रहा जहां कीमतों में कमी आई।

पीपीएफ खाता निष्क्रिय? घबराएं नहीं, ऐसे करें दोबारा एक्टिवेट

आपका पैसा सुरक्षित, लेकिन सुविधाओं के लिए जरूरी है सक्रिय करना

नई दिल्ली ।

अगर आप भी अपने पब्लिक प्रोविडेंट फंड खाते में सालाना न्यूनतम 500 रुपये जमा करना भूल गए हैं और आपका खाता निष्क्रिय हो गया है, तो चिंता न करें। आपका निवेश सुरक्षित है और इसे दोबारा सक्रिय करना बेहद आसान है, ताकि आप सभी सुविधाओं का लाभ उठा सकें। पीपीएफ नियमों के तहत हर वित्तीय वर्ष में न्यूनतम 500 रुपये जमा करना अनिवार्य है। ऐसा न करने पर खाता निष्क्रिय हो जाता है। अच्छी खबर यह है कि निष्क्रिय होने के बावजूद आपके जमा पैसे पर ब्याज मिलता रहता है, क्योंकि यह सरकारी गारंटी वाली योजना है। हालांकि, आप लोन या आंशिक निकासी जैसी सुविधाओं से वंचित रह जाते हैं। खाता दोबारा सक्रिय करने के लिए आपको बैंक या पोस्ट ऑफिस जाकर एक लिखित आवेदन देना होगा। साथ ही प्रत्येक निष्क्रिय वर्ष के लिए 50 रुपये का जुर्माना और 500 रुपये का न्यूनतम निवेश जमा करना होगा। उदाहरण के लिए, 2 साल के बंद खाते के लिए आपको 100 रुपये जुर्माना और 1000 रुपये बकाया निवेश जमा करने होंगे। यह प्रक्रिया फिलहाल ऑनलाइन उपलब्ध नहीं है।

गोदरेज इंडस्ट्रीज़ का 2031 तक 5 लाख करोड़ मार्केट कैप का महत्वाकांक्षी लक्ष्य

- नई कॉर्पोरेट पहचान, क्राफ्टिंग टुमॉरो उद्देश्य और ईएसजी प्रतिबद्धताओं पर ज़ोर

मुंबई।

भारत के पुराने व्यापारिक घरानों में से एक, गोदरेज इंडस्ट्रीज़ ग्रुप (जीआईजी) ने 2031 तक 5,00,000 करोड़ रुपये से अधिक मार्केट कैप हासिल करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। मुंबई में, समूह ने अपनी भविष्य की रणनीतियों और नई कॉर्पोरेट पहचान का अनावरण किया। ग्रुप अगले सात वर्षों में 15 फीसदी से अधिक वार्षिक बिक्री वृद्धि और 20 फीसदी से अधिक प्रति शेयर आय वृद्धि का लक्ष्य रखता है। इसके लिए सूचीबद्ध कंपनियों की संख्या तीन से बढ़ाकर पाँच की जाएगी, साथ ही प्रत्येक कंपनी का लक्ष्य इक्विटी पर 18 फीसदी से अधिक रिटर्न देना होगा। रणनीतिक बदलाव के तहत जीआईजी ने निवेशकों हेतु नई कॉर्पोरेट जीआई पहचान पेश की है, जो गोदरेज के उपभोक्ता लोगो की जगह नहीं लेगी। क्राफ्टिंग टुमॉरो सिंस 1897 के नए उद्देश्य के साथ, समूह द गोदरेज वे के मूल्यों - प्रदर्शन, लोग और ग्रह (पर्यावरण) पर ज़ोर देता है।

गोदरेज इंडस्ट्रीज़ ने 2035 तक नेट-ज़ीरो परिचालन और 2047 तक ग्रह-हितैषी आपूर्ति श्रृंखला का लक्ष्य रखा है। अगले पांच वर्षों में, समूह में महिलाओं, एलजीबीटीक्यू प्लस और दिव्यांगजनों का 40 फीसदी प्रतिनिधित्व हासिल करने की भी योजना है, जो समावेशी कार्य संस्कृति के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

बजाज ऑटो की बिक्री अप्रैल में 40 फीसदी बढ़कर हुई 5,13,792 इकाई

नई दिल्ली।

बजाज ऑटो लिमिटेड की अप्रैल में कुल बिक्री 40 प्रतिशत बढ़कर 5,13,792 इकाई हो गई जो पिछले वर्ष के इसी महीने में 3,65,810 इकाई थी। वाहन विनिर्माता कंपनी ने सोमवार को बयान में कहा कि घरेलू बिक्री 13 प्रतिशत बढ़कर 2,48,210 इकाई हो गई जबकि अप्रैल 2025 में यह 2,20,615 इकाई थी।निर्यात में 83 प्रतिशत की तेज वृद्धि दर्ज हुई और यह 2,65,582 इकाई रहा। अप्रैल 2025 में यह 1,45,195 इकाई रहा था। घरेलू बाजार में दोपहिया वाहनों की बिक्री 11 प्रतिशत बढ़कर 2,10,063 इकाई हो गई जबकि अप्रैल 2025 में यह 1,88,615 इकाई थी। दोपहिया वाहनों का निर्यात 78 प्रतिशत बढ़कर 2,29,890 इकाई हो गया जो एक वर्ष पहले इसी अवधि में

1,29,322 इकाई था। कंपनी ने बताया कि वाणिज्यिक वाहनों की कुल बिक्री अप्रैल 2026 में 54 प्रतिशत बढ़कर 73,839 इकाई हो गई जो पिछले वर्ष इसी महीने में 47,873 इकाई थी।

ट्रंप की प्रोजेक्ट फ्रीडम से एशियाई बाजारों में सकारात्मक शुरुआत

दक्षिण कोरियाई सूचकांक रिकॉर्ड स्तर पर

मुंबई ।

एशियाई शेयर बाजारों ने सप्ताह की शुरुआत मजबूत सकारात्मक रुख के साथ की, जिसमें दक्षिण कोरियाई सूचकांक ने नया रिकॉर्ड स्तर छुआ।

निवेशक जहां वैश्विक हालात पर करीब से नजर बनाए हुए हैं, वहीं अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा घोषित प्रोजेक्ट फ्रीडम ने उन्हें कुछ राहत प्रदान की है।

यह पहल अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लाई गई है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की प्रोजेक्ट फ्रीडम घोषणा में होर्मुज जलडमरूमध्य, जो वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति का अहम मार्ग है, में गैर-संबद्ध देशों के नागरिक जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए अमेरिकी युद्धपोतों, विमानों और हजारों सैनिकों की तैनाती शामिल है।

जानकारों का मानना है कि इस रणनीतिक कदम से अमेरिका-ईरान तनाव के कारण वैश्विक व्यापार और तेल आपूर्ति पर पड़ रहे दबाव को कुछ हद तक कम किया जा सकेगा।

बाजारों में, दक्षिण कोरिया की रिकॉर्ड बढ़त के अलावा, भारत और हांगकांग के सूचकांक भी मजबूती के साथ बंद हुए। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया में हल्की गिरावट दर्ज की गई, जबकि जापान और चीन के बाजार सार्वजनिक अवकाश के कारण बंद रहे।

कच्चे तेल की कीमतें शुरुआती कारोबार में लगभग स्थिर रहीं, जिससे निवेशकों की सतर्कता का पता चलता है। विशेषज्ञों ने आने वाले दिनों में वैश्विक राजनीति, खासकर अमेरिका-ईरान संबंधों और तेल कीमतों पर पैनी नजर रखने की सलाह दी है, क्योंकि ये कारक बाजार की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाएंगे।

अदाणी के पक्ष में फैसला, एनसीएलएटी ने वेदांता की जेएएल चुनौती खारिज की

ऋणदाताओं की समिति के व्यावसायिक निर्णय को कायम रखा

नई दिल्ली ।

राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने सोमवार को अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड द्वारा जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड (जेएएल) के अधिग्रहण के पक्ष में फैसला सुनाया है। एनसीएलएटी ने वेदांता लिमिटेड की उन दो याचिकाओं को खारिज कर दिया, जिनमें अदाणी की सफल बोली को चुनौती दी गई थी। न्यायालय की दो-सदस्यीय पीठ ने कहा कि अपील में कोई दम नहीं है और निर्णायक प्राधिकरण (एनसीएलटी) के निर्णय में हस्तक्षेप करने का कोई आधार नहीं है। अपीलीय न्यायाधिकरण ने ऋणदाताओं की समिति (सीओसी) के निर्णय को विभिन्न समाधान योजनाओं के समग्र मूल्यांकन और उनकी व्यावसायिक समझ पर आधारित बताया। एनसीएलएटी ने यह भी कहा कि समाधान प्रक्रिया के दौरान समाधान पेशेवर द्वारा कोई महत्वपूर्ण अनियमितता नहीं की गई। वेदांता ने अपनी बोली को सकल मूल्य के लिहाज से 3,400 करोड़ रुपये और शुद्ध वर्तमान मूल्य (एनपीवी) के आधार पर लगभग 500 करोड़ रुपये अधिक बताते हुए मूल्यांकन मानदंडों पर सवाल उठाया था। हालांकि, एनसीएलएटी ने कहा कि सीओसी द्वारा उच्च मूल्य वाली योजना को अस्वीकार करना मनमाना या अनुचित नहीं कहा जा सकता। गौरतलब है कि एनसीएलटी ने 17 मार्च को अदाणी एंटरप्राइजेज की 14,535 करोड़ रुपये की बोली को मंजूरी दी थी, जिसे वेदांता ने एनसीएलएटी और उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी थी, लेकिन दोनों जगह उसे राहत नहीं मिली। अदाणी को कर्जदाताओं के सर्वाधिक 89 प्रतिशत मत मिले थे।

ममता का किला ढहा, भगवा लहर का उदय

प्रियंका सौरभ

इस जीत के पीछे कई बहुआयामी कारक कार्यरत थे। सबसे पहले, एंटी-इनकंबेंसी लहर ने जोरदार तरीके से अपना प्रभाव दिखाया। ममता बनर्जी सरकार पर भ्रष्टाचार, कटमनी, घुसपैठ और राजनीतिक हिंसा के गंभीर आरोप लगे थे। विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) अभियान के तहत वोटर लिस्ट से 27 लाख कथित फर्जी नाम हटाए गए, जिसने बांग्लादेशी घुसपैठ के मुद्दे को केंद्र में ला खड़ा किया। मातुआ समुदाय–जो बांग्लादेशी हिंदू शरणार्थियों का सबसे बड़ा वोट बैंक है–ने नागरिकता संशोधन कानून (CAA) के कार्यान्वयन के बाद बीजेपी का पूर्ण समर्थन किया।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 में बीजेपी ने 195+ सीटें जीतकर TMC के 15 वर्षीय शासन को उखाड़ फेंका। एंटी-इनकंबेंसी, घुसपैठ, भ्रष्टाचार और CAA ने मातुआ वोट एकजुट किया। ममता की 'अजेय' छवि टूटी, विपक्ष कमजोर। राष्ट्रीय INDIA गठबंधन प्रभावित, पूर्वी भारत में BJP विस्तार। नई सरकार विकास-कानूनव्यवस्था पर फोकस करेगी, परंतु हिंसा रोकना चुनौती। यह जीत लोकतंत्र में परिवर्तन का प्रतीक है।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की ऐतिहासिक जीत ने न केवल ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के 15 वर्षीय शासन को समाप्त कर दिया, बल्कि पूरे भारतीय राजनीति के परिदृश्य को हमेशा के लिए बदल दिया। रुझानों और अंतिम परिणामों के अनुसार, बीजेपी ने 294 सीटों वाली विधानसभा में 195 से अधिक सीटें हासिल कर स्पष्ट बहुमत प्राप्त कर लिया, जबकि टीएमसी 100 सीटों के आसपास सिमट गई। कांग्रेस और सीपीआई(एम) जैसे पारंपरिक विपक्षी दल क्रमशः 2-3 और 1-2 सीटों तक सीमित रह गए। यह परिणाम 2021 के चुनाव से पूरी तरह उलट हैं, जब टीएमसी ने 213 सीटों के साथ प्रचंड बहुमत हासिल किया था। बीजेपी का वोट शेयर 2016 के मात्र 10% से बढ़कर 2024 के लोकसभा चुनावों में 39% हो चुका था, और अब यह पूर्ण सत्ता में तब्दील हो गया।

इस जीत के पीछे कई बहुआयामी कारक कार्यरत थे। सबसे पहले, एंटी-इनकंबेंसी लहर ने जोरदार तरीके से अपना प्रभाव दिखाया। ममता बनर्जी सरकार पर भ्रष्टाचार, कटमनी, घुसपैठ और राजनीतिक हिंसा के गंभीर आरोप लगे थे। विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) अभियान के तहत वोटर लिस्ट से 27 लाख कथित फर्जी नाम हटाए गए, जिसने बांग्लादेशी घुसपैठ के मुद्दे को केंद्र में ला खड़ा किया। मातुआ समुदाय–जो बांग्लादेशी हिंदू शरणार्थियों का सबसे बड़ा वोट बैंक है–ने नागरिकता संशोधन कानून (CAA) के कार्यान्वयन के बाद बीजेपी का पूर्ण समर्थन किया। इसके अलावा, कानून-व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में TMC कार्यकताओं द्वारा हिंसा, ने गैर-टीएमसी मतदाताओं को एकजुट किया। पहले चरण में 92.88% का रिकॉर्ड मतदान इसी असंतोष का प्रमाण था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के आक्रामक प्रचार ने इस लहर को और तेज किया। मोदी ने 'अंग-बंग-कलिंग' (बंगाल, बिहार, ओडिशा) में बीजेपी शासन का नारा दिया, जबकि शाह ने 152 में से 110 सीटों पर बढ़त का दावा किया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हिंदुत्व, विकास और 'बुलडोजर बाबा' की छवि के साथ हिंदू मतदाताओं को लामबंद किया। महिला आरक्षण बिल को केंद्र सरकार की विफलता बताने वाले विपक्षी दावों को बीजेपी ने पलटकर टीएमसी के कुशासन से जोड़ा। उच्च मतदान ने दबे हुए वोटरों–खासकर महिलाओं और युवाओं–को बाहर निकाला, जो टीएमसी के 'खेला होगा' नारे से प्रभावित नहीं हुए।

ममता बनर्जी की 'अजेय दीदी' वाली छवि इस हार के साथ पूरी तरह ध्वस्त हो गई। 2011 से बंगाल पर काबिज टीएमसी को अब विपक्ष की भूमिका निभानी पड़ेगी, जो उसके लिए अपरिचित चुनौती है। पार्टी में आंतरिक कलह की आशंका बढ़ गई है, क्योंकि शुभेंदु अधिकारी जैसे पूर्व TMC नेता बीजेपी में सफल साबित हुए। ममता ने एग्जिट पोल्स को 'बीजेपी का पेड नैरेटिव' करार दिया और केंद्र पर सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग का आरोप लगाया, लेकिन रुझान सरकार गंवाने की ओर स्पष्ट इशारा कर रहे थे। टीएमसी ने चुनाव आयोग पर भी सवाल उठाए, परंतु निष्पक्षता के प्रमाण–जैसे रिकॉर्ड मतदान–ने इन दावों को कमजोर कर दिया। भविष्य में टीएमसी का पुनर्गठन कठिन होगा, क्योंकि उसका जमीनी संगठन भ्रष्टाचार के दागों से ग्रस्त हो चुका है।

राष्ट्रीय स्तर पर इस जीत के मायने गहन हैं। 2024 लोकसभा चुनावों में सीमित बहुमत वाली मोदी 2.0 सरकार को बंगाल ने पूर्ण राज्य सरकार के रूप में मजबूत आधार प्रदान किया। पूर्वी भारत में बीजेपी का विस्तार–असम और बिहार के साथ अब बंगाल–हिंदुत्व और विकास मॉडल की अपार सफलता का प्रमाण है। INDIA गठबंधन कमजोर पड़ जाएगा, क्योंकि टीएमसी का राष्ट्रीय कद घटेगा। उत्तर प्रदेश 2027 और बिहार चुनावों पर इसका सीधा असर पड़ेगा, जहां बीजेपी मजबूत स्थिति में होगी। संघ परिवार की संगठनात्मक क्षमता ने क्षेत्रीय दलों को कड़ी टक्कर दी, जो भविष्य के चुनावी रणनीतियों को प्रभावित करेगी।

विपक्ष की स्थिति अब त्रिशंकु में आ गई है। कांग्रेस और वाम मोर्चा की नगण्य भूमिका 2021 से जारी रही, जो राष्ट्रीय विपक्ष की एकजुटता पर सवाल खड़े करती है। ममता का राजनीतिक करियर अब अनिश्चित है–क्या वे विपक्ष की नेता बनेंगी या पार्टी में नई पीढ़ी उभरेगी? विपक्ष को नई रणनीति अपनानी होगीः या तो कांग्रेस-वाम का मजबूत गठबंधन, या नया क्षेत्रीय मोर्चा। बंगाल अब बीजेपी का गढ़ बन चुका है, जिससे विपक्ष की आवाज राष्ट्रीय पटल पर और मद्धम हो गई।

सामाजिक-आर्थिक दृष्टि से, नई बीजेपी सरकार विकास, कानून-व्यवस्था और घुसपैठ रोक पर फोकस करेगी। मातुआ समुदाय को CAA के लाभ मिलेंगे, जबकि बंगाल की जर्जर अर्थव्यवस्था–जो टीएमसी के कुशासन से पीड़ित थी–को नई दिशा मिल सकती है। हालांकि, राजनीतिक हिंसा को समाप्त करना और बंगाली अस्मिता के साथ भगवा लहर का संतुलन बनाना प्रमुख चुनौतियां होंगी। महिलाओं, युवाओं और अल्पसंख्यकों के मुद्दे–जैसे आरक्षण, रोजगार और शिक्षा–नई सरकार के एजेंडे में रहेंगे। बंगाल की सांस्कृतिक विविधता को बनाए रखते हुए विकास मॉडल लागू करना होगा। भारतीय संस्कृति

भविष्य की संभावनाएं रोचक हैं। बीजेपी को आंतरिक कलह से बचना होगा, जो उसके बंगाल संगठन की पुरानी कमजोरी रही है। विपक्ष को पुनर्जनन की आवश्यकता है–शायद ममता के नेतृत्व में नया आक्रमक रुख या कांग्रेस का पुनरुद्धार। यह चुनाव सिद्ध करता है कि स्थानीय मुद्दे राष्ट्रीय एजेंडे को परिभाषित करते हैं। बंगाल ने साबित कर दिया कि परिवर्तन अपरिहार्य है, और लोकतंत्र में जनता की इच्छा सर्वोपरि होती है। यह जीत न केवल बीजेपी की रणनीतिक विजय है, बल्कि भारतीय राजनीति में एक नए युग की शुरूआत का प्रतीक है।

संपादकीय

किराये की संतान

जीवन की सांझ में बुजुर्गों को अपनों के पास न होने की टीस सालती है। कई बुजुर्गों के बच्चे विदेशों में अपना भविष्य तलाशने गए तो फिर लौटकर नहीं आये। जीवनभर की जमा-पूंजी से बनाये गए बड़े-बड़े घरों में वे सिर्फ दीवारें ताकते हैं। बच्चों के पास जाते भी हैं तो वहां रात-दिन काम में जुटे बच्चों के साथ रहना उन्हें रास नहीं आता। आत्मकेंद्रित होती पीढ़ी भी भारत में रहने वाले माता-पिता की सुध लेने लौटकर तक नहीं आती। ऐसे में साधन-संपन्न बुजुर्ग को कई बड़े शहरों में ऐसी कंपनियां किराये की सतानें उपलब्ध कराती हैं। ये किराये की संतानें बुजुर्गों के साथ सैर पर जाते हैं, लूडो आदि खेल खेलते हैं और उनका एकाकीपन दूर करते हैं। यद्यपि यह समस्या का अंतिम समाधान तो नहीं है लेकिन कुछ समय के लिए वे राहत महसूस करते हैं। दरअसल, बुजुर्गों के जीवन में अंदर से खालीपन इतना बढ़ गया है जिसे भरने के लिए वे किराये की संतानों की ओर उन्मुख होते हैं। कई कंपनियां बुजुर्गों को केयर का पैकेज देती हैं। वे ऐसे अटेंडेंट उपलब्ध कराती हैं जो बुजुर्गों के साथ बैठकर टीवी देखते हैं, ताश खेलते हैं, दिन-भर बातें करते हैं। कंपनियों की यह सुविधा सिर्फ शहरों तक सीमित नहीं रह गई बल्कि गांवों तक लोग इन्हें अनुबंधित कर रहे हैं। हालांकि, खून के रिश्तों का कोई विकल्प नहीं हो सकता है, लेकिन तात्कालिक तौर पर वे इनकी उपस्थिति में कुछ सुकून हासिल कर सकते हैं। हालांकि, ऐसे दौर में जब उम्र-दराज लोगों के आय के स्त्रोत सिमटने लगते हैं और शरीर भी साथ नहीं देता तो बहुत से लोगों के सामने किराये की संतान का बोझ उठाना भी मुश्किल होता है। खासकर निजी क्षेत्र के सेवानिवृत्ति कर्मचारियों के लिए जिनकी पेंशन भी मुट्ठी में सिमट जाती है। विकसित देशों में सेवानिवृत्त लोगों के लिए तमाम कल्याणकारी योजनाएं लागू रहती हैं। वे अपनी नौकरी के दौरान पर्याप्त आयकर देते हैं। फिर सेवानिवृत्ति पर सरकारें उनकी देखभाल व मेडिकल सुविधाओं का दायित्व निभाती हैं। भारत में कथित लोककल्याणकारी सरकारें भरपूर आयकर वसूलने के बाद भी जिंदगी की सांझ में बुजुर्गों को उनके हाल पर छोड़ देती है। अपने भी गांठ का धन मजबूत होने पर ही अपने साथ निभाते हैं। ऐसे में बुजुर्गों व वृद्धों का जीवन अवसादमय हो जाता है। लगातार महंगी होती चिकित्सा सुविधाएं और आय के स्त्रोतों का संकुचन उन्हें भविष्य के भय से भर देता है। वास्तव में बुजुर्गों व वृद्धों को जीवन की सच्चाई को स्वीकार करते हुए इसका मुकाबला करने को तैयार रहना चाहिए। शारीरिक सक्रियता, योग, ध्यान, प्राणायाम व सत्संग उनके लिए मददगार होता है। अक्सर सोशल मीडिया पर चर्चा की जाती है कि यदि अनाथ आश्रमों के बच्चों को ओल्ड ऐज होम के बुजुर्गों के साथ रखा जाए तो दोनों की समस्या हल हो सकती है। एक ओर बच्चों को जहां अभिभावक मिल सकते हैं, वहीं बुजुर्गों को बच्चे मिल सकते हैं। गुणवत्ता वाले सुविधा-संपन्न वृद्धाश्रमों को बनाने के लिए सरकार के स्तर पर बड़े प्रयास करने की जरूरत है।

चिंतन-मनन

अपना दृष्टिकोण

एक कन्या ने अपने पिता से कहा, मैं किसी पुरातत्वविद् से विवाह करना चाहती हूं। पिता ने पूछा, क्यों? कन्या बोली, पिताजी! पुरातत्वविद् ही एक ऐसा व्यक्ति होता है जो पुरानी चीजों को ज्यादा मूल्य देता है। मैं भी ज्यों-ज्यों पुरानी होती जाऊंगी, बूढ़ी होती जाऊंगी, मेरा मूल्य भी बढ़ता जाएगा। वह मेरे से नफरत भी नहीं करेगा। पुरातत्वविद् यह नहीं देखता कि वस्तु कितनी सुन्दर है, कितनी असुन्दर है। वह इतना देखता है कि वस्तु कितनी पुरानी है। यह उसके मूल्यांकन की दृष्टि होती है।

कहने का अर्थ यह कि मूल्यांकन का अपना-अपना दृष्टिकोण होता है। मूल्यांकन का हमारा भी एक दृष्टिकोण है। अध्यात्म की साधना करने वाले व्यक्ति का अपना एक दृष्टिकोण होता है मूल्यांकन का और वह उसका स्वयं का दृष्टिकोण होता है, किसी से उधार लिया हुआ नहीं। उसका दृष्टिकोण बदले, चरित्र बदले। वह पुराना ही न रहे, नया बने। पुरानेपन का आग्रह छूटे। साधना में पुरातत्वविद् की दृष्टि काम नहीं देती। वहां नयेपन का आयाम खुलता है और सदा नया बना रहने की आकांक्षा बनी रहती है।

प्रत्येक समझदार आदमी का प्रयत्न सप्रयोजन होता है। ध्यान की साधना करने वाले व्यक्ति का साध्य है- रूपान्तरण दृष्टि का रूपान्तरण, चरित्र का रूपान्तरण। अहं को अर्हम् में बदलना। अहं और अर्हम् में केवल एक मात्रा का अन्तर है। साधक अहं को छोड़कर अर्हम् बनना चाहता है। एक मात्रा का अर्जन करना है। अहम् पर ऊर्ध्व र लगे, ऐसा प्रयत्न करना है। तब साधना सफल हो जाती है।

अमेरिका में महंगाई और बेघर होते लोग

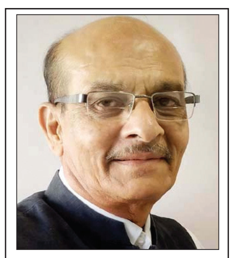

सनत जैन

विकास के बीच गहराती असमानता का संकट दुनिया की सबसे विकसित अर्थव्यवस्थाओं में गिने जाने वाले अमेरिका में बेघर लोगों की बढ़ती संख्या एक गहरी सामाजिक और आर्थिक विडंबना को उजागर करती है। तकनीकी प्रगति, उच्च आय और वैश्विक प्रभाव के बावजूद, देश का एक बड़ा वर्ग आज भी बुनियादी जरूरतों छत, भोजन और स्वास्थ्य से वंचित है। यह स्थिति केवल गरीबी का नहीं, बल्कि आर्थिक असमानता के बढ़ते अंतर का प्रत्यक्ष प्रमाण है। हाल के वर्षों में बेघर होना (होमलेसनेस) की समस्या तेजी से बढ़ी है। यह राजनीतिक जुमले नहीं हैं, जिसे एक कान से सुनकर दूसरे कान से निकाल दिया जाए। बल्कि यू.एस. डिपार्टमेंट ऑफ हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट के आंकड़े हैं जो बताते हैं, कि लाखों लोग स्थायी आवास से वंचित हैं। इन बेघर इंसानों में बड़ी संख्या कामकाजी वर्ग की भी है। यह तथ्य विशेष रूप से चिंताजनक है कि रोजगार होने के बावजूद लोग घर नहीं ले पा रहे हैं। इसका मुख्य कारण आवास की आसमान छूती कीमतें और स्थिर या सीमित वेतन है। कुल मिलाकर महंगाई की मार अब बड़े स्तर पर भी देखने को मिलने लगी है। लॉस एंजिल्स, सैन फ्रांसिस्को और न्यूयॉर्क सिटी जैसे बड़े शहरों में स्थिति सबसे अधिक गंभीर है। यहां सड़कों, पुलों के नीचे, टेंट कॉलोनियों और अस्थायी शिविरों में रहने वाले लोगों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इन महानगरों में किराया इतना अधिक हो चुका है कि न्यूनतम वेतन पाने वाला व्यक्ति एक साधारण घर का खर्च भी नहीं उठा सकता। वैश्विक मंदी के इस दौर में बढ़ती महंगाई इस संकट का प्रमुख कारण है, लेकिन इसके पीछे भी कई परस्पर कारण जुड़ते हैं। इनमें स्थिर आय, महंगी स्वास्थ्य सेवाएं, मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं और नशे की बढ़ती प्रवृत्ति को भी शामिल किया गया है। इन कारणों ने स्थिति को और जटिल बना दिया है। कोविड-19 महामारी ने इस समस्या को और गहरा कर दिया, जब लाखों लोग बेरोजगार हो गए और उनकी आर्थिक सुरक्षा कमजोर पड़ गई। हालात को और चुनौतीपूर्ण बनाने में वैश्विक परिस्थितियों की भी भूमिका है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के मुख्य अर्थशास्त्री पियरे-ओलिवियर गोरिन्शास ने चेतावनी दी है कि यदि अमेरिका और ईरान के बीच जारी संघर्ष लंबा खिंचता है, तो वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गंभीर असर पड़ सकता है। तेल की कीमतों में वृद्धि और महंगाई में उछाल से आर्थिक वृद्धि दर घटकर लगभग 2 फीसद तक पहुंच सकती है, जो वैश्विक मंदी का सबसे बड़ा संकेत माना जाता है। ईरान के खिलाफ इजरायल के साथ मिलकर युद्ध शुरू करते हुए अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 'छोटी और निर्णायक' लड़ाई बताया था, लेकिन वास्तविकता कहीं अधिक जटिल साबित हो रही है। युद्ध, महंगाई और आर्थिक अनिश्चितता का सीधा असर आम नागरिकों, खासकर कमजोर वर्गों पर पड़ता है।

यह कौन नहीं जानता कि बेघर लोगों का जीवन अत्यंत कठिन और असुरक्षित होता है। उन्हें खुले आसमान के नीचे रहना पड़ता है, जहां सुरक्षा, स्वच्छता और स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव होता है। कई लोग अस्थायी आश्रयों पर निर्भर रहते हैं, लेकिन वहां भी सीमित जगह और संसाधनों के कारण सभी को सुविधा नहीं मिल पाती। सरकार और सामाजिक संस्थाएं इस समस्या के समाधान के लिए प्रयासरत हैं, लेकिन चुनौतियां लगातार बढ़ती जा रही हैं। इस हालात में केवल अस्थायी राहत उपाय पर्याप्त नहीं हैं। सस्ती आवास योजनाएं, रोजगार के बेहतर अवसर, स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच और मानसिक स्वास्थ्य समर्थन को मजबूत करना आवश्यक है। अमेरिका का यह परिदृश्य एक व्यापक संदेश देता है, केवल आर्थिक विकास किसी समाज की समृद्धि का मापदंड नहीं हो सकता। जब तक विकास के लाभ समाज के सभी वर्गों तक समान रूप से नहीं पहुंचते, तब तक असमानता की खाई गहराती रहेगी। बेघर लोगों की बढ़ती संख्या इस बात का स्पष्ट संकेत है कि दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था को अब अपने विकास मॉडल पर पुनर्विचार करना होगा। युद्ध की भाषा को त्यागकर सभी को साथ लेकर आगे बढ़ना होगा। अन्यथा, 'अमेरिकन ड्रीम' केवल एक सपना बनकर रह जाएगा, जिसे हकीकत में बदलने का अवसर हर नागरिक को

अस्थमा की वैश्विक त्रासदीः सबसे ज़्यादा भारत में दुनिया की 46प्र. मौतें

दिलीप कुमार पाठक

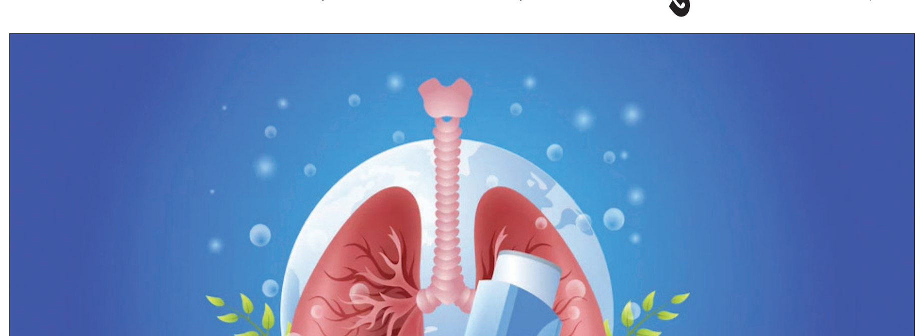

शहर की भागती भीड़ में अगर आप किसी चौराहे पर खड़े होकर गौर करें, तो आपको हर पांचवें-छठे बच्चे के कंधे पर लटके स्कूल बैग के किनारे से एक प्लास्टिक का इनहेलर झांकता मिल जाएगा। यह आज की वह कड़वी हकीकत है जिसे हम विकास की चकाचौंध में अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं। हमने आलीशान हाईवे और चमकते एक्सप्रेस-वे तो बना लिए, हाथ में 5जी मोबाइल भी थाम लिया, लेकिन उसी हाथ में हमारे बच्चों के लिए नेबुलाइजर की पाइपें भी थमा दीं। हम विकास की ऐसी दौड़ में शामिल हो गए हैं जहां बैंक बैलेंस तो बढ़ रहा है, लेकिन फेफड़ों की उम्र घट रही है।

आज विश्व अस्थमा दिवस पर जब दुनिया इलाज की पहुंच की बात कर रही है, तो हमें यह पूछना होगा कि क्या हम वाकई बीमारी का इलाज ढूंढ रहे हैं या उस जड़ को ही खाद-पानी दे रहे हैं जो इस बीमारी को पैदा कर रही है?अस्थमा अब केवल जेनेटिक या पुरानी बीमारी नहीं रह गई है। यह विशुद्ध रूप से एक इकोलॉजिकल क्राइम यानी पर्यावरण के खिलाफ किए गए अपराध का नतीजा है। भारत की हवा में जो जहर घुल चुका है, वह सीधे हमारे फेफड़ों को नुकसान पहुंचा रहा है। प्रदूषण की बात चलते ही हमारी सुई अक्सर गाड़ियों के धुएं पर टिक जाती है, लेकिन हम उस मौसमी कहर को कैसे भूल सकते हैं जो उत्तर भारत के एक बड़े हिस्से का दम घोंट देता है? खेतों में जलती पराली ने अस्थमा के संकट को एक भयावह मोड़ दे दिया है। जब किसान भाई मजबूरन खेतों में आग लगाते हैं, तो वह काला धुआं सरहदों को नहीं पहचानता। वह धुआं स्मॉग बनकर हमारे घरों के ड्राइंग रूम तक घुस आता है, और तब सांस के मरीजों के लिए हर एक पल मौत से लड़ने जैसा होता है। विडंबना देखिए कि जिस मिट्टी से हमें अन्न मिलता है, उसी मिट्टी के ऊपर जलती आग हमारे मासूमों के फेफड़ों को झुलसा रही है। अगर आंकड़े देखें तो भारत में करीब 3 करोड़ से ज्यादा लोग अस्थमा से जूझ रहे हैं। सबसे भयावह तथ्य यह है कि दुनिया भर में अस्थमा से होने वाली मौतों में लगभग 46 प्रतिशत मौतें अकेले भारत में होती हैं। भारत में अस्थमा मरीजों की तादाद उतनी बड़ी समस्या नहीं है, जितनी कि उनसे होने वाली मौतों का आंकड़ा, जो दुनिया में सबसे ज्यादा है।

यह आंकड़ा डराने वाला कम और शर्मिंदा करने वाला ज्यादा है। यह बताता है कि हमारे यहां या तो बीमारी की पहचान बहुत देर से होती है, या फिर इलाज इतना महंगा और जटिल है कि आम आदमी की पहुंच से बाहर है। अस्थमा के साथ सबसे बड़ी त्रासदी यह है कि इसके साथ एक सामाजिक कलंक जुड़ा है। आज भी कई माता-पिता यह स्वीकार करने को तैयार नहीं होते कि उनके बच्चे को दमा है। उन्हें लगता है कि इनहेलर की लत लग जाएगी। जबकि मेडिकल साइंस कहता है कि इनहेलर ही सबसे सटीक इलाज है क्योंकि यह सीधे प्रभावित नली पर काम करता है। दवाइयों की गोलियां पूरे शरीर में घूमकर असर करती हैं, जबकि इनहेलर सीधे फेफड़ों पर निशाना साधता है। समाज की इसी नासमझी और इलाज के डर ने इस बीमारी को घर-घर में घातक बना दिया है। प्रदूषण की मार केवल बाहर ही नहीं है, हमारे घरों के भीतर भी है। अगरबत्ती का धुआं, बंद कमरों की नमी और रसोई से निकलता धुआं ये सब अस्थमा के मरीजों के लिए साइलेंट किलर का काम करते हैं। इसके ऊपर से बढ़ती गर्मी और हीटवेव ने इस संकट को दोगुना कर दिया है। जैसे-जैसे तापमान बढ़ता है, हवा में ओजोन का स्तर और धूल के कण बढ़ते हैं, जो सांस की नलियों में सूजन पैदा कर देते हैं। अब समय केवल जागरूकता का नहीं, बल्कि जवाबदेही का है।

सरकार को पराली प्रबंधन के ऐसे विकल्प देने होंगे जो किसान की जेब पर भारी न पड़ें, और सड़कों की धूल के लिए सख्त नियम बनाने होंगे। लेकिन क्या सिर्फ कानून काफी हैं? नागरिक के तौर पर हमें सोचना होगा कि हम सिर्फ एसी चलाकर गर्मी से तो बच रहे हैं, पर बाहर की हवा को और जहरीला नहीं बना रहे? क्या हम कूड़ा जलाने या बेवजह गाड़ियां दौड़ाने से पहले अपनी अगली पीढ़ी के फेफड़ों का ख्याल कर रहे हैं? हमें समझना होगा कि अस्थमा का इलाज सिर्फ महंगी दवाओं में नहीं है, बल्कि उस हवा में है जिसे हम और आप साझा करते हैं। यदि आज हमने अपनी जीवनशैली और पर्यावरण को लेकर सख्त कदम नहीं उठाए, तो आने वाली नस्लें हमें माफ नहीं करेंगी। दवाएं तो शायद मिल जाएं, लेकिन कुदरती और खुली सांसों का कोई विकल्प नहीं है। आखिर हमारी तरक्की का क्या मतलब, अगर वह हमें खुली हवा में सुकून से सांस लेने के लायक भी न छोड़े?

(लेखक पत्रकार हैं)

संक्षिप्त समाचार

इराक ने 14 वर्ष बाद सीरिया के रास्ते शुरू किया तेल निर्यात

बगदाद/दमिश्क, एजेंसी। इराक ने सीरिया के अल-यारूबियाह बॉर्डर क्रॉसिंग के जरिए तेल निर्यात फिर से शुरू कर दिया है। 70 टैंकरों का एक काफिला इस रास्ते से सीरिया में दाखिल हुआ, जो पिछले 14 वर्षों में इस मार्ग से पहला ऐसा शिपमेंट है। सीरिया की सरकारी समाचार एजेंसी एसएएनए के अनुसार, काफिले ने भूमध्यसागर तट पर स्थित बानियाज रिफाइनरी का रुख किया। अल-यारूबियाह क्रॉसिंग पर तैनात सीरियाई अधिकारी फेरास रुस्तम ने कहा कि '14 साल बाद इस क्रॉसिंग का फिर से खुलना इराक और सीरिया के बीच आर्थिक संबंधों को मजबूत करने की एक रणनीतिक पहल है।' उन्होंने यह भी जोड़ा कि इससे व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति को अधिक प्रभावी ढंग से सुगम बनाया जा सकेगा और दोनों देशों के बीच दीर्घकालिक साझेदारी विकसित होगी। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब इराक अपने तेल निर्यात के लिए वैकल्पिक मार्ग तलाश रहा है, क्योंकि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज अमेरिका-इजरायल और ईरान के तनाव के चलते बंद है। ईरान पर मनमानी का आरोप लगाते हुए अमेरिका ने भी उसके कई बंदरगाहों पर नाकेबंदी कर दी है। इस बीच एक्सियोस ने कुछ अधिकारियों के हवाले से खबर छापी है, जिसके मुताबिक अमेरिका की समुद्री नाकाबंदी से ईरान को करीब 4.8 अरब डॉलर यानी लगभग 456 अरब रुपये (करीब 45,600 करोड़ रुपये) के तेल राजस्व का नुकसान हुआ है। एक्सियोस की रिपोर्ट के मुताबिक यह आकलन अमेरिकी रक्षा मंत्रालय (पेंटागन) का है। यह बॉर्डर क्रॉसिंग, जिसे इराक में राबिया के नाम से जाना जाता है, 2011 में सीरियाई गृहयुद्ध शुरू होने के बाद बंद कर दी गई थी। बाद में 2014 में इस पर आईएसआईएल का कब्जा हो गया था, जिसे बाद में इराकी कुर्द बलों ने वापस ले लिया। इस बीच, सीरिया पेट्रोलियम कंपनी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए परिचालन क्षमता बढ़ाने की बात कही है। उनके मुताबिक आपूर्ति की गति तेज करने के लिए अहम कदम उठाए गए हैं। बनियाज रिफाइनरी पर तकनीकी और इंजीनियरिंग कार्यों के बाद अब रोजाना लगभग 500 इराकी टैंकरों को अनलोड किया जा रहा है। इन सुधारों से रिफाइनरी की परिचालन क्षमता में करीब 30 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है।

ईरान ने इजरायल के लिए जासूसी करने के आरोप में 2 और लोगों को दी फांसी

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने दो और व्यक्तियों को इजरायल की खुफिया एजेंसी मोसाद के लिए जासूसी करने का दोषी पाए जाने पर फांसी दे दी है। ईरानी न्यायपालिका की समाचार एजेंसी मिजान के अनुसार, इन दोनों की सजा को देश की सुप्रीम कोर्ट ने भी बरकरार रखा था। फांसी दिए गए लोगों की पहचान याकूब करिमपुर और नासेर बेकरजादेह के रूप में हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, करिमपुर पर आरोप था कि उसने युद्ध के दौरान संवेदनशील जानकारी एक मोसाद अधिकारी को भेजी और कुछ सैन्य गतिविधियों से जुड़ी सूचनाएं साझा कीं। उस पर यह भी आरोप लगाया गया कि उसने सैन्य ठिकानों की वीडियो रिकॉर्डिंग की, गलत जानकारी देकर सुरक्षा एजेंसियों को गुमराह किया और कुछ हमलों से जुड़े कामों में भूमिका निभाई। इसके बदले उसे पैसे भी मिले थे। दूसरे आरोपी बेकरजादेह पर आरोप था कि उसने सरकारी इमारतों, सुरक्षा ठिकानों और महत्वपूर्ण अधिकारियों से जुड़ी तस्वीरें और वीडियो साझा किए। उसने यह जानकारी मैसेजिंग प्लेटफॉर्म्स और ईमेल के जरिए भेजी और इसके बदले आर्थिक लाभ लिया। यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है जब हाल ही मेंईरान, अमेरिका और इजराइलके बीच संघर्ष हुआ था। फरवरी में शुरू हुए इस टकराव के बाद अप्रैल में युद्धविराम की घोषणा की गई थी, लेकिन क्षेत्र में तनाव अभी भी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है।

अमेरिका के प्रहार से मेक्सिको की सत्ता में भूचाल, गवर्नर और मेयर ने छोड़ी कुर्सी

मेक्सिको सिटी, एजेंसी। अमेरिका द्वारा मादक पदार्थों की तस्करी का आरोप लगाए जाने के बाद मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लौडिया शिनबाम की पार्टी के दो सदस्यों ने अपने पद से अस्थायी रूप से हटने की घोषणा की है। उत्तर पश्चिमी सिनालोआ राज्य से शिनबाम की पार्टी के इन सदस्यों ने बताया कि अमेरिका ने उन पर और आठ अन्य नेताओं एवं सुरक्षा अधिकारियों पर मादक पदार्थों की तस्करी के आरोप लगाए हैं। शुक्रवार मध्यरात्रि को जारी एक वीडियो संदेश में अभियोग में नामित गवर्नर रुबेन रोचा मोया ने उन आरोपों का खंडन किया कि उन्होंने मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले गिरोह 'सिनालोआ कार्टल' को संरक्षण दिया और लाखों डॉलर की रिश्वत के बदले में उसे अमेरिका में मादक पदार्थों की तस्करी में मदद की। पूर्व राष्ट्रपति एंड्रेस मैनुअल लोपेज ओब्राडोर के लंबे समय से सहयोगी रहे 76 वर्षीय रोचा ने कहा, ' 'मेरा ईमान साफ है।

ईरान ने अमेरिका को 14 सूत्रीय प्रस्ताव भेजा, नाकाबंदी हटाने और हर मोर्चे पर युद्ध खत्म करने की रखी शर्त

तेहरान, एजेंसी। तस्नीम न्यूज़ एजेंसी के मुताबिक ईरान ने अमेरिका को एक 14-पॉइंट प्लान सौंपा है, जिसमें लेबनान समेत सभी मोर्चों पर युद्ध खत्म करने के मकसद से एक बड़ा फ्रेमवर्क बताया गया है. यह प्रस्ताव अमेरिका के पहले भेजे गए नौ-पॉइंट प्लान के जवाब में आया है. इसमें कथित तौर पर सीजफायर के लिए दो महीने का टाइमलाइन शामिल था. हालांकि, कहा जाता है कि तेहरान ने किसी भी लंबे अंतरिम इंतजाम को मना कर दिया है, और इसके बजाय इस बात पर जोर दिया है कि 30 दिनों के अंदर एक पूरा समाधान निकाला जाए. इसे अस्थायी युद्धविराम के बजाय युद्ध के स्थायी अंत के आस-पास बनाया जाए. रिपोर्ट के मुताबिक ईरान के प्रस्ताव में पक्की सुरक्षा गारंटी शामिल है, जो ईरान के खिलाफ भविष्य में किसी भी मिलिट्री हमले पर रोक लगाएगी और इसके आस-पास के माहौल से अमेरिका की सेना को वापस बुलाना जरूरी करेगी. इसमें मौजूदा नेवी पाबंदियों और ब्लॉकेड को हटाने के साथ-साथ विदेशों में जमा ईरानी एसेट्स को रिलीज करने और ईरान द्वारा बैन और मिलिट्री दबाव के कारण हुए नुकसान के लिए मुआवजा देने की भी बात कही गई है. आर्थिक तौर पर इस प्लान में ईरान पर लगाए गए सभी अमेरिकी और अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध को पूरी तरह हटाने की मांग की गई है. इलाके के हिसाब से यह प्रस्ताव ईरान-अमेरिका तनाव से आगे बढ़कर सभी मोर्चों पर युद्ध को

खत्म करने की मांग करता है, जिसमें लेबनान से जुड़े झगड़े भी शामिल हैं. यह होर्मुज जलडमरूमध्य के लिए एक नया गवर्निंग सिस्टम बनाने का भी सुझाव देता है, जो एक जरूरी ग्लोबल तेल ट्रांजिट चोकपॉइंट है. इसका मकसद स्थिरता और बिना रुकावट समुद्री बहाव पक्का करना है, जैसा कि तस्नीम ने बताया है. रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि ईरान अब वाशिंगटन से ऑफिशियल जवाब का इंतजार कर रहा है. इस बीच ईरान के लीगल और इंटरनेशनल मामलों के डिप्टी विदेश मंत्री काजम गरीबाबादी ने शनिवार को कन्फर्म किया कि तेहरान का हाल ही में अमेरिका को दिया गया राजनयिक प्रस्ताव जो पाकिस्तान के जरिए एक मीडिएटर के तौर पर पेश किया गया है, उसका मकसद थोपे गए युद्ध को हमेशा के लिए खत्म करना और दोनों देशों के बीच चल रहे तनाव को खत्म करना है. स्टेट ब्रॉडकास्टर, इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग के मुताबिक यह बात तेहरान में मौजूद विदेशी डिप्लोमैट्स और एम्बेसडर की एक मीटिंग में कही गई, जहां गरीबाबादी ने डिप्लोमैटिक बातचीत और किसी भी संभावित मिलिट्री हमले, दोनों के लिए ईरान की तैयारी पर जोर दिया. इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग के मुताबिक डिप्टी मिनिस्टर ने कहा, 'ईरान ने हमेशा मौजूदा मुद्दों को सुलझाने के लिए इंटरेस्ट-बेस्ड डिप्लोमेसी में विश्वास किया और अपनी भूमिका निभाई.' उन्होंने आगे कहा, 'ईरान ने पाकिस्तान को एक मीडिएटर के तौर पर अपना प्लान पेश किया. इसका मकसद थोपे गए युद्ध को हमेशा के लिए खत्म करना है, और अब गेंद अमेरिका के पाले में है कि वह राजनयिक का रास्ता चुने या टकराव वाला तरीका जारी रखे.' गरीबाबादी ने कहा कि तेहरान राजनयिक तरीके से बातचीत करने के लिए तैयार है, लेकिन वह अमेरिका पर गहरा भरोसा नहीं करता और ईमानदार और मतलब वाली बातचीत के उसके कमिटमेंट पर सवाल उठाता है. इस बीच, अमेरिकी प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को ईरान के नए प्रस्ताव पर नाखुशी जाहिर की. इसका मकसद चल रहे युद्ध को खत्म करना है, साथ ही इस बात पर भी शक जताया कि क्या कोई आखिरी समझौता हो पाएगा. व्हाइट हाउस में रिपोर्टर्स से बात करते हुए ट्रंप ने कहा, 'वे एक डील करना चाहते हैं, लेकिन मैं इससे खुश नहीं हूं, इसलिए देखते हैं क्या होता है।

टैंकर ट्रैकर्स फर्म का दावा, 'ईरानी सुपरटैंकर ने यूएस नाकाबंदी को दिया चकमा'

तेहरान, एजेंसी। ईरान का एक सुपरटैंकर अमेरिकी नाकेबंदी को चकमा देकर एशिया-प्रशांत क्षेत्र तक पहुंच गया है। मॉनिटरिंग फर्म 'टैंकरट्रैकर्सडॉटकॉम' के अनुसार, जहाज लगभग 1.9 मिलियन बैरल कच्चा तेल लेकर वहां से निकल गया। इसकी कीमत करीब 220 मिलियन डॉलर (लगभग 220 मिलियन डॉलर) आंकी गई है। यह वेरी लार्ज क्रूड कैरियर (वीएलसीसी) नेशनल इरानियन टैंकर कंपनी का बताया जा रहा है, जिसे 'ह्यूज' नाम से पहचाना गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, इसे आखिरी बार डेढ़ हफ्ते पहले श्रीलंका के पास देखा गया था। फिलहाल यह जहाज लोमबोक स्ट्रेट से गुजरते हुए रिओ आर्किपेलेगो (द्वीप समूह) की ओर बढ़ रहा है। टैंकरट्रैकर्सडॉटकॉम ने बताया कि 13 अप्रैल को जब अमेरिकी नौसेना ने ईरानी बंदरगाहों की नाकेबंदी की घोषणा की, उस समय यह टैंकर ईरानी जलक्षेत्र में था। इससे पहले 20 मार्च को स्ट्रेट ऑफ मलाका से ईरान के लिए रवाना होने के बाद से इसने अपने ऑटोमैटिक आइडेंटिफिकेशन सिस्टम (एआईएस) को बंद कर दिया था, जिससे इसकी लोकेशन ट्रैक करना मुश्किल हो गया था। यह रिपोर्ट ऐसे समय में आई है जब ईरानी सरकारी

मीडिया ने 29 अप्रैल को दावा किया था कि कम से कम 52 ईरानी जहाज अमेरिकी नाकेबंदी को तोड़ने में सफल रहे हैं। वहीं अमेरिकी सैन्य अधिकारियों का कहना है कि नाकेबंदी शुरू होने के बाद से उन्होंने ईरान से जुड़े करीब 41 जहाजों को वापस लौटने पर मजबूर किया है। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, यह नाकेबंदी प्रभावी साबित हो रही है और इससे ईरान को अरबों डॉलर का नुकसान हुआ है। उनका कहना है कि ईरान तेल निर्यात करने में असमर्थ हो रहा है और उसे उत्पादन रोकने से पहले तेल को स्टोर करने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है। शनिवार को ही एक्सियोस ने कुछ अधिकारियों के हवाले से खबर प्रकाशित की, जिसमें दावा किया गया कि अमेरिका की समुद्री नाकाबंदी से ईरान को करीब 4.8 अरब डॉलर यानी लगभग 456 अरब रुपए (करीब 45,600 करोड़ रुपए) के तेल राजस्व का नुकसान हुआ है। एक्सियोस की रिपोर्ट के मुताबिक यह आकलन अमेरिकी रक्षा मंत्रालय (पेंटागन) का है।

किंग्स्टन पहुंचकर खुशी हुई', तीन कैरिबियाई देशों की यात्रा के पहले चरण में जमैका पहुंचे जयशंकर

किंग्स्टन , एजेंसी। विदेश मंत्री एस. जयशंकर शनिवार को जमैका पहुंचे। यह उनकी इस कैरिबियाई देश की पहली आधिकारिक यात्रा है। इस दौरान वह जमैका के नेतृत्व, व्यापार जगत और भारतीय मूल के लोगों से मुलाकात करेंगे। किंग्स्टन पहुंचने पर जयशंकर ने क्या कहा? जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, किंग्स्टन पहुंचकर बहुत खुशी हुई। यह मेरी जमैका की पहली यात्रा है। उन्होंने आगे कहा, विदेश मंत्री कामिना जे स्मिथ की ओर से किए गए गर्मजोशी भरे स्वागत से मैं प्रभावित हूं। उन्होंने यह भी कहा कि वह इस दो दिवसीय यात्रा के दौरान कई अहम बैठकों के लिए उत्साहित हैं। उन्होंने लिखा, अगले दो दिनों में मैं जमैका के नेताओं, व्यापार समुदाय और भारतीय प्रवासी लोगों से मिलने की प्रतीक्षा कर रहा हूं। इससे पहले, अपने कैरिबियाई दौरे के दौरान विदेश मंत्री जयशंकर ने स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख में एक छोटा सा ठहराव किया। वह इस समय जमैका, सूरीनाम और त्रिनिदाद और टोबैगो की तीन देशों की आधिकारिक यात्रा पर हैं। विदेश मंत्रालय ने जयशंकर के दौरे पर क्या कहा? विदेश मंत्रालय के अनुसार, यह यात्रा 2 मई से 10 मई तक चलेगी। मंत्रालय ने बताया कि यह दौरा भारत और इन देशों के बीच ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों को और मजबूत करेगा, खासकर गिरमिटिया समुदाय की वजह से। इस यात्रा के दौरान जयशंकर तीनों देशों के नेताओं से मिलेंगे और अपने समकक्ष मंत्रियों के साथ द्विपक्षीय संबंधों, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करेंगे। मंत्रालय ने कहा कि यह यात्रा भारत के इन देशों के साथ राजनीतिक संबंधों को और मजबूत करने और लंबे समय से चले आ रहे मित्रतापूर्ण संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए है। यह यात्रा दक्षिण-दक्षिण सहयोग और विकास के प्रति साझा प्रतिबद्धता को भी दर्शाती है।

लेबनान में इजराइल का बड़ा हमला, हिज्बुल्लाह से जुड़े 50 ठिकाने तबाह

तेल अवीव, एजेंसी। इजराइली सेना ने कहा कि उसने शनिवार को दक्षिणी लेबनान में टारगेट पर कई हमले किए. इजराइली रक्षा बल ने कहा कि उसकी सेना ने पिछले दिन दक्षिणी लेबनान में हिज्बुल्लाह से जुड़ी कई जगहों पर हमले किये. इसे उसने हमलों की प्लानिंग और सपोर्ट करने के लिए इस्तेमाल होने वाले 'मिलिटेंट इंफ्रास्ट्रक्चर' बताया.

इजराइली रक्षा बल ने कहा, 'पिछले दिन (शनिवार) आईडीएफ ने हिज्बुल्लाह से जुड़े कई ठिकानों पर हमले किये और उन्हें खत्म कर दिया.' इसमें यह भी कहा गया कि कई इलाकों में करीब 70 मिलिट्री स्ट्रक्चर और लगभग 50 हिज़्बुल्लाह से जुड़े ठिकानों को खत्म कर दिया गया. इजराइली रक्षा बल के मुताबिक टारगेट में कमांड सेंटर, हथियार रखने की जगहें, मिलिट्री बिल्डिंग और दूसरी जगहें शामिल थी. इनका इस्तेमाल कथित तौर पर इजराइली सेना के खिलाफ हमलों को आगे बढ़ाने के लिए किया जाता था. बयान में कहा गया, 'इजराइली रक्षा बल राजनीतिक स्तर के निर्देशों के अनुसार इजराइली नागरिकों और इजराइली रक्षा बल सैनिकों को मिलने वाले खतरों के खिलाफ काम करना जारी रखेगा.' एक अलग घटनाक्रम में आईडीएफ ने दक्षिणी गाजा पट्टी में हुई घटनाओं की रिपोर्ट करते हुए कहा कि सैनिकों ने चार लड़ाकों की पहचान की जो येलो लाइन पार करके इजराइली ठिकानों के पास पहुँचे थे. इसमें आगे कहा गया, 'पहचान के बाद सैनिकों ने खतरे को खत्म करने के लिए लड़ाकों पर फायरिंग की. तीन लड़ाके मारे गए और एक और हिट की पहचान की गई.' आईडीएफ ने कहा कि उसकी सदर्न कमांड फोर्स सीजफायर एग्रीमेंट के अनुसार तैनात है और तुरंत आने वाले खतरों का मुकाबला करने के लिए ऑपरेशन जारी रखेगी. ये डेवलपमेंट हिज़्बुल्लाह लीडरशिप के कड़े रुख के बीच हो रहे हैं. हिज़्बुल्लाह चीफ नईम कासिम ने 27 अप्रैल को अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार इजराइल के साथ सीधी बातचीत में शामिल होने से ग्रुप के इनकार को दोहराया और इजराइली आक्रमण के खिलाफ लगातार विरोध पर जोर दिया. कासिम ने कहा कि सीधी बातचीत अभी भी सवाल से बाहर है और ग्रुप के मिलिट्री रुख पर जोर देते हुए कहा, 'हम हथियार नहीं छोड़ेंगे, और डिफेंस और फील्ड ने टकराव के लिए हमारी तैयारी साबित कर दी है.' अल जजीरा के मुताबिक हिज़्बुल्लाह चीफ ने लेबनान सरकार के डिप्लोमैटिक तरीके की भी बुराई की. उन्होंने आगे कहा, 'अधिकारियों ने बिना वजह और बिना वजह रियायत देने की जल्दबाजी की और हम सीधी बातचीत से साफ मना करते हैं. अधिकारियों को सीधी बातचीत बंद करके इनडायरेक्ट बातचीत का रास्ता अपनाना चाहिए.' मौजूदा सिक्योरिटी सिस्टम की कमज़ोरी को इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने और भी ज़्यादा हाईलाइट किया, जिन्होंने 26 अप्रैल को कहा कि लेबनान में सीजफायर के इंतजाम को हिज़्बुल्लाह कमजोर कर रहा है. नेतन्याहू ने चेतावनी दी कि इजराइल उत्तरी बॉर्डर पर सिक्योरिटी पक्का करने के लिए ताकत से जवाब देगा, और कहा कि इसके उलट सोच के बावजूद, आईडीएफ एक्टिव रूप से शामिल है. प्रधानमंत्री ने कहा, 'लेबनान के बारे में किसी को यह लग सकता है।

राष्ट्रपति ट्रंप बोले- ईरान प्रस्ताव पर विचार जारी, समझौते के साथ सैन्य कार्रवाई की भी चेतावनी

वाशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में संघर्ष विराम के लिए अमेरिका और ईरान नए प्रस्ताव पर आगे बढ़ सकते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह ईरान के साथ संघर्ष खत्म करने के लिए आए नए प्रस्ताव की समीक्षा कर रहे हैं। हालांकि, उन्होंने आगे सैन्य और रणनीतिक कार्रवाई की भी चेतावनी दी है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाम बीच से रवाना होने से पहले एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत की। उन्होंने कहा, 'ईरान के मामले में हम बहुत अच्छा कर रहे हैं। वे समझौता करना चाहते हैं।' ट्रंप ने पुष्टि की कि वह तेहरान के कथित 14-सूत्रीय प्रस्ताव की समीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने संकेत

दिया कि अमेरिका आगे सैन्य और रणनीतिक कदमों पर भी विचार कर सकता है, जिसमें तेहरान की बची हुई मिसाइल क्षमता को समाप्त करना और यूरोप में अमेरिकी सैनिकों की संख्या कम करना शामिल है। उसी बातचीत में राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान को कमजोर बताया। उन्होंने कहा, 'वे समझौता करना चाहते हैं, वे कमजोर हो चुके हैं। उन्हें यह तय करने में मुश्किल हो रही है कि उनका नेता कौन है।' ईरान की बची हुई मिसाइल क्षमता के बारे में पूछे जाने पर डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह इसे खत्म करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'मैं इसे खत्म करना चाहूंगा। यह उनके लिए फिर से आगे बढ़ने की एक शुरुआत होगी और हां, मैं इसे खत्म करना चाहूंगा।' उन्होंने आगे की अमेरिकी सैन्य कार्रवाई के लिए शर्तों को स्पष्ट करने से इनकार कर दिया, लेकिन उन्होंने इसकी संभावना से भी इनकार नहीं किया। उन्होंने कहा, 'अगर वे गलत व्यवहार करते हैं और कुछ बुरा करते हैं, तो निश्चित रूप से सैन्य कार्रवाई संभव है। इसी बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति ने क्षेत्र में जारी अमेरिकी कार्रवाइयों का बचाव किया और उन्हें स्थिर बताया। उन्होंने कहा, 'यह एक बहुत ही मैत्रीपूर्ण नाकाबंदी है। कोई भी इसे चुनौती नहीं दे रहा है। हालांकि, आर्थिक मोर्चे पर उन्होंने यह संभावना भी जताई कि अमेरिकी ऊर्जा कंपनियां ईरान में काम कर सकती हैं। वहीं, उन्होंने अमेरिका से तेल की भारी खेप भेजे जाने की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा, 'हमारे बहुत सारे जहाज टेक्सास और लुइसियाना आ रहे हैं। सैकड़ों जहाज कतार में हैं। हम बहुत सारा तेल बेच रहे हैं।

गाजा प्रदर्शन पर सख्ती के संकेत, स्टार्मर बोले- उकसाने वाले नारों पर होगा एक्शन

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीएर स्टार्मर ने गाजा युद्ध के समर्थन में हो रहे प्रदर्शनों को लेकर सख्त रुख अपनाने की बात कही है। उन्होंने साफ कहा कि देश में विरोध प्रदर्शन का अधिकार तो रहेगा, लेकिन अगर कुछ नारे या गतिविधियां लोगों की सुरक्षा के लिए खतरा बनती हैं, तो सरकार को कड़ी कार्रवाई करनी पड़ेगी। लंदन में हाल ही में दो यहूदी नागरिकों पर चाकू से हमला हुआ, जिसके बाद हालात और ज्यादा संवेदनशील हो गए हैं। यह हमला गोल्डर्स ग्रीन इलाके में हुआ, जिसे ब्रिटेन में यहूदी समुदाय का प्रमुख केंद्र माना जाता है। पुलिस ने इस घटना को आतंकवादी हमला बताया है और एक 45 वर्षीय आरोपी पर हत्या के प्रयास का केस दर्ज किया गया है।

'उकसाने वाले नारों पर होगा एक्शन' : ब्रिटिशी पीएम कीएर स्टार्मर ने खास तौर पर 'ग्लोबलाइज द इंतिफादा' जैसे नारों पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि ऐसे नारे लोगों को उकसाने वाले हो सकते हैं, इसलिए इन पर सख्ती जरूरी है। उनका कहना है कि लगातार हो रहे गाजा समर्थक प्रदर्शनों का एक असर पड़ा है, जिससे यहूदी विरोधी घटनाएं बढ़ी हैं।

ब्रिटेन में आतंकवादी खतरे का स्तर बढ़ाया गया : ब्रिटेन के शीर्ष पुलिस अधिकारी मार्क राउली ने भी चेतावनी दी है कि देश में यहूदी समुदाय इस समय सबसे बड़े खतरे का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा

कि अलग-अलग तरह के चरमपंथी समूह, चाहे वे वामपंथी हों, दक्षिणपंथी हों या इस्लामिक आतंकवादी, सभी यहूदियों को निशाना बना रहे हैं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए ब्रिटेन में आतंकवादी खतरे का स्तर 'सब्सटैंशियल' से बढ़ाकर 'गंभीर' कर दिया गया है। इसका मतलब है कि आने वाले छह महीनों में आतंकी हमले की आशंका काफी ज्यादा मानी जा रही है।

2023 में इस्राइल पर हमले के बाद से बढ़ी घटनाएं : रिपोर्ट्स के मुताबिक, 2023 में इस्राइल पर हुए हमले और उसके बाद शुरू हुए गाजा युद्ध के बाद से ब्रिटेन में यहूदी विरोधी घटनाओं में तेज बढ़ोतरी हुई है। एक संस्था के अनुसार, 2025 में ऐसे करीब 3700 मामले सामने आए, जबकि 2022 में यह संख्या 1662 थी। कुल मिलाकर, ब्रिटेन में गाजा युद्ध को लेकर चल रहे विरोध प्रदर्शनों और बढ़ती हिंसा के बीच सरकार अब कानून-व्यवस्था को लेकर ज्यादा सख्त रुख अपनाने की तैयारी में है।

बांग्लादेश में खसरे का प्रकोप: चार और बच्चों की मौत, मरने वालों का आंकड़ा 280

ढाका , एजेंसी। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय ने घोषणा की है कि खसरे के लक्षणों के कारण चार और बच्चों की मौत हो गई है. इसके साथ ही 15 मार्च से अब तक मरने वालों की संख्या 280 हो गई है, क्योंकि देश अभी भी इस बीमारी से जूझ रहा है. डीजीएचएस के डेटा का हवाला देते हुए, स्थानीय मीडिया ने बताया कि शुक्रवार तक 24 घंटे में खसरे के 170 नए संदिग्ध मामले सामने आए, जिससे कुल संदिग्ध मामलों की संख्या 38,301 हो गई. डीजीएचएस ने इसी समय में खसरे के 115 नए कन्फर्म मामले दर्ज किए, जिससे कुल कन्फर्म इन्फेक्शन के मामलों की संख्या बढ़कर 5,146 हो गई. 15 मार्च से अब तक हुई कुल मौतों में से 49 कन्फर्म खसरे से हुई मौतें थीं, जबकि 231 मौतें कथित तौर पर संदिग्ध मामलों में हुईं. बांग्लादेश के अखबार, द ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के मुताबिक, नए पहचाने गए 1,170 संदिग्ध मामलों में से 942 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जबकि 893 को छुट्टी दे दी गई. पिछले महीने, विश्व स्वास्थ्य संगठन ने बांग्लादेश में चल रहे मीजल्स के प्रकोप को कंट्रोल करने के लिए तुरंत कदम उठाने को कहा था, और चेतावनी दी थी कि बेहतर निगरानी, ??तेज रिस्पॉन्स सिस्टम और बेहतर वैक्सीनेशन के बिना यह बीमारी फैलने की संभावना है.

ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के मुताबिक, डब्ल्यूएचओ ने बांग्लादेशी अधिकारियों को सलाह दी है कि वे सभी नगर पालिकाओं में खसरे वाली वैक्सीन की दोनों डोज का कम से कम 95 प्रतिशत कवरेज पक्का करें, साथ ही सरकारी और प्राइवेट हेल्थकेयर सुविधाओं में संदिग्ध मामलों की जल्दी पहचान करने के लिए मजबूत एकीकृत निगरानी प्रणालियां भी बनाएं.

हाल ही में, एक रिपोर्ट में बताया गया है कि बांग्लादेश का स्वास्थ्य क्षेत्र, जो दशकों

से बना है, अगर सुधार के कदम नहीं उठाए गए तो कुछ ही सालों में खत्म होने का खतरा है. बांग्लादेश के जाने-माने अखबार 'द डेली स्टार' के मुताबिक, दक्षिण एशियाई देश में अभी का मीजल्स वैक्सीन संकट सिर्फ एक अलग रुकावट नहीं है, बल्कि यह इंस्टीट्यूशनल कमजोरी को दिखाता है. 2010 और 2022 के बीच 85-92 प्रतिशत से, 2025 में राष्ट्रीय टीकाकरण कवरेज घटकर लगभग 60 प्रतिशत रह जाएगा जो लगभग एक दशक में सबसे कम है. बांग्लादेश का टीकाकरण पर विस्तारित कार्यक्रम लंबे समय से देश की सबसे मशहूर पब्लिक हेल्थ सफलताओं में से एक रही है. सरकार के लगातार प्रतिबद्धता, मजबूत विकास साझेदारी और अग्रिम पंक्ति के स्वास्थ्य कार्यकर्ता के बड़े नेटवर्क पर बने इस सिस्टम ने लगातार ज़्यादा कवरेज दिया और वैक्सीन से रोकी जा सकने वाली बीमारियों के मामलों में तेजी से कमी लाई. रिपोर्ट में बताया गया है, 'सालों तक इसने देश को विकासशील दुनिया के लिए एक मॉडल के तौर पर पेश किया. अब वह मॉडल खत्म किया जा रहा है. बढ़ती मौतों के बीच, एक्सपर्ट्स ने सरकार से तुरंत एक्शन लेने की अपील की है, और चेतावनी दी है कि अगर एक्शन नहीं लिया गया तो खसरे का फैलाव बड़े पैमाने पर हो सकता है, क्योंकि एक मरीज 16 से 18 लोगों को संक्रमित कर सकता है।

50 तक की उम्र के मोटे लोगों को अग्नाशय कैंसर होने का खतरा ज्यादा

पचास की उम्र से पहले मोटापे से ग्रस्त होने से अग्नाशय (पैंक्रियाज) के कैंसर का खतरा बढ़ सकता है। एक शोध में यह दावा किया गया है।

अग्नाशय कैंसर के मामले अभी ज्यादा नहीं हैं। दुनियाभर में सिर्फ तीन फीसदी लोगों को आग्नाशय का कैंसर होता है। हालांकि, यह कैंसर जानलेवा होता है। इसमें व्यक्ति के जीवित रहने की संभावना पांच साल होती है। इस कैंसर से पीड़ित सिर्फ 8.5 फीसदी लोग ही बच पाते हैं। अमेरिकन कैंसर सोसाइटी के वैज्ञानिक इरिक जे जैकोब्स ने कहा कि 2000 के बाद से आग्नाशय के कैंसर के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। यह कैंसर मुख्यतः धूम्रपान के कारण होता है। हम इसके मामलों में हो रही बढ़ोतरी से परेशान हैं, क्योंकि पिछले कुछ सालों में धूम्रपान के आंकड़ों में कमी आई है।

पुराने शोधों में कहा गया था कि अग्नाशय कैंसर और अधेड़ उम्र में बढ़ते वजन के बीच सीधा संबंध है, लेकिन, नए शोध के अनुसार ज्यादा उम्र की तुलना में कम उम्र में बढ़ते मोटापे के कारण भविष्य में अग्नाशय कैंसर का खतरा बढ़ सकता है। शोधकर्ताओं की टीम ने 9 लाख से ज्यादा लोगों पर शोध किया। इनमें से कुछ लोग 30 साल के थे और कुछ लोग 70 से 80 की उम्र के बीच के थे।

- पानी में विटामिन बी3 डालकर पीने से आंखें स्वस्थ रहती हैं।
- ग्लॉकोम, यानी आंख की रोशनी कम होने की बीमारी भी नहीं लगती।
- आंखों की बेहतर हेल्थ के लिए यह सबसे सस्ता और सेफ ट्रीटमेंट है।

आंख की रोशनी कम होने की बीमारी से बचने के ये हैं 5 उपाय

पानी में विटामिन बी3 डालने से आंख की रोशनी कम होने की बीमारी यानी ग्लॉकोम के रिस्क को कम किया जा सकता है। इससे आंखें स्वस्थ रहती हैं। एक्सपर्ट्स की मानें तो इसके ट्रीटमेंट के लिए आंखों में ड्रॉप्स डालना महंगा पड़ता है। वहीं, पानी में विटामिन बी3 डालकर पीना सेफ और सस्ता तरीका है। यह नतीजा, एक लैब में चूहों पर एक्सपेरिमेंट करने के बाद निकला है। बुजुर्गों के लिए हर रोज आंखों में दवाई डालना मुश्किल हो सकता है। ऐसे में यह ट्रीटमेंट उनके लिए आसान है। पूरी दुनिया में करीब 80 मिलियन लोग ग्लॉकोम से पीड़ित हैं और आईड्राप्स पर निर्भर रहते हैं। यह बीमारी आंखों में एक्सट्रा प्रेशर के कारण होती है, क्योंकि इसमें नर्व्स डैमेज हो जाती हैं। फैमिली हिस्ट्री या डायबिटीज के कारण, ग्लॉकोम होने का रिस्क बढ़ जाता है, इसका ट्रीटमेंट आईड्रॉप्स हैं, जो सभी को सूट नहीं करते और कई केस में आंखों में जलन भी पैदा करते हैं। गंभीर केस में मरीज की सर्जरी या लेजर थेरेपी करनी पड़ती है।

आंखों में प्रेशर को कम करने के नेचुरल तरीके

अपनी लाइफस्टाइल में कुछ ऐसे बदलाव करके जिनसे की आपका ब्लड प्रेशर कम हो, आंखों के प्रेशर को भी कम करता है। इस ट्रीटमेंट का कोई साइड इफेक्ट नहीं है।

1- अपने इंसुलिन लेवल को कम करें: जैसे आपका इंसुलिन का स्तर बढ़ता है, यह आपके रक्तचाप का कारण बनता है, और इससे आपकी आंखों पर दबाव भी बढ़ता है। समय के साथ आपका शरीर इंसुलिन प्रतिरोधी बन जाता है। यह उन लोगों को ज़्यादा होता है, जो डायबिटीज, मोटापा और हाई ब्लड प्रेशर के मरीज हैं।

2- नियमित रूप से व्यायाम करें: इंसुलिन के स्तर को कम करने का सबसे प्रभावी तरीका है व्यायाम, जैसे- एरोबिक्स और स्ट्रेंथ ट्रेनिंग। इससे इंसुलिन लेवल कंट्रोल में रहता है और आंखों की रोशनी भी बचाई जा सकती है।

3- ओमेगा -3 फैट सप्लीमेंट: इसे लेने से भी इस बीमारी को दूर रखा जा सकता है। डीएचए नामक ओमेगा -3 फैट आंखों के स्वास्थ्य के लिए काफी अच्छा है। यह आंखों की रोशनी नहीं जाने देता। डीएएच सहित ओमेगा -3 फैट, मछली में पाए जाते हैं, लेकिन एक्सपर्ट्स मछली न खाने की राय देते हैं। उनके मुताबिक इस फैटी एसिड का बेस्ट सोर्स है क्रिल ऑयल।

4- ग्रीन वेजिटेबल्स खाएं: ल्यूटिन और जेकैक्थिन से आंखों की रोशनी बढ़ती है। ल्यूटिन हरी, पत्तेदार सब्जियों में विशेष रूप से बड़ी मात्रा में पाया जाता है। यह एंटी-ऑक्सीडेंट है और आंखों के सेल्स डैमेज होने से बचाता है।

5- ट्रांस फैट से बचें: ट्रांस फैट को भी अपनी डाइट में कम करें। इससे भी आंखों की रोशनी जाने का खतरा बढ़ सकता है। ट्रांस फैट पैकेज्ड फूड्स, बेक्ड फूड्स और फ्राइड फूड्स में पाया जाता है।

ग्लॉकोम के लक्षण

- आंख में दर्द
- उल्टी
- लाल आंख
- अचानक से आंख की रोशनी कम होना

रेसिपी

पालक-मलाई कोफ्ता

- पालक: 500 ग्राम ■ पनीर: 200 ग्राम
- काजू: 10 ग्राम ■ पीली मिर्च पाउडर
- शाही जीरा ■ नमक ■ तेल ■ मेथी दाना
- प्याज ■ अदरक ■ लहसुन ■ जीरा पाउडर ■ लाल मिर्च पाउडर ■ धनिया पाउडर
- हल्दी पाउडर ■ दही ■ गरम मसाला
- मलाई

विधि

सबसे पहले 500 ग्राम पालक को पानी में उबाल लें। फिर इसे 2 मिनट तक ठंडे पानी में रहने दें। इसके बाद पालक को ब्लेंड करके प्यूरी बना लें। एक बाउल में कद्दूकस किया 200 ग्राम पनीर, 10 ग्राम कटे काजू, 2 टेबलस्पून पीली मिर्च पाउडर, 2 टेबलस्पून शाही जीरा एवं स्वाद के मुताबिक नमक डालकर मिक्स कीजिए। इस मिश्रण को आटे की तरह गूंधकर छोटी-छोटी लोइयां बना लें। एक पैन में 200 मिली तेल गर्म कर इन लोइयों को गोल्डन ब्राउन होने तक फ्राई कीजिए। इसके बाद इसे टिश्यु पेपर पर निकाल लें। अब पैन में 10 मिली तेल गर्म कर उसमें 5 ग्राम मेथी के दाने डालने के बाद 50 ग्राम प्याज डालकर भूरा होने तक भूनिए। अब इसमें 5 ग्राम अदरक और 5 ग्राम लहसुन डालकर कुछ वक्त पकाइए। अब इसमें जीरा पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर और हल्दी पाउडर डालकर मिला लें। पालक की प्यूरी को मसाले में डालकर मिक्स कीजिए। फिर इसमें 20 मिली दही को फेंटकर डालिए। इब इसमें स्वाद के मुताबिक नमक मिक्स कीजिए। पालक प्यूरी को पकाने के बाद इसमें फ्राई किए हुए कोफ्ते डालकर कम आंच पर पकने दें। कुछ देर के बाद गैस को बंद कर दीजिए और इसे चपाती के साथ गर्मागर्म सर्व कीजिए।

बथुए का साग

■ बथुआ: 500 ग्राम ■ टमाटर: दो (बारीक कटे हुए) ■ हरी प्याज: 100 ग्राम बारीक कटी हुई ■ हरी मिर्च: 2 बारीक कटी हुई ■ जीरा: ½ चम्मच, सरसों तेल: 2 बड़े चम्मच ■ सरसों तेल: 2 बड़े चम्मच ■ काली मिर्च पाउडर: ½ चम्मच ■ नमक स्वाद के अनुसार

विधि

बथुए के डंठल तोड़कर साफ कर लें और अच्छे से धोकर बारीक काट लें। हरी प्याज को भी धोकर बारीक काट लें। कढ़ाई को गर्म कर इसमें तेल डालें। गर्म होने के बाद इसमें जीरा और हरी मिर्च का तड़का लगाएं। अब बारीक कटी हुई प्याज डालकर भूनें और गोल्डन ब्राउन होने के बाद इसमें मटर, हरी प्याज भी डाल दें। 1-2 मिनट बाद काली मिर्च और स्वाद के अनुसार नमक डाल दें। अब इसमें बथुए का साग डालकर अच्छे से चलाएं और फिर इसे ढककर पकाएं। जब साग पूरी तरह से गल जाएं तो आंच धीमी कर दें और इसका पूरा पानी सुखा लें। तैयार है बथुए का साग, जिसे आप लंच या डिनर किसी में भी सर्व कर सकते हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। किसी नजदीकी शुभचिंतक सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-5-6-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। आत्मचिंतन कर। पुराने मित्र से मिलन होगा। पुरुषार्थ का सहारा लें। यात्रा का योग बनेगा। विद्यार्थियों को लाभ। शुभांक-5-7-8

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। स्वविवेक से कार्य कर। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। शुभांक-4-6-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। शुभांक-4-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-गोष्ठियों में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आनन्ददायक दिन रहेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा। व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-6-7-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। उन्नति के योग हैं। शुभांक-4-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-7-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। शुभांक-4-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर वाले मदद करेंगे। शुभांक-5-7-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दे शुभांक-2-4-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम। व्यवसायिक अभ्युदय होगा और प्रसन्नताएं बढ़ेगी। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। धार्मिक यात्रा का योग हैं। शुभांक-5-6-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-4-6-8

लॉफिंग ज़ोन

एक ऐसी युवती थी, जिसका कभी किसी से कोई रोमांस नहीं हुआ था। एक दिन उसने रोमांटिक ख्वाब देखा- जब वह गार्डन में घूम रही थी, तभी एक सुंदर युवक ने साड़ी के पीछे छुपकर उससे लिपट गया। वह भागी लेकिन एक घने पेड़ की मधुर छाया में तरुण ने उसे पकड़ लिया।

तुम-तुम क्या करने जा रहे हो? वह हकबकाई।

शैतानी से मुस्कराकर युवक बोला- तुम बताओ। यह तुम्हारा सपना है।

□ □ □

अखबार पढ़ते प्रेमी को प्रेमिका ने पीछे से जोरदार घूँसा मारा। इस पर प्रेमी ने कहा -क्या हुआ, प्रिया?

प्रेमिका- तुम्हारी शर्ट की जेब में एक कागज मिला था जिस पर मेरी (लड़की का नाम) लिखा हुआ था।

प्रेमी- अरे नहीं प्रिये, तुम्हें याद है पिछले सप्ताह मैं ट्रेकिंग पर गया था। मैंने घोड़े की सवारी की थी। मेरी उसी घोड़े का नाम है।

अगले दिन प्रेमिका ने फिर जोरदार घूँसा मारा।

प्रेमी- अब क्या हुआ प्रिये?

प्रेमिका - तुम्हारे घोड़े का फोन आया था।

□ □ □

काकुरो पहेली - 4044

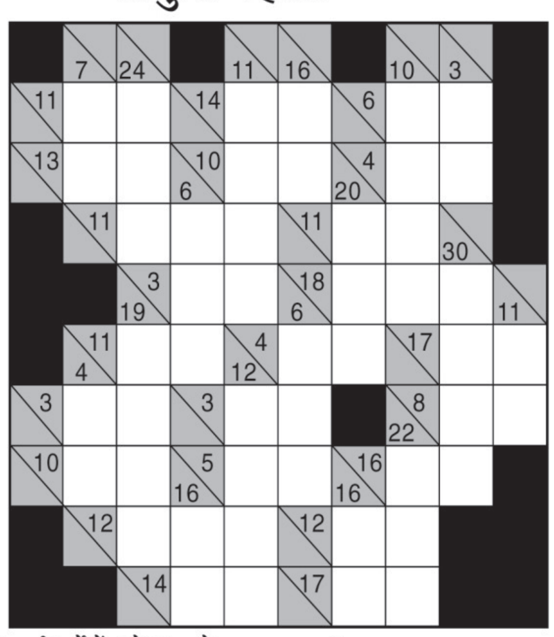

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

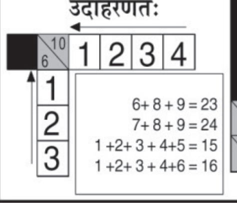

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 4043 का हल

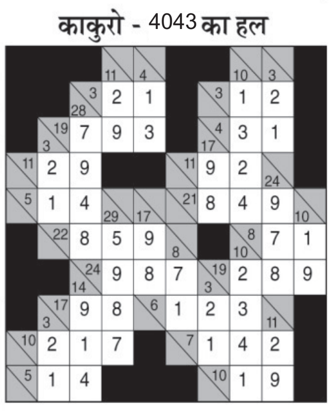

फिल्म वर्ग पहेली- 4044

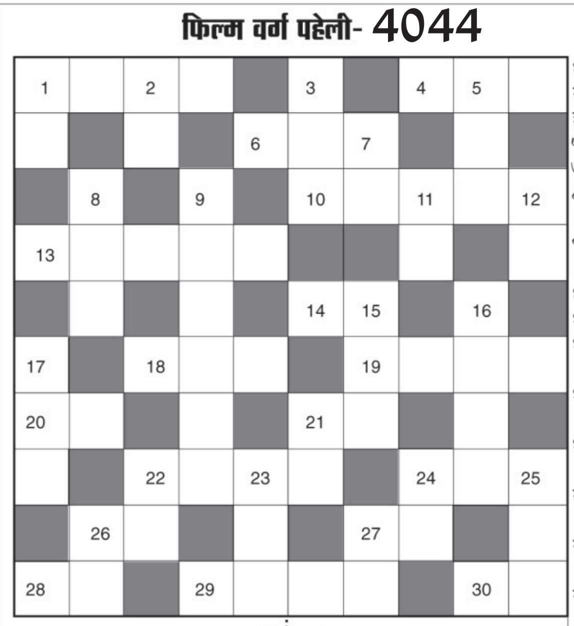

ऊपर से नीचे:-

१. नवीन निश्चल, प्राण, रेखा की फिल्म-२
२. 'मोहब्बत हुई हुई' गीत वाली फिल्म-२
३. विश्वजीत, वहीदा रहमान की फिल्म-३
५. 'ऐ जिंदगी गले लगा' गीत वाली फिल्म-३
७. दीनो मारिया, बिपाशा बसु की फिल्म-२
८. विवेक ओबेराय, अंतरा की 'खल्लास बचके तू रहना रे' गीत वाली फिल्म-३
९. 'करवटें बदलते' गीत वाली संजीव, राजेश खन्ना, मुमताज की फिल्म-२,१,३
११. 'लंबूजी लंबूजी' गीत वाली फिल्म-२
१२. अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
१५. फिल्म 'सब से बड़ा खिलाड़ी' में अक्षयकुमार के साथ नायिका कौन थी-३
१६. शत्रुघ्न, हेमा, मिथन की 'बचके मेरी जान बचके' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'मैं तो हर मोड़ पर' गीत वाली अनिल धवन, रेहाना सुलतान की फिल्म-३
२१.राजेश, शर्मिला, राखी की 'मेरे दिल में आज' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'ओ मेरी चूड़ियाँ बजी' गीत वाली संजयकपूर, तब्बू की फिल्म-२
२३. फिल्म 'बरसात की रात' के संगीतकार कौन थे-३
२४. विनोद खन्ना, योगिता बाली की फिल्म-२
२५. फिल्म 'बागी' में सलमान खान के साथ नायिका कौन थी-३
२६. उमादेवी का गाया गीत 'अफसाना लिख रही हूँ' किस फिल्म का है-२
२७. नसीरूद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री पूजा भट्ट की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. 'दिल ने ये कहा हैदिल से' गीत वाली अक्षयकुमार, शिल्पा की फिल्म-४
४. देवआनंद, जैकी, गोविंदा, रेखा की 'इस तरह देखो ना' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ना कजरे की धार' गीत वाली अक्षयकुमार, रवीना की फिल्म-३
१०. अनिल, माधुरी दीक्षित की 'आँखों के आगे पीछे' गीत वाली फिल्म-५
१३. 'आदमी मुसाफिर है' गीत वाली संजीव कुमार, सुलक्षणा की फिल्म-५
१४. अतिन भल्ला, संदली की 'साँवली सी इक लड़की' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'हुन हुना रे हुन हुना' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
१९. गोविंदा, मनीषा की 'ठहरो तो सही सोचो तो जरा' गीत वाली फिल्म-४
२०. एम. एफ. हुसैन की फिल्म 'मीनाक्सी' की नायिका कौन है-२
२१. 'बाबुल का ये घर बहना' गीत वाली मिथुन, रंजीता, पद्मिनी की फिल्म-२
२२. ऋषिकपूर, पद्मिनी की 'मेरी किस्मत में तू नहीं' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'मेरी शादी का खयाल' गीत वाली राजेश खन्ना, टीना की फिल्म-३
२६. विवेक, दीया मिर्जा की बाबूजी जरा धीरे' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'जब चाहा जजबात से खेले' गीत वाली चंदनदास का गजल एलबम-२
२८. मिथुन, रंभा की 'पीलो इश्क दी विस्की' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'सच कहते हैं हं' गीत वाली अक्षयकुमार, करिश्मा की फिल्म-४
३०. फिल्म 'राजा जानी' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली-4043

सूडोकु 4044

4					1	9		
						8	5	
			7	3				
			3				4	7
9								2
8	5				6			
				5	8			
	7	4						
		6	2					5

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु 4043 हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

शब्द पहेली 4044

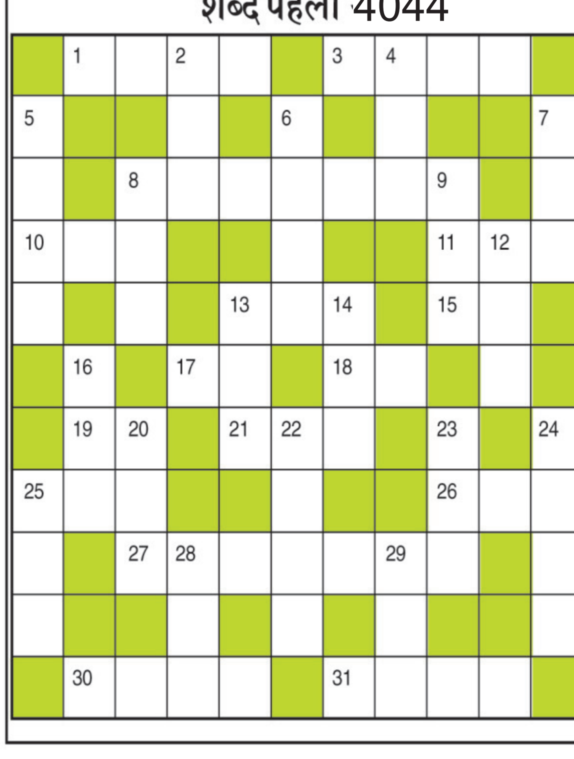

बाएँ से दाएँ

1.ईष्ट कृपा,वर-4
3.मान का विलोम-4
8.शैतानी करना-4,3
10.झगड़ा,बैर-3
11.जंगल,वन-3
13.सर्दी से बचने के लिये जलाई गई लकड़ियों का ढेर-3
15.जलने के बाद बचे अवशेष-2
17.कार्य-2
18.पतवार-2
19.नमाज से पहले हाथ-पांव धोना-2
21.नमस्कार-3
25.बूंद-3
26.जिज्ञासा,लगन-3
27.आत्मोत्सर्ग करना-4,3
30.मां के माता-पिता-2,2
31.रपटना-4

ऊपर से नीचे

2.वलय,घेरा-3
4.तीन घंटे का समय-3
5.खिसकना-4
6.उन्मादी,मदमस्त-4
7.यज्ञ,होम-3
8.नगर-3
9.तिरस्कृत-3
12.रूप अभिमान-3
13.शांति-3
14.प्रतिज्ञा-3
16.सहभोज-3
20.मोजा, पायताबा-3
22.उदारता-4
23.परवरिश करना-3
24.वचन तोड़ना-4
25.लेखनी-3
28.लिखावट-3
29.अमीर,धनवान-3

शब्द पहेली4043 का हल

मास्टर प्लान के दायरे में आने वाले कारोबारियों को सर्वे से डरने की जरूरत नहीं: सत्या शर्मा

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के आवासीय क्षेत्रों में चल रहे गैर-आवासीय परिसरों के सर्वे को लेकर मचे घमासान के बीच दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) की स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा ने व्यापारियों को आश्वासन दिया है। सत्या शर्मा ने स्पष्ट किया कि मास्टर प्लान 2021 और दिल्ली विशेष प्रावधान अधिनियम के तहत आने वाले वैध कारोबारियों पर कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी। बाजारों में फैले भ्रम को दूर करते हुए उन्होंने व्यापारियों और संपत्ति मालिकों से अपील की कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें। उन्होंने व्यापारिक संगठनों को भरोसा दिलाया कि निगम उनके साथ निरंतर संवाद में है और किसी भी वैध कारोबारी के हितों के साथ समझौता नहीं किया जाएगा। सत्या शर्मा ने कहा कि उच्चतम न्यायालय के आदेश पर किए जा रहे इस सर्वे का लक्ष्य केवल उन संपत्तियों की पहचान करना है, जो नियमों का गंभीर उल्लंघन कर रही हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि सर्वे का मकसद छोटे और नियमों का पालन करने वाले दुकानदारों को परेशान करना नहीं बल्कि बड़े स्तर पर हो रहे अवैध व्यावसायिक अतिक्रमण और गैर-कानूनी गतिविधियों पर नकेल कसना है। अध्यक्ष ने जानकारी दी कि मास्टर प्लान दिल्ली 2021 के तहत 'मिश्रित उपयोग' की अनुमति है। इसके तहत रिहायशी इलाकों में 20 वर्ग मीटर तक की छोटी दुकानें और 24 श्रेणियों की सेवाएं पूरी तरह वैध हैं।

इंदौर-पीथमपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर मप्र की प्रगति का नया अध्याय : मोहन यादव

भोपाल । मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि विकास एक क्रमिक प्रक्रिया है। प्रदेश में अधिकाधिक औद्योगिक इकाइयों की स्थापना के जरिए उत्पादन गतिविधियों का विस्तार और निर्यात वृद्धि हमारा प्रमुख लक्ष्य है। हम उद्योग-धंधों को बढ़ावा देकर प्रदेश के औद्योगिक विकास लक्ष्यों की ओर तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। इंदौर-पीथमपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर प्रदेश की प्रगति का नया अध्याय है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव इंदौर जिले में ग्राम नैनोद में इन्दौर-उज्जैन मेट्रोपोलिटन एरिया की अत्यंत महत्वपूर्ण परियोजना के तहत 2360 करोड़ की लागत से विकसित होने वाले इंदौर-पीथमपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर के पहले चरण के कार्यों का भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह इकोनॉमिक कॉरिडोर यहां की नई संभावनाओं, नए सपनों और नए अवसरों का गेट-वे है। उन्होंने कहा कि यह कॉरिडोर सच्चे अर्थों में नये मध्य प्रदेश के निर्माण में मील का पत्थर साबित होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि मालवा के किसान हमेशा कमाल करते हैं। प्रदेश के विकास में विशेषकर मालवा क्षेत्र के किसानों का सहयोग और समर्पण अनुकरणीय है।

अग्रिम जमानत के बाद दिल्ली पहुंचे पवन खेड़ा, इंदिरा भवन में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय से अग्रिम जमानत मिलने के बाद कांग्रेस नेता पवन खेड़ा यहां पार्टी मुख्यालय इंदिरा भवन पहुंचे। जहां पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। इससे पहले दिल्ली पहुंचने पर हवाई अड्डे पर भी पार्टी कार्यकर्ताओं ने खेड़ा का फूल-मालाओं के साथ स्वागत किया। इसके बाद वह सीधे इंदिरा भवन पहुंचे। पत्रकारों से बातचीत में पवन खेड़ा ने कहा कि कांग्रेस नेतृत्व लगातार चुनाव आयोग की विश्वसनीयता पर सवाल उठा रहा है लेकिन आयोग की ओर से कोई जवाब नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि संविधान हमेशा संकट के समय में सहारा देता है। जब भी कोई व्यक्ति मुश्किल में होता है या किसी दमनकारी सरकार के खिलाफ संघर्ष करता है, तब संविधान ही उसकी रक्षा करता है।

सरहद पार के हथियार तस्करी मॉड्यूल से जुड़े चार गुर्गे गिरफ्तार, सात पिस्तौलें बरामद

चंडीगढ़। अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने चार हथियार तस्करों को गिरफ्तार करके सरहद पार से हथियारों की तस्करी के एक और मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। इनके पास से ऑस्ट्रिया निर्मित दो 9 एमएम ग्लॉक, चीन निर्मित चार .30 बोर और एक .30 बोर पिस्तौल बरामद की गई हैं।पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने बताया कि गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान समरबीर सिंह उर्फ सिमर (21) निवासी महिंद्रा कॉलोनी, अमृतसर; सतनाम सिंह उर्फ सत्ता (23) निवासी गांव फतेहपुर, तरनतारन, तनुप्रीत सिंह (26) निवासी प्रताप नगर, अमृतसर और करनजोत सिंह उर्फ साजन (26) निवासी कृष्णा नगर, अमृतसर के रूप में हुई है। इनके पास से बरामद किए गए हथियारों में ऑस्ट्रिया निर्मित दो 9 एमएम ग्लॉक, चीन निर्मित चार .30 बोर और एक .30 बोर पिस्तौल हैं। डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि प्रारंभिक जांच के अनुसार गिरफ्तार किये गए हथियार तस्कर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों के माध्यम से पाकिस्तान स्थित तस्करों के संपर्क में थे। उन्होंने बताया कि गैर-कानूनी हथियारों की खेप सरहद पार से ड्रोन के जरिए भेजी गई थी, जिसे स्थानीय सहयोगियों के माध्यम से आगे आपराधिक तत्वों में वितरित किया जा रहा था। पुलिस आयुक्त (सीपी) अमृतसर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर एक योजनाबद्ध कार्रवाई में समरबीर उर्फ सिमर को दो ग्लॉक पिस्तौलों सहित गिरफ्तार किया गया था। उससे पूछताछ के बाद आगे की कार्रवाई में उसके तीन अन्य साथियों सतनाम उर्फ सत्ता, तनुप्रीत सिंह और करनजोत उर्फ साजन को भी गिरफ्तार कर लिया गया, जिनके खुलासों के आधार पर पांच और पिस्तौल बरामद की गईं। पुलिस आयुक्त ने बताया कि सतनाम उर्फ सत्ता पहले भी व्यावसायिक मात्रा में हेरोइन की बरामदगी से संबंधित एक मामले में शामिल रहा है और उसके कब्जे से 8 किलोग्राम हेरोइन बरामद की गई थी। उन्होंने आगे बताया कि सतनाम सत्ता और करनजोत उर्फ साजन एक ही मोहल्ले में रहते हैं ।

देश की लोकतांत्रिक और न्यायिक संरचना को मजबूत करने के लिए केंद्र सरकार प्रतिबद्ध : मेघवाल

एजेंसी

रांची। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल रांची दौरे पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया और न्यायिक व्यवस्था, महिला सशक्तीकरण और केंद्र सरकार की प्राथमिकताओं पर विस्तार से बात की। केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि देश की लोकतांत्रिक और न्यायिक संरचना को और मजबूत करने के लिए केंद्र सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने अधिवक्ताओं से अपील की कि वे न्याय प्रणाली को अधिक प्रभावी और सुलभ बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने सबसे पहले रांची स्थित आरोग्य भवन में चलंत एकल कंप्यूटर लैब वाहन का उद्घाटन किया। इसके बाद दोपहर एक बजे बरियातू रोड स्थित एक होटल में उच्च न्यायालय के अधिवक्ताओं के सम्मेलन में शामिल हुए। इस सम्मेलन में न्यायिक व्यवस्था की चुनौतियों, सुधारों और अधिवक्ताओं की भूमिका पर चर्चा की गई।

यूनियन ऑफ लॉ ऑफिसर्स की ओर से आयोजित इस सम्मेलन में केंद्रीय कानून मंत्री ने कहा कि भारत की न्यायिक प्रणाली को दुनिया की सर्वश्रेष्ठ व्यवस्था बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार न्यायिक सुधारों के लिए लगातार प्रयासरत है और आने वाले समय में इसमें और पारदर्शिता और गति लाने पर जोर दिया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ भी मौजूद रहे। इस अवसर पर नारी शक्ति वंदन अधिनियम का जिक्र करते हुए कहा गया कि यह विधेयक महिलाओं के राजनीतिक सशक्तीकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। मंत्री ने कहा कि यह सरकार का स्पष्ट वादा है कि 2029 तक महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण का लाभ मिलेगा, जिससे देश की आधी आबादी को निर्णय प्रक्रिया में उचित भागीदारी मिल सकेगी। अपने दौरे के अंतिम चरण में केंद्रीय मंत्री सांसद संस्कृति महोत्सव सह स्वदेशी मेला के समापन समारोह में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने और स्थानीय कारीगरों के समर्थन पर बल दिया। इस दौरान केंद्रीय मंत्री ने पांच राज्यों के आने वाले चुनाव परिणाम पर पूछे गए सवाल का भी जवाब दिया। उन्होंने कहा कि जनता का निर्णय है और बहुत शानदार फैसला आने वाला है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में फैसला आने वाला है। साथ ही उन्होंने पश्चिम बंगाल में भी भाजपा की जीत का दावा किया। केंद्रीय मंत्री का यह दौरा प्रशासनिक, न्यायिक और सामाजिक दृष्टिकोण से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

बिहार के रोहतास में सड़क हादसा, पांच लोगों की मौत

एजेंसी

रोहतास। बिहार में रोहतास जिले के दिनारा थाना क्षेत्र अन्तर्गत मठिया गांव में बीती देर रात सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई । मृतकों में एक कैमूर जिले के भगवानपुर का रहने वाला है,जबकि एक नटवार थाना क्षेत्र के मिश्रवालिया निवासी है। बाकी तीन लोग दिनारा के मठिया गांव के रहने वाले हैं। सभी लोग आपस में रिश्तेदार थे।

थानाध्यक्ष धर्मेंद्र प्रसाद ने बताया कि सभी लोग चेनारी के लोधी गांव में अशोक कुमार की पुत्री का तिलक चढ़ाकर गांव लौट रहे थे। गांव के पास मोड़ पर खड़ी गई बस और पिकअप को अनियंत्रित कंटेनर ने टक्कर मार दी। इस हादसे में पांच लोगों की मौत और दस लोग जख्मी

हो गए हैं। कंटेनर को जब्त कर लिया गया है, जबकि चालक भाग गया है।

मृतकों की सूची

अशोक कुमार सिंह 45 वर्ष-ग्राम मठिया

पिंटू कुमार 35 वर्ष-ग्राम मठिया

रामेश्वर सिंह 38 वर्ष-ग्राम मठिया

नटवार थाना क्षेत्र के मिश्रवालिया निवासी छोटू कुमार 20 वर्ष

कैमूर जिला के भगवानपुर निवासी राम बरत सिंह 44 वर्ष शामिल हैं।

बहू को ताने देना छोड़ें, पोते-पोतियों को संस्कार दें: हर्ष संघवी

एजेंसी

सूरत। सूरत शहर के सरसाना कन्वेंशन सेंटर में आयोजित भव्य 'वडील वंदना' कार्यक्रम में गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने बुजुर्गों को परिवार और नई पीढ़ी के संस्कारों को लेकर महत्वपूर्ण संदेश दिया। कार्यक्रम का आयोजन किरण हॉस्पिटल द्वारा किया गया, जिसमें राज्य के स्वास्थ्य मंत्री प्रफुल्ल पानसेरिया भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर हजारों बुजुर्गों का सम्मान किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने कहा कि बुजुर्गों का अनुभव बहुत बड़ा होता है। उन्होंने बुजुर्गों से अपील की कि वे बहू को ताने देने के बजाय अपने पोते-पोतियों को समय और संस्कार दें। यदि बच्चे मोबाइल में व्यस्त हों तो उनकी उंगली पकड़कर उन्हें बाहर खेलने या मंदिर ले जाएं। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी को मोबाइल के दुष्प्रभाव से बचाकर संस्कार देना बुजुर्गों की अहम जिम्मेदारी है। उपमुख्यमंत्री ने मोबाइल और टीवी को आज का बड़ा सामाजिक दुष्प्रभाव बताते हुए कहा कि अधिकांश घरों में यह समस्या मौजूद

है। उन्होंने कहा कि इस समस्या को दूर करने में बुजुर्गों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है और समाज को इस दिशा में मिलकर प्रयास करना होगा। उन्होंने एक संवेदनशील पहल की जानकारी देते हुए बताया कि गुजरात पुलिस वृद्धाश्रम में रहने वाले बुजुर्गों को उनके परिवार से दोबारा जोड़ने का प्रयास कर रही है। यह काम दबाव से नहीं, बल्कि समझाइश और प्रेम से किया जा रहा है, ताकि माता-पिता और बच्चों के बीच की दूरी कम हो सके। कार्यक्रम के आयोजन के लिए किरण हॉस्पिटल की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयास परिवार को जोड़ने का काम करते हैं। उप मुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने जोर देकर कहा कि समाज, सरकार और संस्थाएं यदि साथ मिलकर काम करें तो नए वृद्धाश्रम खोलने की जरूरत नहीं पड़ेगी। लक्ष्य यह होना चाहिए कि दादा-दादी, माता-पिता और बच्चे एक ही छत के नीचे प्रेम और सम्मान के साथ रहें।

मिशन से कमीशन की ओर बढ़ी पत्रकारिता, समाज का विश्वास लौटाना सबसे बड़ी चुनौती: जितेंद्र तिवारी

एजेंसी

वाराणसी। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के गांधी अध्ययन पीठ सभागार में विश्व संवाद केंद्र वाराणसी की ओर से आयोजित देवर्षि नारद जयंती संगोष्ठी एवं पत्रकार सम्मान समारोह में मीडिया की बदलती दिशा, उसकी विश्वसनीयता और समाज के प्रति जिम्मेदारी जैसे अहम विषयों पर काशी में गंभीर मंथन हुआ। 'पंच परिवर्तन : समाज एवं मीडिया' विषय पर हिन्दुस्थान समाचार न्यूज एजेंसी के संपादक जितेंद्र तिवारी ने पत्रकारिता के मूल स्वरूप और वर्तमान चुनौतियों पर बेबाक टिप्पणी की और आज के दौर में मीडिया पर समाज के विश्वास को कायम रखने को सबसे बड़ी चुनौती बताया। न्यूज एजेंसी के संपादक जितेंद्र तिवारी ने कहा कि पत्रकारिता की शुरुआत एक मिशन के रूप में हुई थी, जिसका उद्देश्य समाज की आवाज़ को सत्ता तक पहुंचाना और जनभावनाओं को अभिव्यक्ति देना था। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान पत्र-पत्रिकाओं ने जनजागरण का सबसे प्रभावी माध्यम बनकर देश को एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। तिवारी ने उदाहरण देते हुए कहा कि 'वंदे मातरम्' जैसे गीत केवल रचनाएं नहीं थे, बल्कि उन्होंने लोगों के भीतर राष्ट्रभाव जागृत कर आजादी की लड़ाई को नई ऊर्जा दी। तिवारी ने स्पष्ट किया कि मीडिया को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ संविधान ने नहीं, बल्कि समाज ने बनाया है। न्यायपालिका, विधायिका और कार्यपालिका की तरह मीडिया के लिए कोई औपचारिक ढांचा नहीं है, फिर भी समाज ने उसे इन तीनों पर नजर रखने और जनता की आवाज़ को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी दी है। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता की असली ताकत समाज का विश्वास है और यही उसकी सबसे बड़ी पूंजी भी है। उन्होंने चिंता जताते हुए कहा कि समय के साथ पत्रकारिता मिशन से कमीशन की ओर बढ़ती दिख रही है। जब मीडिया सत्ता के समीकरणों में उलझता है या केवल विरोध के लिए नकारात्मकता खोजता है, तो उसकी विश्वसनीयता पर असर पड़ता है। आज के समय मीडिया पर अपनी खबरों को लेकर समाज के विश्वास को कायम रखने की सबसे बड़ी चुखौती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि समाज के हित में सकारात्मक और रचनात्मक पत्रकारिता को बढ़ावा देना आवश्यक है, ताकि लोगों के सामने अच्छे कार्यों और सकारात्मक बदलावों की भी तस्वीर आ सके संपादक तिवारी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 'पंच परिवर्तन' की अवधारणा को पत्रकारिता के लिए एक नई दिशा बताते हुए कहा कि सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी और नागरिक कर्तव्यों जैसे विषयों पर मीडिया की सक्रिय और सकारात्मक भूमिका समय की मांग है।

भारत के खिलाफ नैरेटिव गढ़ने की साजिश: शिवप्रकाश

एजेंसी

देहरादून। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री शिवप्रकाश ने एक कार्यक्रम में कहा कि भारत को कमजोर करने के लिए वर्षों से सुनियोजित तरीके से नैरेटिव गढ़े जा रहे हैं। उन्होंने समाज से आह्वान किया कि राष्ट्रहित में एकजुट होकर सकारात्मक सोच को बढ़ावा दें और देश को मजबूत करने वाले प्रयासों में सहयोग करें।

सर्वे चौक स्थित आईआरडीटी सभागार में विश्व संवाद केंद्र की ओर से आयोजित नारद जयंती, पत्रकारिता दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन, आदि पत्रकार देवर्षि नारद जी के चित्र पर पुष्प अर्पण और वंदे मातरम् के सामूहिक गायन के साथ हुआ। इस मौके पर शिवप्रकाश ने कहा कि देश की संस्कृति, इतिहास और शिक्षा पर लगातार चोट पहुंचाने के प्रयास हुए हैं, जबकि भारत प्राचीन काल से समृद्ध और लोकतांत्रिक परंपराओं वाला राष्ट्र रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ विदेशी ताकतें, एनजीओ और विदेशी मीडिया भारत के खिलाफ भ्रम फैलाने में लगे हैं और

सामाजिक आंदोलनों के जरिए अस्थिरता पैदा करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने सोशल मीडिया पर प्रसारित सामग्री को लेकर सतर्क रहने की अपील करते हुए कहा कि 'अर्धसत्य' से भ्रम फैलाया जा रहा है, इसलिए बिना सत्यापन के विश्वास न करें। उन्होंने कहा कि पश्चिमी देशों की ओर से भारत को पिछड़ा दिखाने के लिए लंबे समय से एक धारणा बनाई गई, जबकि भारत में हजारों वर्ष पूर्व से लोकतांत्रिक और सामाजिक समरसता की मजबूत परंपरा रही है। महिलाओं के अधिकारों के संदर्भ में भी भारत की परंपराएं समतामूलक रही हैं, जिसे नजरअंदाज किया गया।शिवप्रकाश ने कहा कि वर्तमान समय में 'पांचवीं पीढ़ी के'(फिफ्थ जेनरेशन वार) के तहत वैचारिक स्तर पर समाज को विभाजित करने की कोशिश हो रही हैं। उन्होंने कहा कि देवर्षि नारद को विश्व के आदि पत्रकार के रूप में स्मरण किया जाता है, जिन्होंने लोककल्याण के लिए संवाद और सूचना का कार्य किया। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता का ध्येय केवल सूचना देना ही नहीं, बल्कि भारत के दर्शन, ज्ञान, परंपरा, नैतिक मूल्यों एवं सनातन संस्कृति को सशक्त करना भी है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के साथ-साथ सोशल मीडिया आज अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक प्रभावशाली माध्यम बनकर उभरा है, जिसके माध्यम से राष्ट्रविरोधी नैरेटिव का सशक्त रूप से खंडन किया जाना आवश्यक है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे अशोक बिंदलस (वरिष्ठ निदेशक, बिंदल्स बायोटेक लिमिटेड) ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में सम्मानित पत्रकारों को शुभकामनाएं देते हुए पत्रकारिता के बदलते स्वरूप और उसकी चुनौतियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आधुनिक युग में पत्रकारिता की विश्वसनीयता एवं नैतिकता बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम के दौरान उत्तरकाशी से प्रताप रावत, वरिष्ठ साहित्यकार सोमवारी लाल उनियाल, किरण कांत शर्मा, आश्विनी त्रिपाठी, रुड़की से नितिन कुमार, संचित शर्मा, थराली प्रेस क्लब के अध्यक्ष राकेश सती, आफताब अजमत को सम्मानित किया गया।

प्रधानमंत्री ने कौशल, मेहनत, शिक्षा और शिष्ट वाणी के गुणों को उजागर करने वाला संस्कृत सुभाषित किया साझा

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि कौशल, परिश्रम और करुणा हमारे जीवन में अद्भुत शक्तियां हैं। इनके माध्यम से हम न केवल हर चुनौती पर विजय प्राप्त कर सकते हैं, बल्कि ये हमारे लक्ष्यों को प्राप्त करने में भी सहायक होते हैं। प्रधानमंत्री ने आज एक्स पर संस्कृत सुभाषित साझा किया- को हि भारः समर्थानां किं दूरं व्यवसायिनाम्। को विदेशः सुविद्यानां कः परः प्रियवादिनाम्॥

उन्होंने इसके माध्यम से बताया कि कौशल, परिश्रम और करुणा हमारे जीवन की अद्भुत शक्तियां हैं। इनके माध्यम से हम न केवल हर चुनौती को पार कर सकते हैं, बल्कि ये हमारे लक्ष्यों की प्राप्ति में भी मददगार हैं। इस सुभाषित का अर्थ है कि समर्थ के लिए कोई बोझ भारी नहीं, मेहनती के लिए कोई जगह दूर नहीं, विद्वान के लिए कोई देश विदेश नहीं और मीठा बोलने वालों के लिए कोई पराया नहीं होता।

भोपाल में खौफनाक किडनैपिंग, दिल्ली की आईएएस एकेडमी डायरेक्टर को बनाया बंधक, लूटे 1.89 करोड़

एजेंसी

भोपाल । मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में अपराध का एक ऐसा चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जिसे सुनकर पुलिस भी हैरान रह गई। दिल्ली की प्रतिष्ठित 'शुभ्रा रंजन आईएएस एकेडमी' की डायरेक्टर को उनके ही संस्थान के एक पूर्व छात्र और वर्तमान फ्रेंचाइजी पार्टनर ने किडनैप कर लिया। आरोपियों ने 4 घंटे तक बंधक बनाकर और कनपटी पर पिस्टल तानकर करीब 1 करोड़ 89 लाख रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर करा लिए। इस पूरी वारदात को अंजाम देने के लिए शोर दबाने के मकसद से फ्लैट में 'सुंदरकांड' का पाठ तक कराया गया। जानकारी के अनुसार, इस वारदात का मास्टरमाइंड प्रियंक शर्मा है, जो भेल के एक रिटायर्ड अधिकारी का बेटा है। प्रियंक खुद यूपीएससी की तैयारी कर चुका है और भोपाल में एकेडमी की फ्रेंचाइजी चला रहा था। उसने नई ब्रांच खोलने और जगह के निरीक्षण के बहाने डायरेक्टर शुभ्रा रंजन को दिल्ली से भोपाल बुलाया। वह शहर के प्रसिद्ध होटल ताज में ठहरी थीं। बुधवार दोपहर करीब 2 बजे प्रियंक उन्हें अपने साथ ले गया और बागसेवनिया स्थित एक फ्लैट में ले जाकर अपने 8 साथियों के साथ उन्हें बंधक बना लिया।

शोर छुपाने के लिए 'सुंदरकांड' का सहारा

पुलिस जांच में एक हैरान करने वाला खुलासा हुआ है। जिस वक्त फ्लैट के एक कमरे में महिला डायरेक्टर को मौत का डर दिखाकर पैसे वसूले जा रहे थे, उसी वक्त बाहर वाले हिस्से में सुंदरकांड का पाठ चल रहा था। मास्टरमाइंड ने ऐसा इसलिए किया ताकि यदि पीड़िता चिल्लाए या शोर मचाए, तो लाउडस्पीकर और भजनों की आवाज में उसकी चीखें दब जाएं और पड़ोसियों को शक न हो।

विदेश भागने की फिराक में था आरोपी, आईसीयू से हुई गिरफ्तारी

फिरौती की इतनी बड़ी रकम वसूलने के बाद प्रियंक शर्मा ने विदेश भागने की पूरी प्लानिंग कर ली थी और वह लगातार ट्रैवल एजेंट्स के संपर्क में था। हालांकि, पुलिस की बढ़ती दबिश और घेराबंदी देख वह गिरफ्तारी से बचने के लिए भोपाल एम्स के आईसीयू में भर्ती हो गया। क्राइम ब्रांच ने मुस्तैदी दिखाते हुए अस्पताल के बिस्तर से ही उसे दबोच लिया। इस दौरान उसकी मां और पत्नी ने पुलिस कार्रवाई का कड़ा विरोध भी किया, लेकिन पुलिस ने कार्रवाई जारी रखते हुए उसे हिरासत में ले लिया। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने अन्य 5 आरोपियों को भी गिरफ्तार किया है।

आरोपियों में मजदूर से लेकर मार्केटिंग प्रोफेशनल तक शामिल

पुलिस ने इस मामले में मास्टरमाइंड समेत 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि 3 अब भी फरार हैं। पकड़े गए आरोपियों में प्रियंक शर्मा जो मुख्य साजिशकर्ता है, वह यूपीएससी की तैयारी कर चुका है। दूसरा दीपक भगत, जो प्रियंक का ड्राइवर है और बागसेवनिया, भोपाल का निवासी है। तीसरे और चौथे आरोपियों में रोहित व विकास शामिल हैं। रोहित संस्थान का सफाई कर्मचारी है और कालापीपल का रहने वाला है। जबकि विकास मार्केटिंग का काम करता है।

आधार कार्ड के स्वरूप में बदलाव की खबरों को सरकार ने बताया भ्रामक

नई दिल्ली। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने आधार कार्ड के स्वरूप में बदलाव से जुड़ी खबरों को खारिज करते हुए बताया कि इस तरह का कोई प्रस्ताव नहीं है। मंत्रालय के अनुसार, हाल ही में कुछ समाचार माध्यमों और सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर ऐसी खबरें प्रसारित हो रही हैं, जिनमें दावा किया जा रहा है कि वर्ष के अंत तक आधार कार्ड को केवल फोटो और क्यूआर कोड तक सीमित कर दिया जाएगा। मंत्रालय ने इन दावों को पूरी तरह गलत बताया है। मंत्रालय ने कहा कि इस तरह के किसी भी बदलाव की कोई योजना नहीं है और इस संबंध में फैल रही खबरें भ्रामक हैं, जो लोगों के बीच अनावश्यक भ्रम पैदा कर रही हैं। मंत्रालय ने आम लोगों से अपील की है कि वे इस प्रकार की अपुष्ट खबरों और सोशल मीडिया पोस्टों पर ध्यान न दें तथा केवल भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण और पीआईबी के आधिकारिक माध्यमों से जारी सूचनाओं पर ही भरोसा करें।

पश्चिम एशिया संकट: भारत ने ऊर्जा, समुद्री और नागरिक सुरक्षा पर कसे इंतजाम, आपूर्ति सामान्य

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव के बीच केंद्र सरकार ने ऊर्जा आपूर्ति, समुद्री संचालन और विदेशों में रह रहे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बहु-स्तरीय कदम उठाए है। सरकार ने भरोसा दिलाया है कि देश में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की पर्याप्त उपलब्धता बनी हुई है और घबराहट में खरीदारी की आवश्यकता नहीं है। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक ऊर्जा मंत्रालय ने बताया कि मार्शल द्वीप के ध्वज वाला एलपीजी वाहक पोत 'एमटी सर्व शक्ति' 46,313 मीट्रिक टन एलपीजी लेकर सुरक्षित रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य पार कर चुका है और इसके 13 मई को विशाखापत्तनम पहुंचने की उम्मीद है।

मंत्रालय ने कहा कि देश में घरेलू एलपीजी, पीएनजी और सीएनजी की 100 प्रतिशत आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है और सभी रिफाइनरियां पर्याप्त कच्चे तेल के भंडार के साथ पूरी क्षमता पर कार्यरत हैं। सरकार ने लोगों से अपील की है कि वे अफवाहों से बचें और डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से एलपीजी

बुकिंग करें। एलपीजी आपूर्ति के आंकड़ों के अनुसार 02 मई को करीब 47.4 लाख सिलेंडरों की बुकिंग हुई और लगभग 47 लाख सिलेंडरों की डिलीवरी की गई। इसके अलावा 5 किलोग्राम के एफटीएल सिलेंडरों को बढ़ावा देने के लिए 10,100 से अधिक जागरूकता शिविर आयोजित किए गए हैं, जिनमें लगभग 1.75 लाख सिलेंडर बेचे गए। अप्रैल से अब तक 11,082 मीट्रिक टन ऑटो एलपीजी की बिक्री भी दर्ज की गई है। केंद्रीय कोयला मंत्रालय ने बताया कि एलपीजी की मांग के दबाव को कम करने के लिए राज्यों को अतिरिक्त कोयला उपलब्ध कराया जा रहा है, ताकि छोटे और मध्यम उपभोक्ताओं को राहत मिल सके। प्राकृतिक गैस और पीएनजी के विस्तार पर जोर देते हुए सरकार ने बताया कि सीएनजी और डी-पीएनजी की निर्बाध आपूर्ति जारी है। पीएनजीआरबी ने शहर गैस वितरण कंपनियों को तेजी से कनेक्शन बढ़ाने के निर्देश दिए हैं।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने कहा कि सीजीडी मूलभूत ढांचा परियोजनाओं के लिए त्वरित स्वीकृति तंत्र लागू किया गया है, जिससे पाइपलाइन नेटवर्क के विस्तार में तेजी आएगी। केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने बताया कि सीजीडी नेटवर्क से जुड़े अनुमोदनों को 15 दिनों के भीतर पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि स्वच्छ ईंधन के विस्तार में तेजी लाई जा सके। खुदरा ईंधन की उपलब्धता पर सरकार ने स्पष्ट किया कि देशभर में पेट्रोल पंप सामान्य रूप से कार्य कर रहे हैं।

कच्चे तेल की वैश्विक कीमतों में वृद्धि के बावजूद उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में 10 रुपये प्रति लीटर की कटौती की बनी रहेगी।

सूरत का दीप प्रजापति हो गया चर्चित, कहा- 'मैं बंगाल को बचाने गया था'

सूरत/कोलकाता। पश्चिम बंगाल में हुए विधानसभा चुनाव के बीच सूरत के एक युवक को लेकर राजनीतिक माहौल गरमा गया है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सूरत के भाजपा कार्यकर्ता दीप प्रजापति पर राज्य का माहौल बिगाड़ने का आरोप लगाया है। इस पर पलटवार करते हुए दीप प्रजापति ने कहा कि वह 'बंगाल को बचाने' के उद्देश्य से वहां गया था और उसने टीएमसी सरकार को क्रूर बताया। यह बात वह कोलकाता चुनाव में भवानीपुर विधानसभा में प्रचार-प्रसार कर सूरत लौटने के बाद कही है।

दीप प्रजापति ने कहा कि वह पिछले करीब ढाई महीने से बंगाल में रहकर लोगों के बीच काम कर रहा था। उनका कहना है कि उनका उद्देश्य वहां की 'जमीनी हकीकत' को जनता तक पहुंचाना था। उन्होंने आरोप लगाया कि टीएमसी सरकार को हटाना जरूरी है और वहां की स्थिति को लेकर उन्होंने गंभीर सवाल उठाए। मतगणना केंद्र के पास वाहन रोकने के विवाद पर सफाई देते हुए दीप ने कहा कि एक वाहन संदिग्ध स्थिति में जा रहा था, जिसमें ईवीएम होने की आशंका थी। उन्होंने कहा कि एक सजग नागरिक होने के नाते मतदान प्रक्रिया की सुरक्षा सुनिश्चित करना उनकी जिम्मेदारी है और उन्होंने कोई गलत कार्य नहीं किया। दीप ने बंगाल की स्थिति पर टिप्पणी करते हुए कहा कि वहां

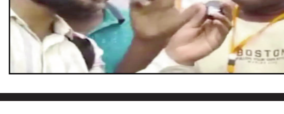

'गुंडाराज' का माहौल है और आम लोग भय के साये में जी रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोगों के पास अपनी आवाज उठाने का साहस नहीं है और उन्होंने सिर्फ उनकी आवाज बनने का प्रयास किया। अपनी सुरक्षा के सवाल पर उन्होंने कहा कि उन्होंने फिलहाल किसी प्रकार की सुरक्षा नहीं मांगी है, लेकिन जरूरत पड़ने पर सरकार से सुरक्षा मिलने का भरोसा जताया। उन्होंने यह भी कहा कि वह 'राष्ट्र प्रथम' की भावना में विश्वास रखते हैं और भारतीय जनता पार्टी से जुड़े हैं। उन्होंने दावा किया कि उन्होंने अपने व्यक्तिगत खर्च पर बंगाल में रहकर कार्य किया और संविधान द्वारा मिली स्वतंत्रता के तहत किसी भी राजनीतिक दल का समर्थन करना उनका अधिकार है। यह वही दीप प्रजापति हैं, जिसका वीडियो दिखाते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उसे कोलकाता से बाहर निकालने की बात कह रही थीं और इस तरह से वह सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

आईपीएल में आज होगा सीएसके और दिल्ली कैपिटल्स का मुकाबला

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स की टीम आईपीएल में मंगलवार को अपने घरेलू मैदान पर चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी। दिल्ली का लक्ष्य जीत के साथ ही प्लेऑफ के लिए अपनी उम्मीदें बनाये रखना रहेगा। दिल्ली ने अब तक खेले गए नौ मैचों में से चार में जीत हासिल की है जबकि उसे पांच में हार का सामना करना पड़ा है और वह अंक तालिका में सातवें स्थान पर है। वहीं दूसरी ओर सीएसके ने अबतक नौ मैचों में चार जीत हासिल की है और वह भी 6 अंक लेकर छठे स्थान पर है। नेट रन रेट बेहतर होने के कारण वह दिल्ली से अंक तालिका में ऊपर है।

पिछले मैच में मुम्बई इंडियंस के खिलाफ मिली जीत से भी सीएसके टीम उत्साहित है। उसके कप्तान रुतुराज गायकवाड़ भी फार्म में आ गये हैं जिससे टीम की बल्लेबाजी मजबूत हुई है। टीम के पास संजू सैमसन जैसा बल्लेबाज भी है। सैमसन ने अब तक दो शतक लगाये हैं। जहां तक गेंदबाजी की बात है दोनो ही टीमों के पास अच्छे गेंदबाज हैं। दिल्ली के पास मिचेल स्टार्क के अलावा कुलदीप यादव और टी नटराजन जैसे गेंदबाज हैं। वहीं सीएसके के पास अंशुल कंबोज और मुकेश चौधरी व नूर अहमद हैं।

अक्षर पटेल की कप्तानी वाली दिल्ली कैपिटल्स की बल्लेबाजी केएल राहुल के अलावा ट्रिस्टन स्टब्स और पथुम निसांका पर आधारित रहेगी।

दोनो ही टीमों के बीच अबतक 32 मुकाबले हुए है, इनमें से दिल्ली कैपिटल्स ने 12 जबकि चेन्नई सुपर किंग्स ने 20 मैच जीते हैं।

टीम इस प्रकार है

चेन्नई सुपर किंग्स: रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), संजू सैमसन (विकेटकीपर), उर्विल पटेल, डेवाल्ड ब्रेविस, शिवम दुबे, जेमी ओवरटन, रामकृष्ण घोष, प्रशांत वीर, नूर अहमद, अंशुल कंबोज और मुकेश चौधरी, इम्पैक्ट प्लेयर: कार्तिक शर्मा

दिल्ली कैपिटल्स: अक्षर पटेल (कप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), पथुम निसांका, समीर रिजवी, ट्रिस्टन स्टब्स, नितीश राणा, आशुतोष शर्मा, काइल जैमीसन, मिचेल स्टार्क, कुलदीप यादव और टी नटराजन, इम्पैक्ट प्लेयर: आशुतोष शर्मा

आरसीबी को झटका, चोटिल होने के कारण इंग्लैंड वापस गये सॉल्ट

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल में मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की ओर से खेल रहे इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज फिल सॉल्ट चोटिल होने के कारण स्वदेश लौट गये हैं। माना जा रहा है कि सॉल्ट उंगली में लगी चोट की जांच और इलाके लिए अपने घर गये हैं। सॉल्ट के स्वदेश लौटने से आरसीबी की बल्लेबाजी प्रभावित हुई है। इससे उनकी टीम आरसीबी की खिताब बचाने की उम्मीदों को करारा झटका लगा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, सॉल्ट को यह चोट दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में लगी थी। बाउंड्री लाइन के पास एक शॉट लगाते समय उनकी बाएं हाथ की उंगली में काफी चोट आई थी। जिसके बाद से ही वह खेल से दूर हैं। चोट इतनी गंभीर है कि फेंचाइजी को उन्हें जांच और इलाके लिए स्वदेश भेजना पड़ा।

आरसीबी ने अभी तक सॉल्ट की चोट की गंभीरता और उनके इंग्लैंड रवाना होने को लेकर कोई बयान जारी नहीं किया है, जिससे भी प्रशंसक सॉल्ट की वापसी को लेकर आशंकित हैं। सॉल्ट के बाहर होने से उनकी जगह पर इंग्लैंड के ही युवा बल्लेबाज जैकब बेथेल को शीर्ष क्रम में अवसर मिला है। इस सत्र में सॉल्ट ने 6 पारियों में 168.33 के शानदार स्ट्राइक रेट से कुल 202 रन बनाए थे। उनकी विस्फोटक बल्लेबाजी ने विपक्षी गेंदबाजों पर दवाब बनाया था और टीम के मध्यक्रम के लिए एक मजबूत मंच तैयार किया था। उनकी अनुपस्थिति में टीम की शुरुआत धीमी पड़ रही है, जिसका सीधा असर कुल स्कोर पर दिख रहा है।रिपोर्ट के अनुसार, सॉल्ट और टीम मैनेजमेंट दोनों को उम्मीद है कि वह इस महीने के अंत तक भारत लौटकर टीम के साथ जुड़ सकते हैं, बशर्ते उनकी चोट की स्थिति में सुधार हो।

अश्विन बोले, धोनी को अपनी गेंदबाजों पर रहता था पूरा भरोसा

-मेरे लिए कभी फील्डिंग नहीं सजाई

चेन्नई (एजेंसी)। पूर्व स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि जितना भरोसा उनको गेंदबाजों पर रहता था उतना किसी और में नहीं देखा है। अश्विन ने धोनी की कप्तानी कौशल के लिए नहीं, बल्कि उनकी विकेटकीपिंग और खेल के प्रति स्पष्ट सोच के लिए है। अश्विन ने स्पष्ट किया कि उन्हें स्पिनरों के सामने धोनी जैसी विकेटकीपिंग करते हुए किसी और को नहीं देखा है।

अश्विन ने कहा कि लोग धोनी की शानदार कप्तानी की बहुत तारीफ करते हैं, और उनकी सफलता इस बात का प्रमाण है, लेकिन उनके लिए धोनी की दो विशेषताएं सबसे अलग हैं। पहली, एक मध्य क्रम के बल्लेबाज के रूप में उनकी क्षमता, जो खेल को आखिर तक ले जाकर अनुकूल परिणाम में बदल सकते थे। और दूसरी, स्पिन गेंदबाजों के सामने उनकी अद्भुत विकेटकीपिंग, जिसमें उन्हें कोई सानी नहीं।अश्विन ने धोनी के अपनी गेंदबाजों पर भरोसे को भी याद किया। उन्होंने बताया, धोनी ने कभी मेरे लिए फील्डिंग नहीं सजाई। मैं अपनी फील्डिंग स्वयं जमाता था। धोनी उन्हें बस एक सरल सलाह देते थे- दोहरा अनुमान मत लगाओ। पहले से कुछ मत सोचो। अगर तुम्हारी गेंद पर कोई बड़ा शॉट लगता है, तो कोई बात नहीं। अगर कोई जोखिम लेता है तो लेने दो। बस अपनी तय फील्डिंग के हिसाब से गेंदबाजी करो। इस बात से अश्विन को महसूस होता था कि धोनी को उन पर पूरा विश्वास था।

इस भरोसे और धोनी की सजगता का एक उदाहरण देते हुए अश्विन ने 2011 के आईपीएल फाइनल को याद किया, जब धोनी ने क्रिस गेल को शून्य पर आउट करने के लिए स्टंप के पीछे एक शानदार कैच लपका था। अश्विन के अनुसार, आप मैच की रणनीति और विकेट गिरने के बारे में बात कर सकते हैं, लेकिन धोनी ने जिस तरह से वह कैच पकड़ा, वह वास्तव में लाजवाब था। अश्विन ने अपने आईपीएल करियर (2009-25) में कुल 221 मैचों में 187 विकेट लिए हैं, जो उनकी लंबी और सफल यात्रा का प्रमाण है।धोनी के साथ अपने अनुभवों के अलावा, अश्विन ने अपने स्वयं के आईपीएल करियर के उतार-चढ़ाव पर भी बात की। उन्होंने स्वीकार किया कि 2018-19 में पंजाब किंग्स की कप्तानी करने के बावजूद, वह उस टीम के साथ पूरी तरह से जुड़ नहीं पाए। उन्होंने कहा, पंजाब ने मुझे 2018 में चुना और मैंने अपना पूरा प्रयास किया, लेकिन मुझे ऐसा लगता है कि मैं उस टीम को वास्तव में अपनी टीम नहीं बना पाया। कप्तान के तौर पर शायद मैंने बहुत कुछ हासिल न किया हो, लेकिन इस दौरा मुझे सीखने को बहुत कुछ मिला।हालांकि, राजस्थान रॉयल्स के साथ बिताए अपने समय को अश्विन ने सबसे संतोषजनक बताया।

पंजाब किंग्स को हराकर पांचवे नंबर पर पहुंची गुजरात, मुम्बई हुई बाहर

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात टाइटंस ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबले में पंजाब किंग्स को हराकर अपनी प्लेऑफ की संभावनाएं बनाये रखी हैं। गुजरात अब पांचवें स्थान पर पहुंच गयी है। वहीं मुम्बई इंडियंस की टीम प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी है। पंजाब की टीम हार के बाद भी नंबर एक पर बनी हुई है। गुजरात टाइटंस ने पंजाब किंग्स के खिलाफ मुकाबले में साई सुदर्शन की 57 रनों की आक्रामक पारी से जीत हासिल की। गुजरात की गेंदबाजी भी हावी रही और उसने पंजाब को 163 रन ही बनाने दिये। इसके बाद जीत का लक्ष्य हासिल करने उतरी टाइटंस के लिए सुदर्शन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी टीम को अहम जीत दिलाई। अंक तालिका में पंजाब किंग्स नंबर एक पर बनी रही।

वहीं पंजाब किंग्स 9 मैचों में 6 जीत, 2 हार और एक मैच का परिणाम नहीं निकलने कारण 13 अंक लेकर शीर्ष पर बनी हुई है। वहीं, गुजरात टाइटंस, इस जीत के बाद 10 मैचों में 6 जीत दर्ज करते हुए 12 अंक लेकर अंक तालिका में पांचवें स्थान पर पहुंच गयी है। अंक तालिका में दूसरे स्थान पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु है, जिसने पंजाब जितने ही 9 मैच खेलकर 6 जीत और 3 हार के साथ 12 अंक हासिल किए हैं। इसके बाद सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स भी 12 अंकों के साथ ही तीसरे और चौथे स्थान पर बरकरार हैं। वहीं हैदराबाद ने 10 मैच खेले हैं और रॉयल्स को भी इतने ही मैचों में जीत मिली है। इन तीनों टीमों के बीच नेट रन रेट के आधार पर कड़ी टक्कर देखने को मिल रही है, जो प्लेऑफ की दौड़ को और भी दिलचस्प बना रही है।

मध्य तालिका में चेन्नई सुपर किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स दोनों ने 9 मैच खेलकर 4 जीत दर्ज की हैं और 8 अंकों के साथ छठे व सातवें स्थान पर हैं। कोलकाता नाइट राइडर्स ने 9 में से 3 मैच जीतकर 6 अंक हासिल किए हैं और आठवें स्थान पर है।

वहीं अंक तालिका में मुम्बई इंडियंस 9 मैचों में सिर्फ 2 जीत के साथ ही 4 अंक हैं और वह नौवें स्थान पर हैं। मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए, मुंबई के लिए प्लेऑफ की रेस अब लगभग समाप्त हो चुकी है।वहीं सबसे निचले स्थान पर लखनऊ सुपर जायंट्स है, जिसने 8 मैचों में केवल 2 जीत दर्ज की हैं और उसके भी 4 ही अंक हैं।

चहल को एक ओवर दिये जाने से कैफ हैरान

नई दिल्ली । पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने स्पिनर युजवेंद्र चहल को कम गेंदबाजी दिये जाने की पंजाब किंग्स की रणनीति पर सवाल उठाये हैं। ।कैफ के अनुसार पंजाब को चहल की क्षमताओं पर भरोसा बनाये रखना चाहिये।कैफ के अनुसार गुजरात टाइटंस के खिलाफ मुकाबले में जिस प्रकार से चहल को कम गेंदबाजी मिली उससे मुझे हैरानी हुई है।इस मैच में पंजाब किंग्स को हार का सामना करना पड़ा था।इस हार के बाद से ही पंजाब की गेंदबाजी रणनीति पर सवाल उठ खड़े हुए हैं।इसी को लेकर कैफ ने कहा था कि आईपीएल इतिहास के सबसे सफल गेंदबाजों में से एक होने के बाद भी चहल को केवल एक ही ओवर दिये जाने पर उन्हें हैरानी हुई है जबकि वह अपनी कलात्मक लेग-स्पिन और विकेट लेने की क्षमता के लिए जाने जाते हैं।कैफ के अनुसार चहल ने आईपीएल में कुल 228 विकेट लिए हैं और उनका नाम सबसे अधिक विकेट लेने वालों में शामिल है।इसमें से उन्होंने काफी विकेट चिन्नास्वामी स्टेडियम जैसी सपाट पिचों पर लिए थे जहां गेंदबाजों को काफी कम सहायता मिलती है।हालांकि, कैफ ने पिच की स्थितियों को भी ध्यान में रखा और स्वीकार किया कि शायद पिच पर घास मौजूद होने के कारण टीम की रणनीति प्रभावित हुई हो।

जैनिक सिनर ने जीता मैड्रिड ओपन का खिताब, फाइनल में अलेक्जेंडर ज्वेरेव को हराया

मैड्रिड ।विश्व नंबर वन टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर ने अलेक्जेंडर ज्वेरेव को हराकर मैड्रिड ओपन का खिताब अपने नाम किया।इटली के दिग्गज जैनिक सिनर ने जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव को 57 मिनट तक चले मुकाबले में 6-1, 6-2 से हराकर, अपने करियर में पहला मैड्रिड ओपन का खिताब जीत लिया है। इस जीत के साथ सिनर लगातार पांच एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब (पेरिस, इंडियन वेल्स, मियामी, मोंटे-कार्लो, मैड्रिड) जीतने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी बन गए। सिनर ने अब कैलेंडर पर मौजूद नौ मास्टर्स 1000 प्रतियोगिताओं में से आठ जीत लिए हैं; उनके कलेक्शन में केवल रोम का खिताब ही शेष है। सिनर अपने करियर में आठ अलग-अलग मास्टर्स 1000 प्रतियोगिता जीतने वाले इतिहास के सिर्फ तीसरे खिलाड़ी हैं; उनसे पहले यह कारनामा सिर्फ जोकोविच और रोजर फेडरर ही कर पाए थे।

बीसीसीआई अब आईपीएल में क्रिकेटरों की गर्लफ्रेंड्स के रहने को लेकर सख्त नियम बनाने जा रहा

मुम्बई ।भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अब इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खिलाड़ियों की गर्लफ्रेंड्स के रहने को लेकर सख्त नियम बनाने जा रहा है।बीसीसीआई ये कदम मुख्य रूप से भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों को रोकने, खिलाड़ियों की आचार संहिता को बनाए रखने और उनकी छवि को देखते हुए उठा रहा है।जहां भारतीय टीम के विदेशी दौरों के दौरान खिलाड़ियों की पत्नियों और परिवार के सदस्यों के साथ रहने को लेकर पिछले साल बोर्ड ने सख्त नियम बनये थे, वहीं आईपीएल में इस प्रकार के कोई नियम नहीं है जिसका लाभ खिलाड़ी उठा रहे हैं।आईपीएल में खिलाड़ियों की यात्रा और ठहरने की व्यवस्था की जिम्मेदारी आमतौर पर टीम मालिकों की होती है पर बोर्ड के पास इसमें हस्तक्षेप के अधिकार हैं। पिछले कुछ सत्र में कई खिलाड़ी अपनी गर्लफ्रेंड्स के साथ यात्रा करते और होटलों में रुकते देखे गए हैं, जिससे बोर्ड नाराज हैं।बीसीसीआई इसलिए भी परेशान है क्योंकि कुछ खिलाड़ियों की गर्लफ्रेंड्स पर बेटिंग ऐप्स के लिए काम करने का संदेश है।यह भ्रष्टाचार रोधी नियमों के उल्लंघन के साथ ही खेल की अखंडता के लिए खतरा है। इसके अतिरिक्त, कई युवा भारतीय क्रिकेट खिलाड़ियों की गर्लफ्रेंड्स सोशल मीडिया पर इन्फ्लुएंसर हैं और अपने पेज पर विभिन्न प्रोडक्ट्स, जिनमें बेटिंग ऐप्स और शराब ब्रांड्स भी शामिल हैं, का प्रचार करती हैं।ऐसे ब्रांड्स का प्रचार बीसीसीआई के नियमों के खिलाफ है और इससे गलत संदेश जाता है।बोर्ड नहीं चाहता कि भारतीय टीम के लिए खेलने वाले या भविष्य में खेलने की इच्छा रखने वाले किसी भी खिलाड़ी को ऐसी गतिविधियों से कोई परेशानी हो। कुछ खिलाड़ियों के फ्रेंचाइजी की बसों का अपनी गर्लफ्रेंड्स से मिलने के लिए इस्तेमाल करने के मामले भी सामने आए हैं, जिसे भी आचार संहिता का उल्लंघन माना गया है।

एकजुट होकर प्रदर्शन करने से गुजरात टाइटंस को मिल रही सफलता : होल्डर

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात टाइटंस के ऑलराउंडर जेसन होल्डर ने आईपीएल में पंजाब किंग्स के खिलाफ मिली जीत पर उत्साहित होते हुए कहा है कि हमारी सफलता का कारण एक ईकाई के तौर पर खेलना रहा है। आईपीएल के इस मुकाबले में गुजरात ने अंक तालिका में नंबर एक पर चल रही पंजाब किंग्स को 4 विकेट से हरा दिया। होल्डर ने इस मैच में 4 ओवर में ही केवल 24 रन देकर 4 विकेट लिए और टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई।

होल्डर ने कहा कि टीम की सफलता का सबसे बड़ा कारण उसका एकजुट होकर खेलना रहा है। टीम किसी एक खिलाड़ी पर निर्भर नहीं है। उन्होंने कहा, यही हमारी टीम का टेम्पलेट रहा है। हमारे पास मजबूत खिलाड़ी हैं और हर मुकाबले में अलग-अलग खिलाड़ी आगे आकर अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। उन्होंने साथ ही कहा कि टीम किसी एक स्टार खिलाड़ी पर निर्भर नहीं करती, बल्कि हर मैच में एक नया हीरो सामने आता है। इसी से टीम अब तक टिकी हुई है।

होल्डर ने साथ ही कहा, हमने अभी तक अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी नहीं किया है, फिर भी हम जीत हासिल कर रहे हैं। यह बयान टीम की गहराई और क्षमता को दर्शाता है। उनके अनुसार, टीम अभी अपनी क्षमता के शिखर पर नहीं पहुंची है, लेकिन इसके बावजूद लगातार जीत दर्ज कर रही है, जो उनके लिए सबसे बड़ा सकारात्मक पहलू है। यह दिखाता है कि टीम में न केवल गहराई है, बल्कि संतुलन भी मजबूत है, जिससे वे दबाव में भी बेहतर प्रदर्शन कर पा रहे हैं।

इस महत्वपूर्ण जीत के साथ गुजरात टाइटंस की स्थिति अंक तालिका में और बेहतर हुई है। टीम अब तक 10 मुकाबले खेल चुकी है, जिसमें से उसने 6 में जीत हासिल की है और 4 में उसे हार का सामना करना पड़ा है। 12 अंकों के साथ गुजरात टाइटंस अंक तालिका में पांचवें स्थान पर आ गई है। अब गुजरात टाइटंस अपने अगले मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स का सामना करेगी। यह मैच 9 मई को जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेला जाएगा।

रहाणे ने जीत का श्रेय गेंदबाजों को दिया, वरुण ने अच्छी गेंदबाजी की

हैदराबाद ।कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कप्तान आजिंक्य रहाणें ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मिली 7 विकेट से जीत का श्रेय गेंदबाजों को दिया है।रहाणे ने कहा कि हमारे गेंदबाजों विशेषकर वरुण चक्रवर्ती ने काफी सटीक गेंदबाजी कर करते हुए सनराइजर्स के बल्लेबाजों को खेलने का कोई अवसर नहीं दिया।केकेआर के गेंदबाजों ने इस मैच में अच्छा प्रदर्शन करते हुए सनराइजर्स के बल्लेबाजों को 19 ओवर में ही 165 रनों पर समेट दिया था। स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने अपने चार ओवर में केवल 36 रन देकर तीन अहम विकेट लिए, वहीं अनुभवी सुनील नारायण ने 31 रन देकर दो विकेट लिए।इन दोनों गेंदबाजों ने मिलकर सनराइजर्स के बल्लेबाजों पर अंकुश लगा दिया।ये गेंदबाज नियमित अंतराल पर विकेट लेते रहे।इसके बाद लक्ष्य का पीछा रते हुए कोलकाता ने 10 गेंद पहले ही मुकाबला जीत लिया।रहाणे ने उम्मीद जतायी कि इस जीत से उनकी टीम टूर्नामेंट में टिकी रह सकती है।उन्होंने कहा, यह एक अच्छा मैच रहा और जिस तरह से हमने गेंदबाजी में वापसी की, वह शानदार था।एक समय ऐसा लग रहा था कि वे 190-200 रन बना लेंगे, और उस लक्ष्य का पीछा करना कठिन होगा पर हमारे गेंदबाजों ने उन्हें रोक दिया।। रहाणे ने पिछले कुछ मैचों में गेंदबाजों के निरंतर प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा, हमारी गेंदबाजी इकाई पिछले पांच-छह मैचों में बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रही है।इसका श्रेय हमारे गेंदबाजी कोच ड्वेन ब्रावो और टिम साउदी को जाता है, जिन्होंने खिलाड़ियों को सही मार्गदर्शन दिया है।इस मैच में शानदार प्रदर्शन के लिए वरुण चक्रवर्ती को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

इंटर मिलान का जलवा बरकरार, 3 मैच बाकी रहते ही सीरी ए खिताब किया अपने नाम

इटली।प्रतिष्ठित फुटबॉल टूर्नामेंट Serie A में Inter Milan ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम कर लिया।इंटर मिलान ने परमा को 2-0 से हराकर तीन मैच शेष रहते ही चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया।इस जीत के साथ इंटर मिलान ने अंक तालिका में अपनी पकड़ इतनी मजबूत कर ली कि अब कोई भी टीम उन्हें पीछे नहीं छोड़ सकती।इंटर मिलान को खिताब जीतने के लिए सिर्फ एक ड्रॉ की जरूरत थी, लेकिन टीम ने जीत के साथ ट्रॉफी पर कब्जा जमाया।इस जीत के बाद टीम ने दूसरे स्थान पर मौजूद Napoli पर 12 अंकों की अजेय बढ़त बना ली है।यह इंटर मिलान का कुल 21वां सीरी ए खिताब है, जिससे वह सबसे ज्यादा खिताब जीतने वाली टीमों की सूची में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है।मैच में इंटर मिलान की शुरुआत दमदार रही और पहले हाफ में ही बढ़त हासिल कर ली।टीम की ओर से Marcus Thuram ने पहला गोल दागकर टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद अनुभवी खिलाड़ी Henrikh Mkhitaryan ने 80वें मिनट में दूसरा गोल कर जीत पक्की कर दी।पूरे सीजन में इंटर मिलान का प्रदर्शन बेहद शानदार रहा है।टीम ने लगातार अच्छा खेल दिखाते हुए बाकी टीमों को पीछे छोड़ दिया। उनकी मजबूत डिफेंस और आक्रामक अटैक ने उन्हें इस सीजन का सबसे संतुलित टीम बना दिया।अब इंटर मिलान की नजर एक और ट्रॉफी पर है।टीम जल्द ही इटालियन कप के फाइनल में Lazio से भिड़ेगी।अगर इंटर यह मुकाबला जीत लेती है, तो इस सीजन में डबल ट्रॉफी जीतने का सपना भी पूरा हो सकता है।

पीएसएल जीत से उत्साहित बाबर बोले, तीनों प्रारुप खेलूंगा, किसी भी एक से संन्यास का इरादा नहीं

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान सुपर लीग में अपनी टीम के खिताब जीतने से उत्साहित अनुभवी बल्लेबाज बाबर जाने ने कहा है कि अभी वह तीनों ही प्रारुप खेलते रहेंगे और उनके किसी भी एक प्रारुप को छोड़ने की कोई संभावना नहीं है। आजम ने इसी के साथ ही उनके किसी एक प्रारुप से संन्यास की अटकलों पर भी विराम लगा दिया। वहीं लंबे समय से यह चर्चा जोरों पर थी कि बाबर अपने करियर को बढ़ाने के लिए किसी एक फॉर्मेट से संन्यास ले सकते हैं, लेकिन उन्होंने इन सभी संभावनाओं को खारिज कर दिया। बाबर ने कहा, परेशान न हों, में तीनों प्रारुप खेलूंगा।

बाबर के इस बयान से साफ है कि उन्हें अब पाक टीम में वापसी का अवसर मिल सकता है। पिछले काफी समय से उनकी धीमी बल्लेबाजी पर सवाल उठते रहे हैं। यही वजह थी कि उनके टी20 करियर को लेकर तरह-तरह की बातें शुरू हो गई थीं, जिसमें फॉर्मेट छोड़ने की अटकलें प्रमुख थीं।

हालांकि, इन आलोचनाओं के बीच बाबर ने पाकिस्तान सुपर लीग 2026 में जबरदसत वापसी की। उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए 11 पारियों में कुल 588 रन बनाए, जिसमें उनका औसत 73.50 और स्ट्राइक रेट 145.90 रहा। इस दौरान बाबर ने दो शानदार शतक और तीन अर्धशतक लगाये।

बाबर ने जोर दिया कि एक खिलाड़ी को सभी प्रारुप खेलने चाहिए। उन्होंने तर्क दिया, यह एक खिलाड़ी का काम है कि वह हर फॉर्मेट में अपनी टीम के लिए उपलब्ध रहे। साथ ही कहा कि टेस्ट प्रारुप आपको धैर्य और लंबी पारी खेलने की कला सिखाता है।। उन्होंने आगे स्पष्ट किया कि टेस्ट क्रिकेट से मिलने वाला अनुभव न केवल टेस्ट मैचों में बल्कि टी20 और एकदिवीसय जैसे सीमित ओवरों के प्रारूपों में भी एक खिलाड़ी को बेहतर बनाता है।

पीएसएल की सफलता के बाद अब बाबर का अगला ध्यान टेस्ट क्रिकेट पर है। पाकिस्तानी टीम जल्द ही बांग्लादेश के दौरे पर दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला खेलेगी। यह श्रृंखला आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 का महत्वपूर्ण हिस्सा होगी, और बाबर इसमें अपनी टीम के लिए अहम भूमिका निभाने के लिए पूरी तरह तैयार दिख रहे हैं। बाबर ने यह भी साफ संकेत दिए हैं कि वह 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप की योजनाओं का एक अभिन्न अंग बने रहना चाहते हैं।

विश्व एथलेटिक्स 2026 : रागुल, नित्या सहित भारतीय रिले टीम ने बनाया नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड

गाबोरोन ।बोत्सवाना में हुए विश्व एथलेटिक्स 2026 भारतीय एथलेटिक्स में भारतीय टीम क्वालीफाई नहीं कर पाने के बाद भी एक रिकार्ड बनाने में सफल रही ।इसमें शामिल पांचों भारतीय टीमें अपने-अपने वर्ग में क्वालिफिकेशन नहीं कर पायीं पर 4 गुणा 400 मीटर में भारत की र रिले टीम ने एक नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड जरुर बनाया। भारतीय रिले टीम में रागुल कुमार, नित्या गांधे, अनिमेश कुजूर और स्नेहा सत्यनारायण शनुवल्ली शामिल थे।इस चारों ने शानदार तालमेल और गति का प्रदर्शन करते हुए 41.35 सेकंड का समय निकाला।इससे ये हीट में छठे स्थान पर रहे और क्वावलीफाई नहीं कर पाये पर 42.30 सेकंड के पुराने राष्ट्रीय रिकॉर्ड को तोड़ने में जरुर सफल रहे।यह प्रदर्शन भारतीय रिले एथलेटिक्स के भविष्य लिए सकारात्मक कदम है, जो आगामी प्रतियोगिताओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन सकता है और युवा एथलीटों को बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित करेगा।वहीं अन्य रिले टीमों का प्रदर्शन हालांकि उतना प्रभावशाली नहीं रहा।मिश्रित 4 गुणा 400 मीटर रिले में भारत की दूसरी टीम अपनी हीट में ही पांचवें स्थान पर रही।वहीं, पुरुषों की 4 गुणा 400 मीटर रिले टीम दौड़ पूरी नहीं कर सकी।इसका कारण ये रहा कि अनुभवी धावक आमोज जैकब को दौड़ के बीच में ऐंठन का सामना करना पड़ा।वहीं महिला 4 गुणा 400 मीटर टीम अपनी हीट में अंतिम स्थान पर रही, जबकि पुरुषों की गुणा 400 मीटर टीम को बैटन बदलने के दौरान हुई गलती के कारण अयोग्य करार दिया गया।

आयुष्मान खुराना ने केरल में शुरू की थ्रिलर फिल्म की शूटिंग?

कॉमेडी फिल्मों के बाद अब आयुष्मान खुराना गंभीर भूमिका में वापसी कर रहे हैं। इस फिल्म का निर्देशन 'काला पानी' फेम समीर सक्सेना कर रहे हैं। फिल्म यश राज फिल्म्स और पोशम पा पिक्चर्स द्वारा बनाई जा रही है।

कब शूरू हुई फिल्म की शूटिंग

आयुष्मान की इस फिल्म की शूटिंग अप्रैल की शुरुआत में चुपचाप शुरू हो गई थी। पूरी शूटिंग मई के अंत तक खत्म होने की उम्मीद है। अभी फिल्म का नाम तय नहीं हुआ है। कहानी को गुप्त रखा गया है, लेकिन कथित तौर पर इस फिल्म में आयुष्मान एक आम आदमी की भूमिका निभा रहे हैं, जो अचानक एक खतरनाक और मुश्किल स्थिति में फंस जाता है। इस फिल्म में ज्यादातर सहायक कलाकार नए या कम जाने-माने हैं, जिससे कहानी ज्यादा यथार्थवादी लगेगी।

यश राज के साथ तीसरी फिल्म

यह आयुष्मान खुराना की यश राज फिल्म्स के साथ तीसरी फिल्म है। पहले वे 'दम लगा के हैशा' और 'मेरी प्यारी बिंदू' में काम कर चुके हैं। पोशम पा पिक्चर्स के लिए भी यह थिएटर रिलीज की पहली फिल्म है। पहले उन्होंने नेटफ्लिक्स पर 'मामला लीगल है' और 'होम शांति' जैसी फिल्में बनाई हैं।

आयुष्मान की आने वाली फिल्में

आयुष्मान खुराना इस साल काफी व्यस्त रहने वाले हैं। उनकी 'पति पत्नी और वो दो', 'उड़ता तीर' (सारा अली खान के साथ) और सूरज बड़जात्या की फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' भी रिलीज होने वाली हैं। यह तीनों ही फिल्में इस साल 2026 या फिर अगले साल 2027 में रिलीज होंगी।

अहमद खान की अनटाइटल्ड जॉम्बी एंटरटेनर में हुई शनाया कपूर की एंट्री

निर्देशक अहमद खान इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। इस फिल्म के बाद अहमद एक जॉम्बी कॉमेडी फिल्म पर काम करेंगे। इस फिल्म में टाइगर श्रॉफ लीड हीरो के रोल में नजर आएंगे और उनके अपोजिट इस बॉलीवुड अभिनेत्री की एंट्री हो चुकी है।

कौन होगी इस फिल्म में टाइगर की हीरोइन

इस जॉम्बी कॉमेडी फिल्म का निर्देशन अहमद खान करेंगे। फिल्म के निर्माता फिरोज नाडियाडवाला है। टाइगर श्रॉफ इस प्रोजेक्ट से जुड़ चुके हैं। अब मुख्य अभिनेत्री के तौर पर शनाया कपूर का नाम सामने आया है। हालांकि, फिल्म को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। फिल्म की बाकी डिटेल्स को अभी गुप्त रखा गया है।

शनाया कपूर ने अपने करियर की शुरुआत फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' से की थी। उसके बाद उन्होंने आदर्श गौरव के साथ सर्वाइवल थ्रिलर फिल्म 'तू या मैं' की है, जिसमें उनकी एक्टिंग की काफी तारीफ हुई। अब वह अपने आगामी प्रोजेक्ट्स पर काम कर रही हैं। वहीं, टाइगर श्रॉफ अभी फिल्म 'लग जा गले' की शूटिंग कर रहे हैं। इस फिल्म में उनके साथ जान्हवी कपूर और लक्ष्य मुख्य भूमिका में हैं। यह फिल्म धर्मा प्रोडक्शन्स के बैनर तले बन रही है।

अहमद खान की फिल्म 'वेलकम टू द जंगल'

अहमद खान निर्देशित फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' में 30 से ज्यादा बड़े कलाकार काम कर रहे हैं। इसमें अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी, जैकी श्रॉफ, रवीना टंडन, दिशा पाटनी, जैकलीन फर्नांडीज, अरशद वारसी, परेश रावल, राजपाल यादव, जॉनी लीवर और कई कलाकाल शामिल हैं। अहमद खान ने बताया कि इतनी बड़ी कास्ट को एक साथ मैनेज करना बहुत मुश्किल था। अभिनेताओं की डेट्स, बजट और बाकी जरूरतों को संभालना आसान नहीं रहा। फिर भी उन्होंने यह फिल्म पूरी की।

बंद होगा एकता कपूर का 'नागिन 7'

टीवी की क्वीन कही जाने वाली निर्माता एकता कपूर ने अपने हिट सुपरनेचुरल शो नागिन 7 को लेकर एक अहम अपडेट साझा किया है। उन्होंने पुष्टि की है कि मौजूदा सीजन जल्द ही समाप्त होने वाला है और अगले साल इसे फिर से शुरू करने की योजना है। एकता कपूर ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज में शो के भविष्य को लेकर चल रही अटकलों पर बात करते हुए स्पष्ट किया कि सीजन को समाप्त करने का फैसला आंशिक रूप से शेड्यूलिंग की वजह से लिया गया है। उन्होंने कहा, 'नागिन को लेकर कुछ अपडेट देने आई हूं। दोस्तों, मैंने कल एक पोस्ट किया था और मुझे एहसास नहीं था कि हम अचानक शो खत्म करने वाले हैं। लेकिन हां, चैनल के अनुरोध के कारण हमें अप्रैल में शो खत्म करना था। अब हम इसे मेरे जन्मदिन पर खत्म कर रहे हैं। नागिन के किसी भी सीजन की ऐसी योजना नहीं थी। यह सिर्फ 30 एपिसोड का होना था। लेकिन हमने इसे 48 एपिसोड तक बढ़ा दिया और फिर हम अगले साल वापस आएंगे।'

एकता ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक और वीडियो भी साझा किया। इसमें उन्होंने छोटे सीजन बनाने के अपने फैसले के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा, 'नागिन को हर साल प्रसारित करने के लिए हमें छोटे सीजन बनाने चाहिए ताकि मुझे अपना सारा समय न देना पड़े और मैं बाकी कामों पर ध्यान दे सकूं। 'नागिन 7' का फिनाले एपिसोड अब 7 जून को टेलीकास्ट होगा। मौजूदा सीजन में प्रियंका चाहर चौधरी मुख्य भूमिका में हैं।

सुपर कॉप के रोल में फिर तबाही मचाएंगे रणदीप हुड्डा

रणदीप हुड्डा स्टारर सीरीज 'इंस्पेक्टर अविनाश' का पहला सीजन 2023 में आया था। इसके बाद से ही फैंस इसके दूसरे पार्ट का इंतजार कर रहे थे। अब मेकर्स ने इसके दूसरे सीजन का टीजर रिलीज कर फैंस की धड़कनें और बढ़ा दी हैं।

क्या है टीजर में खास

टीजर में रणदीप हुड्डा दबंग इंस्पेक्टर के रूप में नजर आ रहे हैं। कुछ सीन में वे बहरूपिया भी बनते दिखाई दिए हैं। टीजर में काफी दमदार डायलोग्स बताए गए हैं। इनमें से एक है जिसमें रणदीप हुड्डा कहते हैं- 'जिंदगी और मृत्यु के बीच सिर्फ हमारी एक उंगली का फर्क है।' वहीं टीजर में कुछ इंटेंस सीन भी नजर आए हैं, जिनमें एक्टर दमदार एक्शन सीन करते नजर आए हैं। वीडियो के कैप्शन में लिखा- 'यूपी का महाकाल, इस्पेक्टर अविनाश वापस आ रहे हैं। और इस बार होगा असली तांडव।'

कब रिलीज होगी सीरीज

सीरीज में रणदीप के अलावा उर्वशी रौतेला, रजनीश दुग्गल, अमित सियाल, सरगम सिंह, शालीन भनोट अहम किरदार में नजर आएंगे। सीरीज का निर्देशन नीरज पाठक कर रहे हैं। फिलहाल मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट का खुलासा नहीं किया है। सीरीज पिछले पार्ट से ज्यादा एक्शन पैक और इंटेंस बताई जा रही है। मेकर्स ने सीरीज के दूसरे सीजन 'इंस्पेक्टर अविनाश' का टीजर रिलीज कर दिया है। ये सीरीज हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी।

क्या साथ काम करेंगे अहान और आर्यन?

अहान पांडे ने फिल्म 'सैयारा' से बॉलीवुड में बतौर अभिनेता डेब्यू किया। वहीं शाहरुख के बेटे और निर्देशक आर्यन खान ने 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' से निर्देशन में कदम रखा। क्या आर्यन खान की आने वाली किसी फिल्म में अहान पांडे काम कर सकते हैं? अहान पांडे और शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान, दोनों ने साल 2025 में मनोरंजन की दुनिया में कदम रखा। जहां अहान ने फिल्म 'सैयारा' से बतौर अभिनेता अपना धमाकेदार डेब्यू किया। वहीं आर्यन ने नेटफ्लिक्स सीरीज 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' के जरिए निर्देशन में सफलता हासिल की। तो क्या अब दोनों एक साथ काम करेंगे?

बचपन की यादें और गहरा रिश्ता

हाल ही में एक इंटरव्यू में अहान ने आर्यन के साथ अपने खास रिश्ते के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि वे बचपन के दोस्त हैं। अहान ने एक मजेदार किस्सा भी शेयर किया। दरअसल, आर्यन स्कूल से सीधे अहान के घर आ जाते थे। वह अपने माता-पिता (शाहरुख और गौरी खान) से मिलने से पहले अहान के घर वक्त बिताते थे। हालात, ऐसी थी कि खुद शाहरुख खान अहान को फोन करके पूछते थे कि आर्यन घर क्यों नहीं आए? जब अहान से पूछा गया कि क्या वह भविष्य में आर्यन के निर्देशन में काम करेंगे, तो उन्होंने कहा, 'वे दोनों एक बेहतरीन निर्देशक-अभिनेता की जोड़ी बन सकते हैं। अहान का मानना है कि उनके बीच एक 'वास्तविक बंधन' है, इसलिए साथ काम करना काम जैसा नहीं लगेगा। बचपन की दोस्ती की वजह से दोनों एक-दूसरे को बहुत अच्छी तरह समझते हैं।

अहान के प्रोजेक्ट्स

अपनी पहली फिल्म 'सैयारा' की बड़ी सफलता के बाद, अहान के पास कई बड़े प्रोजेक्ट्स हैं। 'सैयारा' के बाद अहान पांडे एक बार फिर से मोहित सूरी की अगली फिल्म में काम करेंगे। इस रोमांटिक ड्रामा फिल्म में अहान के साथ अनीत पड्डा नजर आएंगी। इसे यशराज फिल्म्स बना रहा है। इसके अलावा अहान निर्देशक अली अब्बास जफर के साथ भी एक फिल्म में काम कर रहे हैं। यह एक एक्शन-रोमांस ड्रामा फिल्म होगी।

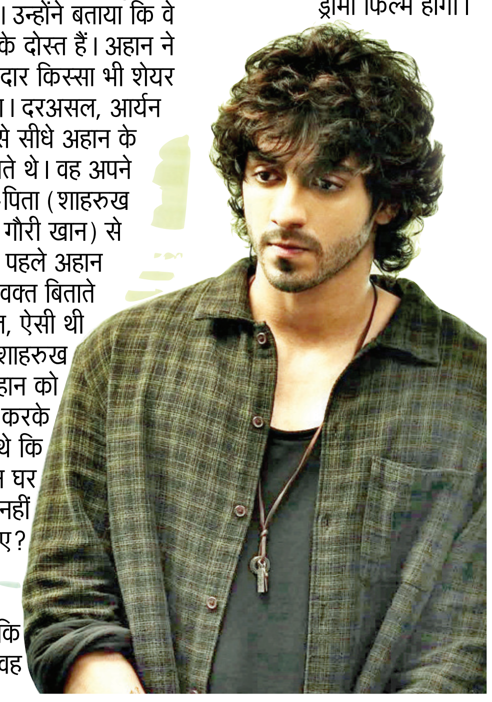

सारा अर्जुन की लगी लॉटरी

'धुरंधर' और 'धुरंधर 2' में यलीना के रोल से छाईं सारा अर्जुन अब मधुबाला बनेंगी। खबर है कि उन्हें मधुबाला की बायोपिक के लिए साइन किया गया है। नाम कन्फर्म है और एक्ट्रेस ने तैयारी भी शुरू कर दी है। हालांकि, अभी आधिकारिक ऐलान बाकी है।

हिंदी सिनेमा की सबसे खूबसूरत एक्ट्रेस मानी जाने वालीं मधुबाला की बायोपिक की चर्चा कई साल से हो रही है। इसके लिए कई एक्ट्रेसेस के नाम सामने आए, पर किसी पर भी मुहर नहीं लगी। अब इसके लिए 'धुरंधर' की यलीना यानी सारा अर्जुन का नाम कन्फर्म बताया जा रहा है। यानी उनकी लॉटरी लग गई है। कहा जा रहा है कि वह मधुबाला पर बन रही बायोपिक में उनका किरदार निभाएंगी। उनका नाम मधुबाला की बायोपिक के लिए कन्फर्म है। इस बायोपिक को जसमीत के रीन डायरेक्ट करेंगी, जबकि संजय लीला भंसाली प्रोड्यूसर हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, मधुबाला की बायोपिक की शूटिंग जुलाई 2026 से शुरू होगी। 'धुरंधर' और 'धुरंधर 2' के बाद इसे सारा अर्जुन के करियर की अहम फिल्म माना जा रहा है, जो उनके करियर को एक नई दिशा देगी। सारा अर्जुन वैसे तो बचपन से फिल्मों में काम कर रही हैं, पर 'धुरंधर' ने उन्हें रातोंरात जबरदस्त स्टारडम दिलाया है।

इस कारण मधुबाला की बायोपिक में हुई देरी

मधुबाला की बायोपिक की बात करें, तो यह कई साल से अटकी हुई थी। रिपोर्ट के मुताबिक, बजट की कमी के कारण इसे कई बार देरी का सामना करना पड़ा, लेकिन बाद में यह ट्रैक पर लौट आई। अहम मोड़ तब आया जब संजय लीला भंसाली बतौर प्रोड्यूसर मधुबाला की बायोपिक से जुड़े। वहीं जसमीत के रीन डायरेक्टर हैं, जिन्होंने विजय वर्मा और आलिया भट्ट स्टारर 'डार्लिंग्स' डायरेक्ट की थी।

सारा ने शुरू की तैयारी

बताया जा रहा है कि सारा अर्जुन ने मधुबाला की खूबसूरती, गरिमा और पर्दे पर उनकी उपस्थिति को हूबहू उतारने के लिए जोरदार तैयारी शुरू कर दी है। अब दिलीप कुमार और किशोर कुमार के किरदारों के लिए कास्टिंग चल रही है, जिनका मधुबाला की निजी जिंदगी में अहम रोल रहा।

इन एक्ट्रेसेस के नामों की थी चर्चा

मालूम हो कि मधुबाला के किरदार के लिए पहले कियारा आडवाणी से बातचीत चल रही थी, पर बात नहीं बन पाई और फिर सारा अर्जुन को साइन किया गया। इससे पहले मधुबाला के किरदार के लिए साई पल्लवी और अनीत पड्डा का नाम भी सामने आया, पर वो महज अफवाह निकली। मधुबाला की बायोपिक में उनके करियर और निजी जिंदगी के कई अहम पहलुओं को दिखाया जाएगा। उन पलों को भी दर्शकों को देखने का मौका मिला, जिनसे वो अछूते हैं।

मनीष मल्होत्रा भी बनाने वाले थे मधुबाला पर बायोपिक

मधुबाला पर बायोपिक बनाने के लिए फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा का भी नाम सामने आया था, पर दिवंगत एक्ट्रेस की बहन मधुर भूषण ने 2022 में कह दिया था कि मधुबाला की जिंदगी पर फिल्म सिर्फ वो और उनकी टीम ही बनाएगी, बाकी कोई और नहीं बनाएगा।

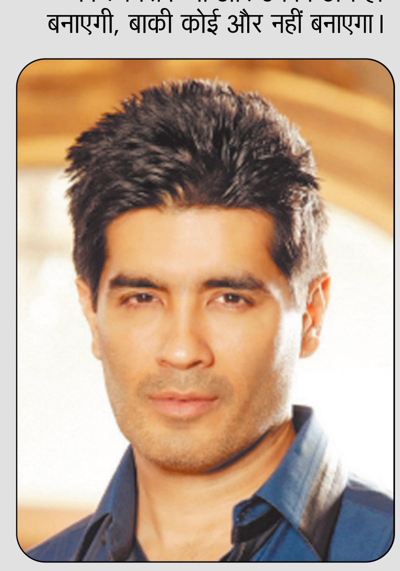

ऑनलाइन वर्ल्ड में स्मार्ट करियर

आप में पैशन और क्रिएटिव स्पार्क है, तो डिजिटल एडवरटाइजिंग परफेक्ट करियर है। इसमें इंटरनेट के जरिए अपने प्रोडक्ट की दुनिया भर में ब्रांडिंग की जा सकती है..

ऑनलाइन एजुकेशन, शॉपिंग और इस तरह की दूसरी इंटरनेट बेस्ड एक्टिविटीज के बढ़ने से डिजिटल मार्केटिंग में ग्रोथ के अच्छे अवसर पैदा हुए हैं। जिनमें टेक्निकल स्किल के अलावा, मार्केटिंग स्ट्रेटेजी बनाने की कला, आर्टिस्टिक विजुअलाइजेशन और ई-कॉमर्स की समझ है, वे इसमें कई तरह से करियर बना सकते हैं।

स्ट्रेटेजी एनालिस्ट

वर्क एरिया : प्रोडक्ट की एडवरटिजमेंट, बेचने और खरीदने के लिए स्ट्रेटेजी तैयार करना

स्किल्स : मार्केट, ट्रेंड ऐंड डिमांड की एनालिसिस

सैलरी :20 हजार से 4-5 लाख रुपये तक

एलिजिबिलिटी : ग्रेजुएट, एमबीए को वरीयता

बिजनेस डेवलपमेंट मैनेजर

वर्क एरिया : एडवरटाइजिंग कंपनीज के लिए विज्ञापन लाना। एडवरटिजमेंट स्लॉट बेचना और खरीदना

स्किल्स

- मार्केट डिमांड ऐंड ट्रेंड्स की अच्छी समझ
- इंटरैक्शन ऐंड कम्युनिकेशन में माहिर
- अट्रैक्टिव ऐंड एक्टिव पर्सनैलिटी

सैलरी : 10 हजार रुपये से शुरू होकर लाखों में (कमीशन बेस्ड जॉब भी)

एलिजिबिलिटी : अंडरग्रेजुएट (स्किल इंपॉर्टेंट)

मीडिया प्लानर

वर्क एरिया : एडवरटाइजिंग का कौन-सा मीडियम प्रोडक्ट के हिसाब से फिट बैठेगा, प्रोडक्ट के मुताबिक, कहां ज्यादा यूजर ट्रैफिक मिलेगा, इसकी प्लानिंग करना।

स्किल्स

- ... क्रिएटिविटी ऐंड इनोवेशन
- ... मीडिया मार्केट के बारे में इंप्रेसिव नॉलेज
- ... इफेक्टिव प्लानिंग स्किल

सैलरी : 10 हजार रुपये से शुरू

एलिजिबिलिटी : अंडरग्रेजुएट

एडवरटिजमेंट पब्लिशर

वर्क एरिया : एडवरटिजमेंट को मीडिया प्लेटफॉर्म पर पब्लिश कराना।

स्किल्स

- कंप्यूटर ऐंड इंटरनेट की अच्छी नॉलेज
- स्पीड, एक्यूरेसी ऐंड स्मार्ट वर्क

सैलरी :10 हजार रुपये से शुरू

एलिजिबिलिटी : अंडरग्रेजुएट

मीडिया बायर ऐंड सेलर

वर्क एरिया : एडवरटिजमेंट पब्लिश करने के लिए मीडिया स्लॉट या स्पेस खरीदना-बेचना

स्किल्स

- कंप्यूटर ऐंड इंटरनेट की अच्छी नॉलेज
- एडवरटिजमेंट की अच्छी एनालिसिस

सैलरी : 10 हजार रुपये से शुरू

एलिजिबिलिटी = अंडरग्रेजुएट

बैकएंड ऐंड सर्वर ऑपरेटर

वर्क एरिया : एडवरटाइजिंग के लिए सर्वर ऑपरेट करना, ट्रैफिक, एसइओ आदि की एनालिसिस करना।

स्किल्स

- टेक्निकली साउंड
- क्रिएटिव, इनोवेटिव ऐंड एक्टिव
- स्पीड ऐंड एक्यूरेसी

सैलरी : 10 हजार रुपये से शुरू

एलिजिबिलिटी : अंडरग्रेजुएट

इंस्टीट्यूट्स

-एनएनआइटी

www.niitdigitalmarketing.com

-सिंबॉयोसिस इंस्टीट्यूट ऑफ मास कम्युनिकेशंस

www.simc.edu

इंटरनेट यूजर्स ने बढ़ाई डिमांड

न्यूजपेपर और टीवी पर एडवरटिजमेंट के बाद आने वाला वक्त डिजिटल एडवरटाइजिंग का है। विदेश में इसका जबरदस्त क्रेज है। विदेशी कंपनीज बहुत तेजी से इंडिया में इन्वेस्ट भी कर रही हैं। उनके प्रोडक्ट की एडवरटाइजिंग के लिए चीन और इंडिया से बेहतर और बड़ा मार्केट कोई नहींहै। इसकी एक बड़ी वजह इंडिया में लगातार इंटरनेट यूजर्स की बढ़ती संख्या भी है। यह ऐसे फील्ड के रूप में डेवलप हो रहा है, जिसमें आपको बस कंप्यूटर की नॉलेज भर होनी चाहिए।

कॉरपोरेट वर्ल्ड के लीगल कंसल्टेंट

एक समय ऐसा था, जब लॉयर्स को केवल कोर्ट रूम में जिरह करते हुए प्रोफेशनल्स के तौर पर देखा और जाना जाता था, लेकिन हाल के वर्षो में इस फील्ड में काफी चेंज आया है और नए-नए एरिया भी जुड़ते जा रहे हैं। इस फील्ड में आने वाले अवारों को देखते हुए स्टूडेंट्स का रुझान 'कॉरपोरेट लॉ%' की तरफ खूब देखा जा रहा है। ग्लोबलाइजेशन और प्राइवेटाइजेशन ने इस फील्ड की चमक को और बढ़ाया है। आप इस फील्ड में आते हैं, तो यहां नेम-फेम के अलावा, प्रोफेशनल्स की सैलरी भी काफी अच्छी होती है।

क्वालिफिकेशन

एपीजी शिमला यूनिवर्सिटी की एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर प्रियंका गोयल के मुताबिक, इस फील्ड में एंट्री के लिए दो ऑप्शंस हैं। पहला, 12वींके बाद स्टूडेंट्स देश की टॉप लॉ यूनिवर्सिटीज से पांच वर्षीय इंटीग्रेटेड लॉ कोर्स में एडमिशन ले सकते हैं। कोर्स कंप्लीट होने के बाद आप बार काउंसिल में रजिस्ट्रेशन कराके लॉयर बन सकते हैं। दूसरा,

किसी भी सब्जेक्ट से ग्रेजुएशन करने के बाद तीन वर्षीय लॉ कोर्स में एडमिशन ले सकते हैं।

लॉ से संबंधित एग्जाम

लॉ इंस्टीट्यूट्स में एडमिशन के लिए एंट्रेंस टेस्ट क्लीयर करना पड़ता है। कुछ एंट्रेंस **एग्जाम इस तरह हैं..**

कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट : इस एंट्रेंस टेस्ट को क्लैट के नाम से भी जाना जाता है। यह नेशनल लेवल का लॉ एग्जाम है। इसके जरिए देश की टॉप-14 लॉ यूनिवर्सिटीज में एडमिशन लिया जा सकता है। कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट में आमतौर पर इंग्लिश, लॉजिकल रीजनिंग, लीगल रीजनिंग, मैथमेटिक्स और जनरल नॉलेज से जुड़े सवाल पूछे जाते हैं।

लॉ स्कूल एडमिशन टेस्ट : इसे एलसेट के नाम से भी जाना जाता है। जिंदल ग्लोबल लॉ स्कूल, यूपीईएस देहरादून, आईटीएम गुड़गांव आदि जैसे देश के करीब 60 लॉ कॉलेजों में इस एग्जाम के जरिए एंट्री मिलती है। इस एग्जाम में कॉम्प्रिहेंशन, एनालिटिकल रीजनिंग और लॉजिकल रीजनिंग से संबंधित प्रश्न पूछे जाते हैं।

डीयू एलएलबी/एलएलएम : दिल्ली यूनिवर्सिटी के फैकल्टी ऑफ लॉ में एडमिशन के लिए अलग से एंट्रेंस एग्जाम का आयोजन किया जाता है। इसके जरिए एलएलबी और एलएलएम जैसे कोर्स में एडमिशन लिया जा सकता है।

एसईटी सिंबायोसिस : इस एंट्रेंस टेस्ट के जरिए सिंबायोसिस इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के अंतर्गत आने वाले लॉ इंस्टीट्यूट के अंडरग्रेजुएट कोर्स में एडमिशन लिया जा सकता है।

यूएलएसएटी : यूनिवर्सिटी ऑफ पेट्रोलियम ऐंड एनर्जी स्टडी यूएलएसएटी आयोजित करती है। इस टेस्ट में पास होने के बाद बैचलर ऑफ लॉ, कॉरपोरेट लॉ, साइबर लॉ और इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स में एलएलबी किया जा सकता है।

कॉरपोरेट लॉयर

यह लीगल सर्विसेज का उभरता हुआ फील्ड है। कॉरपोरेट लॉयर्स की जरूरत कंपनीज के लीगल डिपार्टमेंट में होती है। यहां जूनियर कॉरपोरेट लॉयर के रूप में आपको कॉन्ट्रैक्ट्स की ड्रॉफ्टिंग, फाइल की तैयारी, मेमोरेंडम तैयार करना, सिक्योरिटी डिस्क्लोजर स्टेटमेंट्स तैयार करना होता है। इसके अलावा, लेबर इश्यू, एम्प्लॉयीज राइट्स, अमैल्गमेशन, स्प्लिट से रिलेटेड वर्क भी इन्हींके जिम्मे होता है। बड़े बिजनेस हाउसेज और गवर्नमेंट डिपार्टमेंट को भी कई जटिल कानूनी मामलों का सामना करना पड़ता है। इन्हें हल करने के लिए

कॉरपोरेट लॉयर्स की मांग बढ़ रही है। इनका कार्य कंपनी के संचालन में कानूनी नियमों का पालन सुनिश्चित करना, कंपनी से जुड़े मुकदमों की पैरवी आदि करना होता है। अगर संक्षेप में कहें, तो इनके कार्य को तीन हिस्सों में बांटा जा सकता है। पहला, बिजनेस से संबंधित लीगर इश्यू के बारे में सलाह देना। दूसरा, सभी कॉन्ट्रैक्ट्स और उससे संबंधित डॉक्यूमेंट्स की ड्रॉफ्टिंग। तीसरा, लॉ और रेगुलेशन का अनुपालन करना। हालांकि कॉरपोरेट लॉयर्स एक से अधिक एरिया में स्पेशलाइज्ड हो सकते हैं, जैसे- टैक्स लॉ, इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट आदि।

वर्क ऑप्शंस

आज कॉरपोरेट लॉयर्स की डिमांड बिजनेस हाउसेज के अलावा लॉ फर्म्स में भी खूब हैं। इसके अलावा, इनके लिए टीचिंग का ऑप्शन भी खुला रहता है। इस फील्ड से जुड़े प्रोफेशनल्स इंवेस्टमेंट बैंकिंग में भी करियर बना सकते हैं। कॉरपोरेट हाउसेज के अलावा, बड़ी अकाउंटिंग फर्म, जैसे- प्राइसवाटरहाउसकूपर्स और केपीएमजी में भी करियर की तलाश कर सकते हैं। साथ ही, कई बड़ी ग्लोबल लॉ फर्म भी भारत आने को तैयार है। यहां भी कॉरपोरेट लॉयर्स के लिए कार्य करने का अच्छा मौका हो सकता है। इन दिनों कॉरपोरेट लॉयर्स की डिमांड केवल भारत में ही नहीं, विदेश में भी जबरदस्त है। अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देशों में कॉरपोरेट लॉयर्स की डिमांड इसलिए भी ज्यादा है, क्योंकि वहां की तुलना में भारतीय लीगल प्रोफेशनल्स की फीस कम होती है।

सैलरी पैकेज

इस फील्ड में फ्रेशर्स 3-12 लाख रुपये सालाना सैलरी की उम्मीद कर सकते हैं। आप इससे ज्यादा सैलरी भी प्राप्त कर सकते हैं, लेकिन यह आपके एजुकेशनल बैकग्राउंड और कंपनी पर भी डिपेंड करता है।

अपनी आदतें सुधारिए

अक्सर यह देखा जाता है कि लोग अपनी आदतों के बारे में खुद कभी भी नहीं जान पाते हैं। यही वजह है कि जब किसी कम्पनी या फर्म में काम करते हैं तो अपनी इन्हीं आदतों के शिकार हो जाते हैं।

ये आदतें दिखती बड़ी सामान्य हैं लेकिन इसे लेकर शर्मिंदा होना पड़ता है। आइए ऐसी ही कुछ सामान्य बातों पर नजर डालते हैं जिनकी वजह से वरिष्ठजनों की बातें सुनने पर मजबूर होना पड़ता है-

काम के लिए पूरी तरह से तैयार न होना- अपनी मीटिंग के दौरान फाइल्स और अपनी जरूरी चीजों को साथ न लाना। यह काम के प्रति आपकी लापरवाही को दर्शाता है। साथ ही इससे आपके समय की बर्बादी भी होती है। इन आदतों में सुधार लाएँ और अपने काम को परफैक्ट बनाएँ।

एक अच्छे टीम लीडर- आप कम्पनी में टीम लीडर हैं और अगर आपके टीम के किसी सदस्य को मदद की आवश्यकता हो तो बेझिझक उनकी मदद करें। अगर आपके पास कोई बेहतर सुझाव हो तो उसे देने से न झिझकें।

खुद पर विश्वास न होना- जब बहुत जरूरत हो तभी अपने टीम के सदस्य से मदद लें। ऐसा नहीं कि अपनी हर छोटी-छोटी जरूरतों के लिए उन्हें बुलाएँ।

तेज सुगंध वाली परफ्यूम- बहुत बार ऐसा देखा जाता है कि लोग इतनी तेज सुगंध वाली परफ्यूम का इस्तेमाल करते हैं कि आस-पास के लोग परेशान हो जाते हैं। इसलिए काम करने के दौरान इस बात का भी खास ख्याल रखें।

ऑफिस में लंच के दौरान प्याज और अण्डे न खाएँ। जब भी धूम्रपान करें ऑफिस में घुसने से पहले यह देख लें कि उसकी गंध कहीं अभी भी तो नहीं आ रही। ऐसे परफ्यूम का इस्तेमाल करें जिसकी सुगंध 20 यार्ड से ज्यादा न फैले।

फोन पर तेज बात करना- जब आप आप ऑफिस में हों और आपका मोबाइल बजे तो ज्यादा जोर-जोर से बातें न करें इससे अन्य लोगों को परेशानी होती है। अपने निजी फोन कॉल पर कम ही बात करें। अपनी आवाज को धीमे रखें। ये याद रखें यह आपका ऑफिस है बेडरूम नहीं।

जब आप बीमार हों- अगर आप बीमार हैं तो घर पर ही रहें। अगर जाना बहुत जरूरी हो तो अपने मुँह पर कोई कपड़ा रखें ताकि आपके साथी उसकी चपेट में न जाएँ।

हाथी की चाल- काम करने के दौरान इधर-उधर न टहलें। इससे अन्य लोगों को असुविधा होती है। अगर आप अपने पास बैठे किसी साथी से बातें कर रहे हैं तो अपनी आवाज को थोड़ा कम कर लें।

आपका मोबाइल- अगर सम्भव हो तो अपने मोबाइल को ऑफिस के दौरान बन्द ही रखें। बार-बार आपके मोबाइल का बजना दूसरों के लिए परेशानी का सबब बन सकता है। या फिर अपने मोबाइल को साइलेंट मोड पर रखें।

कम्प्यूटर की तेज आवाज- काम के दौरान कोई यह नहीं चाहेगा कि आपके कम्प्यूटर की तेज आवाज उनके कानों में जाए इसलिए उसकी आवाज को कम ही रखें।

जब मिले आत्मविश्वास से मिलें- बहुत बार ऐसा देखा जाता है कि लोग जब अपने साथी से ऑफिस में मिलते उनके हाथ मिलाने में उत्साह और आत्मविश्वास की कमी होती है। जब भी दूसरों से बात करें आँखों में आँखें डालकर बात करें, इससे आपका आत्मविश्वास झलकता है।